www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार, 13 अक्टूबर, 2023 | वर्ष-16 | अंक -188 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

सरकार के लूट और पाखंड की पराकाष्ठा 02

■ मेयर शैली ओबरॉय ने ऑस्ट्रेलिया में एशिया पेसिफिक...
■ इंटरनेशनल स्कूल-कॉलेजों को दी जाएगी संयुक्त मान्यता 03

■ नेतन्याहू ने अमेरिकी समर्थन के लिए ब्लिंकन को...
■ बांग्लादेशी संसद की अध्यक्ष ने नारी शक्ति वंदन को सराहा 07

'उड़ारियां' में मेरा किरदार लगभग मेरे वास्तविक... 10

सरकार ने शुरू किया ऑपरेशन अजय

इजरायल से आज विशेष विमान से लौटेंगे 230 भारतीय

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। इजरायल से भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाने के लिए सरकार ने ऑपरेशन अजय शुरू किया और इसके अंतर्गत करीब 230 भारतीय पहली चार्टर उड़ान से शुक्रवार सुबह तक भारत लौटने की संभावना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, जैसा कि कल विदेश मंत्री ने घोषणा की थी, ऑपरेशन अजय को हमारे उन नागरिकों की इजराइल से वापसी की सुविधा के लिए शुरू किया गया है जो वापस आना चाहते हैं। पहली चार्टर उड़ान भारतीयों को लेने के लिए आज रात तक तेल अवीव पहुंचेगी और उन्हें शुक्रवार सुबह तक स्वदेश लाएगी।

चार्टर उड़ानें संचालित की जा रही

श्री बागची ने एक सवाल के जवाब में कहा कि ऑपरेशन अजय आने के इच्छुक भारतीयों की मांग पर आधारित होगा। पहली उड़ान में 230 यात्रियों के सवार होने की उम्मीद है। फिलहाल चार्टर उड़ानें संचालित की जा रही हैं। लेकिन भविष्य में यदि जरूरत महसूस हुई तो हमारे पास सभी विकल्प हैं। ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। सरकार सभी विकल्पों पर नजर रख रही है। वहां की स्थिति पर पूरी नजर है।

संप्रभु फिलिस्तीन की वकालत करता रहा है भारत

भारत ने इजराइल पर हमास के हमले को आतंकी हमला बताया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि फिलिस्तीन को लेकर भारत की पॉलिसी लंबे समय से एक ही रही है। भारत हमेशा से बातचीत से आजाद और संप्रभु फिलिस्तीन बनाने की वकालत करता रहा है। अभी भारत का यही स्टैंड है।

इजराइल में हालात चिंताजनक

एक सवाल के जवाब में प्रवक्ता ने कहा कि लगभग 18 हजार भारतीय इजरायल में हैं। वहां संघर्ष चल रहा है और हालात चिंताजनक हैं। हमने अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं सुनी है। उन्होंने कहा कि भारतीयों को भारतीय मिशन में पंजीकरण कराने और मिशन द्वारा जारी परामर्श का पालन करने की सलाह दी गई है।

इजराइल ने गाजा पट्टी खाली करने को कहा

इस बीच इजराइल ने लोगों को गाजा पट्टी खाली करने को कहा है। सेना ने आसमान से पर्चे गिराए हैं। इन पर लिखा है कि हमास के हमलों की वजह से इजराइली सेना जवाब दे रही है। जिन इमारतों पर हमास काम कर रहा है, उन्हें तबाह कर दिया जाएगा। वहीं, इजराइली सेना ने सीरिया में हमास के समर्थक ईरान के ठिकानों पर हमला किया है। ये हमले दमिश्क में एयरपोर्ट के करीब हुए हैं।

कांग्रेस ने की 'पढ़ो पढ़ाओ' योजना की घोषणा

मध्य प्रदेश में छात्रों को हर महीने पैसे देंगे : प्रियंका

कांग्रेस नेता ने कहा 8वीं तक 500, 10वीं तक 1000, 12वीं तक के बच्चों को 1500 रुपए दिए जाएंगे

मंडला, 12 अक्टूबर (देशबन्धु) कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज कहा कि मध्यप्रदेश में पार्टी की सरकार बनने पर 'पढ़ो पढ़ाओ' योजना लागू की जाएगी, जिसके तहत स्कूली विद्यार्थियों को पांच सौ रुपए से लेकर पंद्रह सौ रुपए प्रतिमाह तक दिए जाएंगे। श्रीमती वाड्रा ने राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महाकौशल अंचल के आदिवासी बहुल मंडला में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर कांग्रेस महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

- कांग्रेस महासचिव ने इंदिरा गांधी को किया याद
- आदिवासियों को सबसे बड़ा विवेकशील बताया

श्रीमती वाड्रा ने स्थानीय रामनगर ग्राउंड पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस की सरकार बनने पर पढ़ो पढ़ाओ योजना लागू की जाएगी। इसके तहत कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों को पांच सौ रुपए प्रतिमाह, नवीं और दसवीं के बच्चों को एक हजार रुपए और ग्यारहवीं और बारहवीं के बच्चों को पंद्रह सौ रुपए प्रतिमाह प्रदान किए जाएंगे। प्रियंका ने आदिवासी बहुल इस अंचल के लोगों को संबोधन के दौरान अपनी दादी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी का स्मरण किया।

> कांग्रेस पार्टी जो भी वादे कर रही हैं, उन्हें सरकार बनने पर पूरा किया जाएगा। कांग्रेस अन्य दलों के नेताओं की तरह 'जुमले' नहीं दे रही है :
> **प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव**

सार संक्षेप

अजित की सीएम बनने की महत्वाकांक्षा सपना ही रहेगी : पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने गुरुवार को कहा कि अजित पवार की महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा सिर्फ एक 'सपना' बनकर रह जाएगी। शरद पवार से एनसीपी में विभिन्न राजनीतिक उथल-पुथल पर चल रहे विवाद के बारे में पूछा गया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सरताज सिंह का हुआ निधन

भोपाल। पूर्व केंद्रीय मंत्री और मध्यप्रदेश में मंत्री रहे सरताज सिंह का आज सुबह देहांत हो गया। उनका पिछले कुछ समय से बीमारी के चलते उपचार चल रहा था। स्वर्गीय सिंह पांच बार सांसद और दो बार मध्यप्रदेश में विधायक रह चुके हैं। वे स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 13 दिन की सरकार में केन्द्रीय मंत्री भी रहे थे। इसके बाद वे मध्यप्रदेश में भी 2009 से 2016 तक शिवराज सिंह चौहान सरकार में मंत्री रहे।

आयोग ने तेलंगाना में अधिकारियों का तबादला किया

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने तेलंगाना के 20 अफसरों का ट्रांसफर कर दिया। इन 20 अफसरों में 4 कलेक्टर, 3 पुलिस कमीश्नर, 10 एसी भी शामिल हैं। आयोग ने यह निर्णय तेलंगाना में होने वाले विधानसभा चुनाव के चलते लिया है। आयोग ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के चलते इन अफसरों का तबादला किया गया है।

चंद्रबाबू की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

अमरावती। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने गुरुवार को अंगल्लू हिंसा मामले में पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अग्रिम जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। फैसला शुक्रवार को सुनाया जाएगा। नायडू के वकील ने तर्क दिया कि मामले में आरोपी के रूप में नामित कुछ लोगों को हाईकोर्ट ने पहले ही अग्रिम जमानत दे दी थी।

गडकरी ने अरुणाचल में 7 पुल परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सेतु बंधन योजना के तहत अरुणाचल प्रदेश में सात पुल परियोजनाओं को मंजूरी दी है। श्री गडकरी ने गुरुवार को बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 118.50 करोड़ रुपये की संचयी लागत वाली इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

बिहार ट्रेन हादसे पर खड़गे बोले

तय हो रेलवे व केंद्र की जवाबदेही

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को बिहार के बक्सर में आनंद विहार-कामाख्या नॉर्थईस्ट एक्सप्रेस दुर्घटना में यात्रियों की मौत पर शोक व्यक्त किया और रेलवे और केंद्र की जवाबदेही तय करने की मांग की। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी हादसे में यात्रियों की मौत पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा, 'नई दिल्ली से असम जा रही नॉर्थईस्ट एक्सप्रेस के बिहार के बक्सर में पटरी से उतरने की खबर बेहद दुखद है।'

- हादसे में चार लोगों की गई जान

उन्होंने कहा कि इस भीषण हादसे में कई लोगों की जान चली गई है और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए है। खड़गे ने कहा, हम मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वे पीड़ितों को हर संभव मदद प्रदान करें।

बालासोर के बाद दूसरी बड़ी दुर्घटना

उन्होंने ओडिशा के बालासोर में 2 जून को हुए ट्रिपल ट्रेन हादसे पर प्रकाश डालते हुए कहा, जून 2023 के बालासोर ट्रेन हादसे के बाद यह दूसरी बड़ी पटरी से उतरने की दुर्घटना है। रेल मंत्रालय और केंद्र सरकार की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। असम के कामाख्या जाने वाली आनंद विहार-कामाख्या नॉर्थईस्ट एक्सप्रेस के 21 डिब्बों के बक्सर के रघुनाथपुर में पटरी से उतर जाने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

रेलवे की ओर से 10-10 लाख की सहायता

रेलवे की ओर से हादसे में मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाने के निर्णय लिया गया है। जबकि, घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने का एलान किया गया है।

गर्भपात की जिद पर सीजेआई की सख्त टिप्पणी

26 सप्ताह के भ्रूण को मार नहीं सकते

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। 26 सप्ताह की गर्भवती महिला पहले ही दो बच्चों की मां बन चुकी है। अब महिला तीसरी बार बच्चे को जन्म देने वाली है, लेकिन वह बच्चा गिराना चाहती है, लेकिन मेडिकल तरीकों का इस्तेमाल कर गर्भपात की अनुमति लेने पहुंची महिला को सुप्रीम कोर्ट से भी निराशा हाथ लगी है। गर्भ गिराने की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम किसी बच्चे को नहीं मार सकते। कोर्ट के निर्देश पर एम्स के मेडिकल बोर्ड ने कहा था कि बच्चे की जान बचाई जा सकती है। अदालत मामले में शुक्रवार सुबह 10.30 बजे भी सुनवाई करेगी।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने 10 अक्तूबर को केंद्र सरकार की अपील पर गर्भपात पर अस्थायी रोक लगाई थी। केंद्र की याचिका पर सुनवाई करते हुए गुरुवार, 12 अक्तूबर को शीर्ष अदालत ने कहा, हम एक बच्चे को नहीं मार सकते। कोर्ट ने ये भी पूछा कि गर्भवती महिला शादीशुदा हैं, दो बच्चों की मां हैं। ऐसे में वे 26 हफ्तों तक क्या कर रही थीं?

इतने समय तक क्या कर रही थीं महिला

कुछ और हफ्ते तक पालने की संभावना तलाशें

अदालत ने स्पष्ट किया कि शीर्ष अदालत को अजन्मे बच्चे, एक जीवित और व्यवहार्य भ्रूण के अधिकारों को उसकी मां के फैसले लेने के अधिकार के साथ संतुलित करना है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार और महिला के वकील से बात कर गर्भ में पल रहे शिशु को कुछ और हफ्तों तक पालने की संभावना पर विचार करने को कहा।

मानसिक अवसाद से है पीड़ित

मामला सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष तब आया जब बुधवार को दो न्यायाधीशों की पीठ ने खंडित फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने 9 अक्टूबर के आदेश में कहा था कि महिला अवसाद से पीड़ित है। कोर्ट ने 'भावनात्मक, आर्थिक और मानसिक रूप से' तीसरे बच्चे को पालने की स्थिति में नहीं होने के कारण महिला को गर्भ गिराने के लिए चिकित्सीय तरीके अपनाने की अनुमति दी थी।

बिलकिस बानो मामले में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। *सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को गुजरात सरकार द्वारा बिलकिस बानो मामले में दोषियों की जल्द रिहाई के खिलाफ दायर याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति बीवी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने 2002 में गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या के मामले में दोषियों को रिहा करने के छूट आदेश की वैधता के सवाल पर दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। पीठ ने केंद्र और राज्य सरकार को 16 अक्टूबर तक दोषियों की रिहाई से संबंधित ट्रांसलेशन के साथ रिकॉर्ड दाखिल करने का आदेश दिया।*

लद्दाख के मोर्चे पर स्थिति जस की तस

कोर कमांडर स्तर की 20वीं बैठक में भी नहीं निकला कोई समाधान

जम्मू, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। लद्दाख के मोर्चे पर स्थिति अभी भी जस की तस बनी रहेगी, इसलिए यह सर्दी भी भयानक तापमान में काटेंगे दोनों देशों के जवान क्योंकि 20वें दौर की वार्ता हुई फेल हो गई है। जानकारी के मुताबिक भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव कम करने के लिए कोर कमांडर स्तर की 20वें दौर की वार्ता की, लेकिन तत्काल कोई समाधान नहीं निकला। रक्षा और सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने कहा कि इसका मतलब यह है कि दोनों पक्षों के सैनिक लगातार चौथी सर्दियों तक एलएसी के साथ आगे के क्षेत्रों में तैनात रहेंगे। ऐसे में लद्दाख के मोर्चे की एक चिंताजनक बात यह है कि भारतीय सेना को एलएसी पर इन सर्दियों में भी टिके रहने के साथ चीन से जंग की तैयारी भी करनी पड़ रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि चीनी सेना द्वारा कब्जाए गए इलाकों में भूमिगत शेल्टर और बंकरों के निर्माण के बाद यह संकेत मिलने आरंभ हुए हैं कि दोनों मुल्कों की सेनाओं के बीच एलएसी के विवादित क्षेत्रों में खूरेंजी झड़पें हो सकती हैं। जबकि समाचार यह कहते हैं कि चीन कई मोर्चों पर उलझे होने के कारण लद्दाख सीमा पर अपनी खुन्नस निकाल सकता है। ऐसे में भारतीय सेना की चिंता यह है कि और कितनी सर्दियां चीन सीमा पर गुजारनी होंगी।

यह सर्दी भी भयानक तापमान में काटेंगे दोनों देशों के जवान

सेना को युद्ध वाली स्थिति में रहने को कहा

पैंगांग झील, देपसांग, स्पंगुर झील, रेजांगला आदि के एलएसी के इलाकों में भारतीय सेना को युद्ध वाली स्थिति में ही रहने को कहा गया है। उसे अपने सैनिक साजो सामान को कुछ ही मिनटों के आर्डर पर जवाबी हमला करने की स्थिति में भी तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

हाईकोर्ट ने मौत की सजा को उम्रकैद में बदला

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2008 के बाटला हाउस मुठभेड़ मामले में आरिज खान की सजा को बरकरार रखते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को निचली अदालत से मिली मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। 18 अगस्त को अदालत ने उस मामले में आरिज खान को मौत की सजा की पुष्टि पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसमें जामिया नगर में इंडियन मुजाहिदीन के दो संदिग्ध आतंकवादियों और प्रतिष्ठित इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा की हत्या कर दी गई थी। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने खान को राहत देते हुए उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। विस्तृत आदेश की प्रति की प्रतीक्षा है। उच्च न्यायालय को पहले आरिज खान को दी गई मौत की सजा की पुष्टि के लिए एक संदर्भ प्राप्त हुआ था। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सिलसिलेवार विस्फोटों में 35 से अधिक लोग मारे गए और 150 से अधिक घायल हो गए थे। कुछ दिनों बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 19 सितंबर 2008 को जामिया नगर के बाटला हाउस में एक मुठभेड़ को अंजाम दिया था।

बाटला हाउस मुठभेड़

- इंस्पेक्टर मोहन शर्मा की हत्या की थी

मोदी ने पिथौरागढ़ में कैलाश दर्शन किए

बोले, आज का भारत डरी हुई सोच से आगे बढ़ा

पिथौरागढ़, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को एक दिन का उत्तराखंड दौरा किया। यहां उन्होंने सबसे पहले पिथौरागढ़ में कैलाश व्यू पॉइंट से आदि कैलाश के दर्शन किए। फिर भारत-चीन सीमा से सटे गुंजी गांव गए। बाद में अल्मोड़ा में जागेश्वर धाम पर माथा टेका। दिन के अंत में पीएम ने पिथौरागढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- हमने सीमावर्ती गांवों को अंतिम नहीं, बल्कि देश के पहले गांव के रूप में विकसित करना शुरू किया है। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत, ऐसे ही सीमावर्ती गांवों का विकास किया जा रहा है। ये काम पहले की सरकारों द्वारा भी किया जा सकता था, लेकिन पहले की सरकारों ने इस डर से बॉर्डर एरिया का विकास नहीं किया कि कहीं दुश्मन इसका फायदा उठाकर अंदर ना आ जाए। आज का नया भारत, पहले की सरकारों की इस डरी हुई सोच को पीछे छोड़कर आगे बढ़ रहा है।

निर्णय *देश की सभी मस्जिदों के संगठन एआईआरएम ने किया फैसला*

अयोध्या मस्जिद का नाम 'मुहम्मद बिन अब्दुल्ला मस्जिद' रखा

मुंबई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की सभी मस्जिदों के संगठन ऑल इंडिया राबता-ए-मस्जिद (एआईआरएम) ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले के धन्नीपुर में प्रस्तावित मस्जिद का नाम पैगंबर के नाम पर 'मुहम्मद बिन अब्दुल्ला मस्जिद' रखने का फैसला किया है। भाजपा नेता हाजी अरफात शेख की पहल पर विभिन्न मुस्लिम संप्रदायों के सभी वरिष्ठ मौलवियों की भागीदारी के साथ यहां आयोजित एआईआरएम सम्मेलन में इस निर्णय की घोषणा की गई।

धन्नीपुर मस्जिद स्थल सदियों पुरानी बाबरी मस्जिद के मूल स्थान से लगभग 22 किमी दूर है। बाबरी मस्जिद को 6 दिसंबर 1992 को गिरा दिया गया था, अब इस स्थान पर भव्य भगवान राम मंदिर का निर्माण पूरा होने वाला है। हाजी अरफात शेख ने कहा कि नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आवंटित जगह पर बनने वाली नई मस्जिद भारत की सबसे बड़ी मस्जिद होने का वादा करती है। मस्जिद में 5,000 पुरुषों और 4,000 महिलाओं समेत 9,000 लोग एक साथ नमाज अदा कर सकेंगे। पूरे मस्जिद परिसर में, हमारे संसाधनों के माध्यम से अतिरिक्त भूमि की खरीद के साथ, चिकित्सा, शैक्षिक और सामाजिक सुविधाएं भी होंगी।

- 9,000 लोग एक साथ नमाज अदा कर सकेंगे

अन्य वक्ताओं ने कहा कि सुप्रीम अदालत ने नई मस्जिद के लिए 5 एकड़ जमीन दी थी, और इसे एक ऐतिहासिक परियोजना बनाने के लिए अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करने के लिए 6 एकड़ जमीन खरीदने की योजना है। हाजी अरफात शेख ने कहा कि भव्य 'मुहम्मद बिन अब्दुल्ला मस्जिद' परिसर का काम, विभिन्न समूहों के बीच कुछ मतभेदों के कारण विलंबित हो गया था, अब जल्द ही धन्नीपुर स्थल पर शुरू होने वाला है।

देश

उवाच

आगामी दशहरा 2023 रैली 'पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है' क्योंकि यह राज्य में 2024 के लोकसभा, विधानसभा और नागरिक चुनावों के लिए 'पर्दा उठाने वाली' होगी। कुछ दुर्लभ अवसरों को छोड़करपार्टी की वार्षिक उत्सव रैली 57 वर्षों से इस स्थल पर आयोजित की जा रही है:- **किशोर तिवारी, नेता शिवसेना**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	34.7	16.4
मुंबई	33.6	24.6
कोलकाता	35.5	26.8
चेन्नई	34.6	25.0

खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज करते हुए कहा

सरकार के लूट और पाखंड की पराकाष्ठा

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को पवित्र गंगा जल पर कथित तौर पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाए जाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज करते हुए कहा कि यह सरकार के लूट और पाखंड की पराकाष्ठा है। खड़गे ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिंदी में एक पोस्ट लिखते हुए कहा, 'मोदी जी, एक सामान्य भारतीय के जन्म से लेकर जीवन के अंत तक मोक्ष प्रदान करने वाली मां गंगा का महत्व बहुत अधिक है। यह अच्छा है कि आप आज उत्तराखंड में हैं, लेकिन आपकी सरकार ने पवित्र गंगा जल पर ही 18 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया।' उन्होंने कहा, 'आपने एक बार भी नहीं सोचा कि जो लोग अपने घरों में गंगा जल मंगवाते हैं, उन पर कितना बोझ पड़ेगा। यह आपकी सरकार की लूट और पाखंड की पराकाष्ठा है।' कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी की उत्तराखंड यात्रा के मद्देनजर आई है।

'मोदी जी, एक सामान्य भारतीय के जन्म से लेकर जीवन के अंत तक मोक्ष प्रदान करने वाली मां गंगा का महत्व बहुत अधिक है। यह अच्छा है कि आप आज उत्तराखंड में हैं, लेकिन आपकी सरकार ने पवित्र गंगा जल पर ही 18 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया:- मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष कांग्रेस

भाजपा ने मल्लिकार्जुन खड़गे पर लगाया दुष्प्रचार करने का आरोप

पवित्र गंगाजल पर जीएसटी के मसले को लेकर कांग्रेस और भाजपा आमने सामने आ गई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर पवित्र गंगाजल पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने का आरोप लगाया तो भाजपा की तरफ से पलटवार करते हुए पार्टी के आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने कांग्रेस पर जानबूझकर गुमराह करने के लिए दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया। भाजपा की तरफ से पार्टी आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने एक्स पर ही कांग्रेस अध्यक्ष को रिप्लाई करते हुए पोस्ट कर कहा, 'अधिसूचना 2/2017 की प्रविष्टि 99 के तहत यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि पानी पर शून्य जीएसटी लगता है। जीएसटी परिषद ने 28-29 जून, 2022 को आयोजित अपनी 47वीं बैठक में इसे और स्पष्ट किया।

पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को जनांदोलन बनाने में योगदान दें जी-20 की सभी संसद: बिरला

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत ने जी-20 समूह के सदस्य देशों की संसद के अध्यक्षों का आज आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन की समस्या पर केवल नीतियां एवं कानून बना कर संतुष्ट नहीं हों बल्कि जनता को प्रेरित करें कि सब अपनी दिनचर्या में बदलाव कर इस दिशा में सामूहिकता से योगदान दें।

पी-20 शिखर सम्मेलन के पूर्व यहां पर्यावरण के लिए अनुकूल जीवन शैली पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में 'पार्लियामेंट फोरम ऑन लाइफ' की एक अहम बैठक आयोजित की गई। दक्षिणी पश्चिमी दिल्ली के द्वारका में नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी स्थल यशोभूमि में आयोजित इस बैठक में जी-20 देशों के संसद के अध्यक्ष अथवा पीठासीन अधिकारी शामिल हुए। श्री बिरला एवं कई मेहमान शिखर बैठक में शामिल होने के लिए एक्सप्रेस मेट्रो ट्रेन में सवार होकर सम्मेलन स्थल पहुंचे।

श्री बिरला ने अपने संबोधन की शुरुआत करते लोकतंत्र की जननी भारत की भूमि पर मेहमानों का स्वागत किया और कहा कि पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन का विषय विश्व के साझे भविष्य से जुड़ा है। इसीलिए पर्यावरण से संबंधित विषयों को पी-20 के केंद्र में रखा गया है। उन्होंने कहा कि बैठक में इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर आपके बहुमूल्य सुझाव राह दिखाएंगे।

हमारी भारतीय संस्कृति और परंपराओं में पर्यावरण को मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा माना गया है। प्रकृति को आदर सम्मान देना हमारे संस्कारों में है:-ओम बिरला, लोकसभा अध्यक्ष

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति और परंपराओं में पर्यावरण को मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा माना गया है। प्रकृति को आदर सम्मान देना हमारे संस्कारों में है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में कहा गया है कि 'जो प्रकृति की रक्षा करते हैं, प्रकृति उनकी रक्षा करती है।' और यही पर्यावरण संरक्षण की मूल भावना भी है। बदलते परिप्रेक्ष्य में आज दुनिया का कोई भी देश जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से अछूता नहीं है। हम विश्व के समक्ष उपस्थित चुनौतियों से अवगत हैं इसलिए इस दिशा में ठोस प्रयास आज के समय की मांग है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली का विचार दुनिया के समक्ष रखा है। मिशन लाइफ स्टाइल पर्यावरण संरक्षण का व्यापक दृष्टिकोण है जो प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में रिड्यूस, रीयूज और री-साइकल के व्यवहार अपनाने की प्रेरणा देता है। इसीलिए हमें आज ऐसी जीवन शैली, ऐसा दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है जिससे हमारे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। यह हम सबका व्यक्तिगत और सामूहिक दायित्व है।

■ ओम बिरला ने भारत की भूमि पर मेहमानों का स्वागत किया

उन्होंने कहा, पर्यावरण के लिए जीवन शैली विषय पर भारत की संसद में भी व्यापक चर्चा हुई है और कानून बनाए गए हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन की समस्या पर केवल नीतियां एवं कानून बनाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि हम सबको अपनी दिनचर्या में बदलाव कर सामूहिकता से योगदान देने की आवश्यकता है।

आस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय छात्र दोनों देशों की असली ताकत: बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि आस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय छात्र दोनों देशों के बीच संबंधों की असली ताकत हैं। जी -20 सदस्य देशों के संसद अध्यक्ष के नौ वें शिखर सम्मेलन से पूर्व श्री बिरला ने ऑस्ट्रेलियाई संसद के अध्यक्ष मिल्टन डिक से एक बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। श्री डिक ने इससे सहमति जताई। बैठक के दौरान नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रेलिया से नजदीकी पर की।

सार संक्षेप

सामुदायिक दुर्गा पूजा के उद्घाटन में शामिल नहीं होंगी ममता बनर्जी

कोलकाता। अपनी वार्षिक परंपरा को तोड़ते हुए, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री मनता बनर्जी लंबे समय तक अंगों की चोटों के कारण इस साल सामुदायिक दुर्गा पूजा का शारीरिक रूप से उद्घाटन नहीं करेंगी और इसके बजाय इसे अपने आवास से वस्तुतः करेंगी। चोटों के कारण मुख्यमंत्री पिछले महीने से दक्षिण कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने आवास से काम कर रही हैं। एक कैबिनेट सदस्य ने कहा, 'उन्होंने इस वर्ष लगभग 800 सामुदायिक पूजाओं का वस्तुतः उद्घाटन करने का निर्णय लिया है। इसकी शुरुआत गुरुवार दोपहर को कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में श्रीभूमि सामुदायिक दुर्गा पूजा के उद्घाटन के साथ होगी, जहां मुख्य संरक्षक राज्य अग्निशमन सेवा मंत्री सुजीत बसु हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने नीट पीजी कट-ऑफ को शून्य करने पर केंद्र को जारी किया नोटिस

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने गुरुवार को मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) के नीट पीजी क्वालीफाइंग परसेंटाइल को शून्य करने के हालिया फैसले के संबंध में केंद्र को नोटिस जारी किया। इस फैसले को हुबली के वकील डॉ. विनोद कुलकर्णी ने चुनौती दी थी। मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी. वराले और न्यायमूर्ति कृष्ण एस. दीक्षित की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, एमसीसी और अन्य को नोटिस जारी किया। एक आश्चर्यजनक घोषणा में, नीट पीजी परीक्षा के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा के लिए स्नातकोत्तर सीटें आवंटित करने के लिए जिम्मेदार एमसीसी ने कहा कि इस वर्ष खाली सीटों के लिए पात्रता शून्य प्रतिशत होगी। यह पहली बार है कि 2017 में अन्य सभी मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की जगह लेने के बाद से पात्रता कट-ऑफ को पूरी तरह से हटा दिया गया है।

वाईएस शर्मिला की पार्टी तेलंगाना की सभी 119 सीटों पर चुनाव लड़ेगी

हैदराबाद। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) अगले महीने होने वाले चुनाव में तेलंगाना की सभी 119 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी प्रमुख वाईएस शर्मिला ने गुरुवार को यह घोषणा की है। पार्टी की कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए वाईएस शर्मिला कहा कि वह पलेरू निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं की ओर से एक और विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की मांग की गई थी। शर्मिला ने दावा किया कि पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से उनके पति अनिल कुमार और मां वाई.एस विजयम्मा को चुनावी मैदान में उतारने की भी मांग है।

राष्ट्रपति ने वैष्णो देवी में श्रद्धालुओं को स्काईवाक का तोहफा दिया

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को मां वैष्णो देवी मंदिर का दौरा किया और पुनर्निर्मित

पार्वती भवन और स्काई वाक का उद्घाटन किया। अनुमानत: 15 करोड़ रुपए की लागत से बने स्काईवाक और पार्वती भवन भक्तों के लिए सुरक्षा के लिहाज से अति महत्वपूर्ण सुविधा है। यह स्काईवाक वैष्णो देवी मंदिर परिसर में उस संकरे रास्ते पर बनाया गया है, जहां यात्रियों की सबसे अधिक भीड़ रहती है।

राष्ट्रपति मुर्मू बुधवार सुबह श्रीनगर पहुंचीं थीं और वह अपने दो दिवसीय दौरे के अंतिम चरण में आज वीरवार को मंदिर गई और पुनर्निर्मित पार्वती भवन और स्काईवाक का उद्घाटन किया। स्काईवाक पर काम पिछले साल अगस्त में शुरू हुआ था। यह भवन क्षेत्र के पास आने वाले और जाने वाले तीर्थयात्रियों की कतार अलग करने में मदद करेगा।

आज सुबह राष्ट्रपति मुर्मू माता वैष्णो देवी भवन के पास वीआईपी हेलीपैड पर उतरीं। इस दौरान उनके साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी थे, जहां श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने स्काईवाक का उद्घाटन किया और पार्वती भवन का पुनर्निर्माण किया, जिसका निर्माण भवन में किया गया था। स्काइवाक से श्रद्धालुओं को भवन तक पहुंचने में काफी सुविधा होगी। भवन तक जाने और आने के रूट अलग-अलग होने से किसी तरह की दुर्घटना की संभावना भी नहीं रहेगी। इस स्काइवाक को बनाने का प्रस्ताव 31 दिसंबर 2021 को हुई एक दुर्घटना के बाद किया गया था। यह स्काइवाक अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। जानकारी के लिए वैष्णो देवी भवन पर भीड़भाड़ से बचने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्काईवाक बनाया गया है। इसे डेढ़ साल में 15 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। इसमें मां दुर्गा के नौ रूपों को प्रतिबिंबित किया गया है जिसे नव दुर्गा पथ नाम दिया गया है। प्रवेश द्वार पर 60 मीटर लंबी गुफा बनाई गई है ताकि श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की प्राचीन गुफा का अहसास हो सके। राष्ट्रपति ने पार्वती भवन का भी उद्घाटन किया। इस भवन में 1500 लाकर हैं। श्रद्धालु लाकर में अपना सामान रखकर निश्चिंत होकर दर्शन कर सकते हैं। श्रीमती मुर्मु ने वैष्णो देवी भवन जा कर पूजा-अर्चना भी की।

बिहार में रेल हादसे पर शुरू हुई सियासत

नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी आमने-सामने

पटना, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के बक्सर जिला के रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन के समीप नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद इस पर भी सियासत शुरू हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि हादसे में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राजनीति सूझ रही है। इस बीच, सम्राट चौधरी रघुनाथपुर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती घायलों से भी मुलाकात की। हादसे में चार लोगों की मौत पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने शोक संवेदना प्रकट की है। साथ ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरा। सम्राट चौधरी ने कहा कि दुर्घटना के बाद ही रेलवे ने तत्काल राहत और बचाव कार्य प्रारंभ कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी हादसा दुखदाई होता है, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस हादसे पर भी राजनीति सूझ रही है।

भाजपा नेता ने कहा कि घटना के 12 घंटे के बाद नीतीश कुमार ने इस हादसे को लेकर संवेदनाएं व्यक्त की, जो उनकी संवेदनहीनता को दर्शाता है और अब वे

नसीहत दे रहे। सम्राट चौधरी ने कहा कि रेलवे ने तत्काल हादसे में मरने वाले आश्रितों को 10-10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए। इसके साथ ही घटनास्थल पर फंसे यात्रियों को विशेष ट्रेन की व्यवस्था कर रात में ही गंतव्य की ओर रवाना किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य के लिए पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद भाजपा के कार्यकर्ता और ग्रामीण सबसे पहले पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। इसके बाद पुलिस और जिला प्रशासन पहुंचा। एसडीआरएफ तो काफी विलंब से पहुंचा।

कोई भी हादसा दुखदाई होता है, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस हादसे पर भी राजनीति सूझ रही:- सम्राट चौधरी

मैं रेल मंत्री था, उस दौरान मैंने रेलवे में एक-एक काम बढ़िया से करवाया था, जिसकी वजह से रेल हादसों में काफी कमी आई थी, उन लोगों को भी इस पर ध्यान देना चाहिए:-नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नीतीश ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख की घोषणा की

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रेल हादसे में जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों के लिए चार-चार लाख और सभी घायलों का इलाज राज्य सरकार द्वारा कराए जाने की घोषणा की। नीतीश कुमार ने रेल हादसे को लेकर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में केंद्र सरकार में मैं रेल मंत्री था, उस दौरान मैंने रेलवे में एक-एक काम बढ़िया से करवाया था, जिसकी वजह से रेल हादसों में काफी कमी आई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने समय की कमी के कारण उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित की

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगा मामले में पूर्व जेएनयू स्कॉलर और कार्यकर्ता उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई गुरुवार को स्थगित कर दी। समय की कमी का हवाला देते हुए न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी और दीपांकर दत्ता की पीठ ने सुनवाई 1 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी। खालिद ने पिछले साल जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका दायर की है। खालिद का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वह 20 मिनट में दिखा सकते हैं कि खालिद के खिलाफ कोई मामला नहीं है। कपिल सिब्बल ने अदालत से गुरुवार को सुनवाई पर विचार करने का अनुरोध करते हुए कहा, 'वह एक युवा छात्र है, पीएचडी धारक है, तीन साल से सलाखों के पीछे है, यह चल रहा है।' दिल्ली पुलिस की ओर से पेश होते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने कहा कि मुकदमे में देरी आरोपियों द्वारा अंतरिम आवेदन दाखिल करने के कारण हुई। वे आरोप तय नहीं होने दे रहे। सिब्बल ने जवाब में कहा कि मामले में पांच पूरक आरोप पत्र दाखिल किये गये हैं। उन्होंने आगे कहा कि मामले में तीन सह-आरोपियों नताशा नरवाल, देवांगना कलिता और आसिफ इकबाल तन्हा को जमानत दे दी गई है।

■ खालिद दिल्ली दंगों के मामले में तीन साल से अधिक समय से सलाखों के पीछे है

अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम में प्रधानमंत्री मोदी ने किया बाबा भोलेनाथ का अभिषेक

अल्मोड़ा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दिवसीय दौरे पर गुरुवार को पिथौरागढ़ के बाद अल्मोड़ा पहुंचे। जहां उत्तराखंड के पांचवें धाम के रूप में प्रसिद्ध जागेश्वर धाम पहुंचकर पूजा अर्चना की। साथ ही देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी शौकियाथल पहुंचे। इसके बाद सड़क मार्ग से जागेश्वर धाम पहुंचे। 124 मंदिरों के समूह जागेश्वर धाम में उन्होंने सर्वप्रथम गर्भगृह में करीब 7 मिनट तक पूजा कर बाबा जागेश्वर के दर्शन किए। इसके पश्चात पुष्टिमता, महामृत्युंजय तथा केदारनाथ में पूजा-अर्चना की। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी 11 ब्राह्मणों के यजमान बने। इसके बाद मंदिर परिसर की परिक्रमा करते हुए अर्धनारिश्वर वृक्ष का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तांबे से बना वाद्य यंत्र तुरही, ताम्र जागेश्वर तथा डमरू उपहार स्वरूप भेंट किया। पर्वतीय क्षेत्रों को कई सौगात देने के साथ प्रधानमंत्री मोदी अपने साथ जागेश्वर धाम की कई यादें भी ले गए। प्रधानमंत्री को बतौर स्मृति चिह्न जागेश्वर धाम की ताम्र प्रतिमा और सुराही प्रदान की गई। प्रधानमंत्री को ताम्र नगरी

के नाम से प्रसिद्ध अल्मोड़ा की ताम्र शिल्प भेंट किए जाने से यहां की संस्कृति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

धारचूला के गूंजी गांव पहुंचे पीएम मोदी, स्थानीय लोगों और आईटीबीपी के जवानों से की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उत्तराखंड के एक दिवसीय दौरे पर हैं। जहां उन्होंने सबसे पहले आदि कैलाश के दर्शन किए। उसके बाद प्रधानमंत्री पिथौरागढ़ के धारचूला से 70 किलोमीटर दूर गूंजी गांव पहुंचे। स्थानीय लोगों के साथ बातचीत भी की। प्रधानमंत्री ने आईटीबीपी के जवानों से भी मुलाकात की।

प्रधानमंत्री हर दिन वे वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा रहे हैं और रोज रेल हादसे हो रहे : ललन सिंह

पटना, 12 अक्टूबर (देशबन्धु) बक्सर में हुए रेल हादसे को लेकर सियासत तेज हो गई है। जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह ने रेल हादसे को लेकर पीएम मोदी से जवाब मांगा है। ललन सिंह ने कहा है कि बक्सर में हुए रेल हादसे पर प्रधानमंत्री मोदी को जवाब देना चाहिए।

दरसअल, ललन सिंह गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र मुंगेर पहुंचे थे, जहां मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए केंद्र सरकार पर हमला बोला। ललन सिंह ने कहा कि बक्सर रेल हादसे पर तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जवाब देना चाहिए। हर दिन वे वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा रहे हैं और रोज रेल हादसे हो रहे हैं। ओडिशा में इतना बड़ा रेल हादसा हो गया, उसमें कुछ नहीं हुआ। ये लोग सिर्फ अपनी प्रशंसा में लगे हुए हैं। सभी चीजों का निजीकरण कर रहे हैं तो यह सब तो होगा ही। बता दें कि बुधवार की देर रात दानापुर मंडल के रघुनाथपुर स्टेशन के पास आनंद विहार से कामाख्या जा रही नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थी। हादसे में ट्रेन के 23 कोच पटरी से उतर गए थे। रेलवे के मुताबिक इस ट्रेन दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई है जबकि 30 लोग घायल हो गए हैं। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है। रेल मंत्रालय ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। बिहार सरकार ने हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को चार-चार लाख रुपया मुआवजा देने का एलान किया है।

संकट | *1962 में एलएसी पर दबाई गई बारूदी सुरंगें हटने पर खुश हुए लद्दाखवासी*

अभी भी 1900 वर्ग किमी क्षेत्र में लैंड माइन्स के साए में हैं जम्मू कश्मीर के लाखों लोग

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 12 अक्तूबर (देशबन्धु)। लद्दाख के बर्फीले रेगिस्तान के करीब तीन इलाकों में सेना ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान दबाई गई पौने दो सौ सब अधिक बारूदी सुरंगें निकाल कर आसपास के लोगों को खुशी तो प्रदान की पर अभी भी जम्मू कश्मीर के 1900 वर्ग किमी क्षेत्र में रहने वाले लाखों लो इन बारूदी सुरंगों के साए में हैं जो भारत-पाक सीमा से सटे हैं।

सेना ने बताया की उसके जवानों ने लेह जिले के तीन इलाकों में एक अभियान चला कर 175 बारूदी सुरंगों को नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने गुरुवार को खुद इसकी जानकारी दी। बताया गया कि ऐसा लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर रहने वाले स्थानीय लोगों की मांग पर किया गया है। पर यह एक कड़वी सच्चाई है कि जम्मू कश्मीर की जनता खतरनाक बारूदी सुरंगों के साए तले जिन्दगी काट रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस ओर के जम्मू

कश्मीर के करीब 1900 वर्ग किमी के एरिया में लाखों बारूदी सुरंगें दबी पड़ी हैं जिनके आसपास लाखों लोगों की जिन्दगी रोजाना घूमती है। हालांकि इससे अधिक एरिया और संख्या में बारूदी सुरंगें उस कश्मीर में दबी पड़ी हैं।

लेह के उपायुक्त संतोष सुखदेव ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिख कर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि फोब्रांग, योरगो और लुकुंग के ग्रामीणों की ओर से, हम 175 से अधिक बारूदी सुरंगों को सफलतापूर्वक नष्ट करके क्षेत्र की बाड़ लगाने और साफ करने में उनकी त्वरित कार्रवाई के लिए फायर एंड फ्यूरी कोर को धन्यवाद देते हैं। जबकि फोब्रांग के सरपंच का कहना था कि मैं 1962 में लगाई गई इन बारूदी सुरंगों को नष्ट करने के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद देना चाहता हूं। इससे हमें नुकसान होता था।'पर यह भी सच हैकि जम्मू संभाग की 160 वर्ग किमी तथा कश्मीर की 1730 वर्ग किमी भूमि में लाखों की तादाद में दबाई गई बारूदी सुरंगें भी प्रदेश के उन नागरिकों के लिए खतरा बनी हुई हैं जो इन इलाकों में रहते हैं। ये लाखों बारूदी सुरंगें भारत-पाक युद्धों के दौरान दबाई गई थीं और अभी भी वे वहां पर इसलिए हैं क्योंकि इंटरनेशनल बार्डर और एलओसी पर सीजफायर के बावजूद खतरा कभी टला ही नहीं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेंडमाइन्स अर्थात बारूदी सुरंगों पर प्रतिबंध लागू करवाने के लिए जुटे करीब 1000 संगठनों की रिपोर्ट के मुताबिक इतनी संख्या में बारूदी सुरंगों का इस्तेमाल करने और उनका भंडारण करने वाले देशों में भारत का स्थान अगर 6ठा है तो पाकिस्तान पांचवें स्थान पर आता है।

एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बारूदी सुरंगों के संजाल की बात तो समझ में आती है लेकिन इस रिपोर्ट के मुताबिक कश्मीर में कई ऐसे गांव हैं जिनके चारों ओर बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं। रिपोर्ट कहती है कि इनमें से अगर आतंकवादग्रस्त क्षेत्र भी हैं तो वे गांव भी हैं जिन्हें एलओसी पर लगाई गई तारबंदी दो हिस्सों में बांटती है।

उल्टा पुल्टा

बैंक मैनेजर : कैश खत्म हो गया कल आना।
रामू : लेकिन मुझे मेरे पैसे अभी चाहिए।
मैनेजर : देखिए आप गुस्सा मत करिए, शाति से बात कीजिए।
रामू : ठीक है बुलाओ शांति को, आज तो मैं उसी से बात करूंगा।

मेयर शैली ओबरॉय ने ऑस्ट्रेलिया में एशिया पेसिफिक सिटीज समिट में पेश किया केजरीवाल मॉडल

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। दिल्ली की मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर में आयोजित एशिया पैसेफिक सिटीज समिट में केजरीवाल मॉडल को पेश किया है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य, शिक्षा मॉडल को निगम में लागू किया गया है। केजरीवाल मॉडल से जुड़ी कार्यपद्धतियों, घरेलू अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता से संबंधित प्रबंधन को पेश किया। डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली को दुनिया का सबसे साफ शहर बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। एमसीडी 12 जोन में साफ-सफाई, स्वच्छता, प्राथमिक स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा और नगर नियोजन संबंधित सेवाएं दिल्ली के लगभग 2 करोड़ नागरिकों को उपलब्ध कराता है।

दिल्ली की मेयर ने बताया कि दिल्ली नगर निगम दिल्ली को दुनिया का सबसे स्वच्छ और सुन्दर शहर बनाने के लिये अथक प्रयास कर रहा है। हमारा लक्ष्य है कि दिल्ली में 100 प्रतिशत कूड़े का निष्पादन किया जा सके। दिल्ली के 250 वार्ड से रोज 11 हजार टन प्रतिदिन कूड़ा निकालता है जिसे विभिन्न वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में निस्तारण के लिए भेजा जाता है। दिल्ली को स्वच्छ बनाने के लिये 2446 ऑटो टिपर, 52 रोड स्विपिंग मशीनें, 4076 व्हील बैरो व अन्य वाहनों व मशीनों का प्रयोग किया जा रहा है। दिल्ली के 12 जोन में 572 ढ़लाव घर व 290 एफसीटीएस है। लगातार ढ़लाव घरों को बन्द कर उनकी जगह मिल्क बूथ, लाईब्रेरी, रीडिंग रूम आदि बनाए जा रहे है।

हमारा लक्ष्य दिल्ली को विश्व का सबसे सुन्दर व स्वच्छ शहर बनाना है, 100 प्रतिशत कूड़े का निष्पादन किया जाएगा: डॉ शैली ओबरॉय

उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम विभिन्न तकनीकों के माध्यम से कूड़े को प्रोसेस करने का काम कर रहा है। ओखला, गाजीपुर, तेहखंड में 3 वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, 20 कंपोस्टर, 211 कम्पोस्ट पीट, व अन्य माध्यमों के द्वारा कूड़े का निस्तारण किया जा रहा है। दिल्ली नगर निगम का लक्ष्य दिल्ली से निकलने वाले कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करना और पर्यावरणीय प्रदूषण को जीरो करना है। दिल्ली नगर निगम दिल्ली की तीनों लैंडफिल साइटों पर जमा लेगेसी कचरे के निस्तारण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। निगम इस दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि दिल्ली नगर निगम ने तीनों लैंडफिल साइटों पर जमा लेगेसी कचरे के निस्तारण के लिए ट्रॉमल मशीन स्थापित की हैं। दिल्ली नगर निगम ने बड़ी मात्रा में लेगेसी कचरे का निस्तारण किया है, जिसके फलस्वरूप लैंडफिल साइट पर कचरे के ढेर की ऊंचाई प्रभावी रूप से कम कर दी गई है। निगम द्वारा लेगेसी कचरे के निस्तारण, प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कचरे के निस्तारण किया जा रहा है। निगम मार्च 2024 तक लैंडफिल साइटों को दिल्ली के मानचित्र से हटाने को लेकर प्रयत्नशील है।

353 कॉलोनियों को जीरो वेस्ट कॉलोनी घोषित किया

उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रतिदिन 6 हजार टन सीएंडडी वेस्ट उत्पन्न होता है। जिसके निस्तारण हेतु दिल्ली नगर निगम ने बक्करवाला, बुराड़ी, रानीखेड़ा और शास्त्री पार्क में 4 सीएंडडी पार्क स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त दिल्ली नगर निगम ने 12 जोन में 353 कॉलोनियों को जीरो वेस्ट कॉलोनी घोषित किया है। जहां 100 प्रतिशत कूड़े पृथक्करण किया जा रहा है। साथ ही कम्पोस्टिंग भी की जाती है। प्लास्टिक वेस्ट से निपटने के लिये भी दिल्ली नगर ने 100 दिन तक एक विशेष अभियान चलाया जिसके तहत लगभग 14 हजार किलो प्लास्टिक को जब्त किया गया। इसके अतिरिक्त 34 बोतल क्रैशर मशीन भी विभिन्न बाजारों में स्थापित की गयी।

तीन विश्वस्तरीय पार्क विकसित किए

मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि दिल्ली नगर निगम ने वेस्ट टू वेल्थ की अद्भुत अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए 3 शानदार पार्क- भारत दर्शन पार्क, वेस्ट टू वंडर पार्क, शहीदी पार्क विकसित किये है। इन पार्कों में कबाड़ व कूड़े से दुनिया एवं भारत की ऐतिहासिक स्मारकों की प्रतिकृतियां बनायी गयी है। निगम भविष्य में वेस्ट टू वेल्थ पर आधारित 3 और पार्क बनाने की योजना बना रहा है। दिल्ली नगर निगम राजधानी दिल्ली के नागरिकों को एक स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिये प्रतिबद्ध है।

इंटरनेशनल स्कूल-कॉलेजों को दी जाएगी संयुक्त मान्यता

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत एवं विश्व के अन्य हिस्सों में इंटरनेशनल स्कूल-कॉलेजों को संयुक्त मान्यता प्रदान करने के लिए अमेरिकन इंटरनेशनल एक्रेडिशन एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स एंड कॉलेजेस एआईएएएससी ने वेस्टर्न एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स एंड कॉलेजेस डब्लूएएससी के साथ अपने गठबंधन की घोषणा की है। इस गठबंधन से शिक्षा के क्षेत्र में भारत-अमेरिका के संबंधों में मजबूती आएगी। भारतीय उपमहाद्वीप में स्कूलों को संयुक्त मान्यता देने की प्रक्रिया से भारतीय विद्यार्थियों को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा और वो विश्व के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में एक अच्छी शुरुआत कर पाएंगे। इस गठबंधन द्वारा स्कूलों को अमेरिकन पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए शिक्षा की उच्च गुणवत्ता प्राप्त करना संभव हो जाएगा, और वो कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के लिए मान्य अमेरिकन हाई स्कूल डिप्लोमा प्रदान कर पाएंगे। एआईएएएससी के चेयरमैन, डॉ. रोनाल्ड जे कोवाच ने कहा कि एआईएएएससी को एएससी डब्लूएएससी के साथ यह नया गठबंधन करने की खुशी है। इस गठबंधन की मदद से हम विश्व में उच्च गुणवत्ता की अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रदान करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता पूरी कर पाएंगे। हम दोनों ही संगठनों के सदस्यों के लिए स्कूल में सुधार लाने के संसाधनों का उपयोग करने, विश्व में अपने संपर्कों का विकास करने, और विद्यार्थियों के कल्याण के लिए एक मजबूत आधार एवं सपोर्ट स्थापित करने के अवसर प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं। डब्लूएएससी के प्रेसिडेंट, बैरी आर ग्रोव्स ने कहा कि इस नए सदस्यता के अवसर को स्वीकार करके हम विश्व में सर्वोच्च अमेरिकन इंटरनेशनल स्कूलों को अपनी पहुंच एवं विकल्पों का विस्तार करने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रहे हैं। वहीं डॉ. मोहनलक्ष्मी, एसोसिएट एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर, एआईएएएससी ने कहा कि एआईएएएससी अपने साझेदार एएससी डब्लूएएससी का स्वागत करता है और एआईएएएससी की सदस्यता पाने के लिए इसकी मान्यता प्रणाली की गुणवत्ता को स्वीकार करता है।

सार संक्षेप

एसजीटी यूनिवर्सिटी ने की अपने सिनर्जी टेक फेस्ट की शुरुआत

नई दिल्ली। एसजीटी यूनिवर्सिटी ने अपने बहुप्रतीक्षित 'सिनर्जी टेक्नो-फेस्ट' के पहले दिन की शुरुआत बेहद उत्साह और जोश के साथ की है। यह यूनिवर्सिटी टेक्नो-फेस्ट का छठा एडिशन है, जो टेक-प्रेमियों को साइंस, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप के चमत्कारों को देखने, सीखने और अनुभव करने का एक आदर्श स्थान प्रदान करता है। इसके अलावा, बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज व अन्य विश्वविद्यालयों के हजारों छात्रों ने भी इस टेक्नो-फेस्ट के विभिन्न वैज्ञानिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए, एसजीटी यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो. डॉ. ओ. पी. कालरा ने कहा कि यह छात्रों के लिए अपने तकनीकी कौशल को सीखने और प्रदर्शित करने व विज्ञान के प्रति अपने प्रेम को प्रेरित करने के लिए, सबसे अच्छे कार्यक्रमों में से एक है। सभी को इतने उत्साह से भाग लेते हुए देखना बहुत अच्छा है। पहले दिन की ऊर्जा को देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि अगले दो दिनों में आखिर क्या होने वाला है।

कैम्पस एक्टिववेयर ने बीआईएस का लाइसेंस प्राप्त किया

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े खेल और एथलेज़र फुटवेयर ब्रांडों में से एक, कैंपस एक्टिववेयर लिमिटेड ने भारतीय मानक ब्यूरो बीआईएस से लाइसेंस प्राप्त करने वाली पहली फुटवियर कंपनी बन गई है। इस अवसर पर कैंपस एक्टिववेयर के मुख्य कार्यकारी निखिल अग्रवाल ने कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए बेहद गर्व हो रहा है कि कैंपस एक्टिववेयर ने दुनिया के कुछ सबसे व्यापक और सख्त मानदंडों को अपनाकर, बीआईएस से लाइसेंस प्राप्त करने वाली अग्रणी घरेलू जूता विनिर्माता होने की उपलब्धि हासिल की है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि, कठोर प्रक्रिया नियंत्रण पर आधारित उच्चतम गुणवत्ता के जूते बनाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा मानना है कि हमारे ग्राहक सर्वश्रेष्ठ के अलावा कुछ भी नहीं चाहते हैं, और यह उपलब्धि उस वादे के प्रति हमारे समर्पण की पुष्टि करती है।

दिल्ली नगर निगम के छात्रों ने यूथ बर्गोइंग फुटबॉल लीग का खिताब जीता

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम के पोचनपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय के छात्रों ने अपना उम्दा खेल दिखाते हुए दिनांक पाथवेज स्कूल गुरुग्राम में आयोजित अंडर 12 यूथ बर्गोइंग फुटबॉल लीग का खिताब अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स डायनेस्टी ग्रुप द्वारा किया गया था जिसमे दिल्ली एनसीआर, पश्चिम बंगाल एवं झारखंड की शीर्ष आठ स्कूलों की अंडर 12 आयु वर्ग की टीमों ने भाग लिया। निगमायुक्त श्री ज्ञानेश भारती एवं निगम पार्षद श्रीमती कमलजीत सहरावत ने खिताब विजेता टीम के छात्रों से मुलाकात कर उनका मनोबल बढ़ाया।

दिल्ली नगर निगम विद्यालय पोचनपुर की टीम ने अपने खिताबी सफर में पाथवेज स्कूल गुरुग्राम, शिव नाडर स्कूल गुरुग्राम जैसे नामी टीमों को शिकस्त दी। इसके अलावा पोचनपुर स्थित निगम विद्यालय की टीम ने शम्यिता मैथ कॉन्वेंट स्कूल बांकुरा पश्चिम बंगाल की टीम को 3-0 एवं झारखंड के गुमला स्थित स्वामी विवेकानन्द स्कूल की टीम को 3-0 से हराया। प्रतियोगिता के फाइनल में निगम विद्यालय की टीम ने अतिरिक्त समय तक चले कड़े मुकाबले में एक बार फिर स्वामी विवेकानंद स्कूल गुमला की टीम को 1-0 से हराया। मैच का विजयी गोल देव कुमार द्वारा किया गया। बाबुल कुमार को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया।

रोड लॉजिस्टिक्स को डिजिटलाइज़ करने के लिए समझौता

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। ट्रांसपोर्ट कम्युनिटी प्लैटफॉर्म वाहक ने एशिया के सबसे बड़े ट्रांसपोर्ट हब संजय गाँधी ट्रांसपोर्ट नगर में अपने दिल्ली सेंटर का उद्घाटन किया। इस खास मौके पर ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के साथ भारत के रोड लॉजिस्टिक्स को डिजिटलाइज़ करने के लिए किए गए एमओयू की औपचारिक घोषणा भी की गई। वाहक के दिल्ली सेंटर का उद्घाटन भारतीय रोड लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री में सकारात्मक बदलाव लाने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। जोकि ट्रांसपोर्टेशन इंडस्ट्री की ज़रूरतों के अनुरूप इनोवेटिव सॉल्यूशन्स प्रदान करने के लिए वाहक की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस अवसर पर वाहक के सीईओ और सह-संस्थापक करन शाहा ने कहा कि हमारा विज़न एक ऐसी विश्वसनीय ट्रांसपोर्ट कम्युनिटी प्लैटफॉर्म का निर्माण करना है, जिससे ट्रांसपोर्टर्स, शिपर्स, फ्लीट मालिकों और ट्रकर्स की तरक्की और भलाई सुनिश्चित की जा सके। इस नए सेंटर के उद्घाटन के साथ ही वाहक ने ट्रांसपोर्ट जगत में बीते 86 वर्षों से काम कर रही सबसे बड़ी संस्था एआईएमटीसी के साथ हुए करार के औपचारिकरण को भी पूरा कर लिया है। यह साझेदारी भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले रोड लॉजिस्टिक्स कम्युनिटी की बेहतरी के लिए दोनों ही पक्षों के साझा प्रयास को दर्शाता है।

दिल्ली में पराली गलाने के लिए पांच हजार एकड़ में बायो डी-कंपोजर

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। दिल्ली सरकार इस साल दिल्ली में 5 हजार एकड़ से ज्यादा क्षेत्रफल के खेतों में निशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव करवाएगी। बायो डी-कंपोजर का छिड़काव शुक्रवार को तिगीपुर, नरेला विधान सभा से शुरू किया जाएगा। दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय ने बताया कि बायो डी-कंपोजर के छिड़काव को लेकर 13 टीम का गठन किया गया है। विकास मंत्री ने कहा कि निशुल्क बायो डी-कंपोजर के छिड़काव के लिए अभी किसानों से फॉर्म भरवाया जा रहा है आगे जरूरत हुई तो और भी खेतों में इसका छिड़काव कराया जाएगा। पूसा संस्थान खुद से बायो डी-कंपोजर घोल बनाकर दिल्ली सरकार को मुहैया करा रहा है। बासमती और गैर बासमती धान के सभी खेतों में सरकार द्वारा निशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव किया जाएगा।

गोपाल राय ने कहा कि सरकार ने दिल्ली के अंदर सर्दियों के मौसम में होने वाले वायु प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए 15 बिंदुओं का विंटर एक्शन प्लान बनाया है। 15 फोकस बिंदुओं में शामिल पराली जलाना भी प्रदूषण की समस्या को बढ़ाने में एक अहम भूमिका निभाता है। ऐसे में इस समस्या पर समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें, इसलिए हमारी सरकार ने पिछले सालों की तरह इस बार भी पराली गलाने के लिए खेतों में बायो डी-कंपोजर का निशुल्क छिड़काव करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है और शुक्रवार से छिड़काव शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अंदर कुछ हिस्सों में ही धान की खेती की जाती है। दिल्ली में पराली से प्रदूषण न हो, इसीलिए पिछले सालों में बायो डी-कंपोजर का निशुल्क छिड़काव सरकार द्वारा किया गया था। जिसका बहुत ही सकारात्मक परिणाम रहा है। इससे पराली गल गई और खेत की उपजाऊ क्षमता में भी बढ़ोतरी देखी गई। किसानों के सामने एक समस्या यह भी रहती है कि धान की फसल की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच में समय अंतराल कम होता है। सरकार समय रहते अभी से इस काम में जुट गई है ताकि सारी कवायद में देरी भी न हो और किसानों को बेहतर परिणाम भी मिल सकें।

विश्व रोगी सुरक्षा सप्ताह के उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। मरीजों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अपने अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्था, शारदा हॉस्पिटल द्वारा विश्व रोगी सुरक्षा सप्ताह के मौके पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। मरीजों को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शारदा हॉस्पिटल ने 15 से 25 सितंबर तक चले, इस सफलतापूर्ण अभियान का आयोजन किया। इस वर्ष एंगेजिंग पेशेंट्स फ़ॉर पेशेंट्स सेफ्टी की थीम पर विश्व रोगी सुरक्षा दिवस 2023 मनाया गया, जिनके मुख्य उदेश्यों में प्रथम उद्देश्य वैश्विक जागरूकता बढ़ाना स्वास्थ्य सेवा के सभी स्तरों पर रोगियों, उनके परिवारों और देखभाल करने वालों की सक्रिय भागीदारी के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। शारदा हॉस्पिटल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आदेश के. गड़पायले ने इस आयोजन के सफलतापूर्ण संपन्न होने पर कहा कि शारदा अस्पताल में रोगी सुरक्षा हमारे स्वास्थ्य सेवा मिशन के मूल में है। रोगी सुरक्षा सप्ताह हमें अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाने और अपनी प्रतिबद्धता साझा करने की अनुमति देता है। शारदा हॉस्पिटल में हम सभी को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
(ISO 9001 : 2015 एवं ISO 14001 : 2015 प्रमाणित संस्था)
विकास पथ गाजियाबाद

पत्रांक: 614/4/पी0ए0-टी0/2023-24 दिनांक 11.10.2023

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

उपाध्यक्ष, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से विभिन्न 05 कार्यो हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धी समस्त विवरण व शर्तें गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की वैबसाइट www.gdaghaziabad.in पर उपलब्ध हैं एवं UPLC की वैबसाइट https://etender.up.nic.in पर निविदा विक्रय की तिथि में उपलब्ध होंगी। सम्बन्धित निविदाओं को ई-निविदा आमंत्रण सूचना में उनके सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों पर डाउनलोड व अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों पर खोला जायेगा। निविदा में कोई भी संशोधन /परिमार्जन / परिवर्तन व अतिरिक्त सूचनाओं को वैबसाइट पर ही प्रकाशित किया जायेगा।

प्रभारी मुख्य अभियन्ता

ई-मेल : helplinegda@gmail.com, @Gda Ghaziabad : gdagzb
हेल्पलाईन नं: 0120-4418384 व्हाट्सएप :9990988004, वेबसाईट : www.gdaghaziabad.in
एक सुन्दर शहर .... हमारा संकल्प

उत्तर रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरि. मण्डल यांत्रिक अभियंता (कोचिंग), उत्तर रेलवे, दिल्ली मण्डल द्वारा अनुभवी व सक्षम निविदाकारों से एक-लिफाफिय प्रणाली, निम्नलिखित कार्य हेतु मोहर बंद ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम: दिल्ली मंडल के एलएचबी कोचों पर विनाइल रैपिंग की आपूर्ति, अनुप्रयोग और बहाली का कार्य दो वर्ष की अवधि के लिए।

कार्य स्थल	दिल्ली
कार्य अवधि	दो (02) वर्ष
विज्ञापित राशि	रु. 3,80,40,104.15/– (जीएसटी सहित)
बयाना राशि जमा करना होगा	रु. 3,40,200/– केवल नेट बैंकिंग या गेटवे के माध्यम से
निविदा प्रपत्र मूल्य	रु. 0/–
ई-निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का समय	दिनांक 11.10.2023 से 02.11.2023 15:00 बजे तक
ई-निविदा बंद होने की तिथि और समय	दिनांक 02.11.2023 15:00 बजे
ई-निविदा खुलने की दिनांक एवं समय	दिनांक 02.11.2023 को 15:00 बजे के बाद। यदि खोलने की तिथि को अवकाश होता है तो ई-दिवस कार्य अगले निविदा जाएगी खोली को
ई-निविदा खोलने का स्थान	यांत्रिक विभाग, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, राज्य प्रवेश मार्ग, नई दिल्ली-55

नोट: निविदा के पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर मिल सकती है।
सं. 197 -एस/258/विनाइल/23/एम.सी.-IV दिनांक: 11.10.2023 3162/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ-2023 की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ियाँ नीचे दर्शाई गई समय-सारणी के अनुसार संचालित की जाएंगी:-

03255/03256 पटना जं. – आनन्द विहार (ट.) – पटना जं. सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल (सप्ताह में दो दिन) 12 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03255 आगमन	रेलगाड़ी सं. 03255 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03256 आगमन	रेलगाड़ी सं. 03256 प्रस्थान
--	22:20	पटना जं.	17:20	--
15:00	--	आनन्द विहार (ट.)	--	23:30

चलने की तिथि : 03255 पटना जं. से प्रत्येक गुरूवार एवं रविवार को दिनांक 23.11.2023 से 10.12.2023 तक एवं **03256 आनन्द विहार (ट.)** से प्रत्येक शुक्रवार एवं सोमवार को दिनांक 24.11.2023 से 11.12.2023 तक।
स्थान: 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, 3 टियर वाता इकोनॉमी, शयनयान एव सामान्य श्रेणी।
ठहराव: दानापुर, आरा जं., बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं. एवं कानपुर सेन्ट्रल स्टेशन।

02391/02392 पटना जं. – आनन्द विहार (ट.) – पटना जं. सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल (साप्ताहिक) 6 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02391 आगमन	रेलगाड़ी सं. 02391 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 02392 आगमन	रेलगाड़ी सं. 02392 प्रस्थान
--	22:20	पटना जं.	17:20	--
15:00	--	आनन्द विहार (ट.)	--	23:30

चलने की तिथि : 02391 पटना जं. से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 25.11.2023 से 09.12.2023 तक एवं **02392 आनन्द विहार (ट.)** से प्रत्येक रविवार को दिनांक 26.11.2023 से 10.12.2023 तक।
स्थान: 2 टियर वाता, 3 टियर वाता, शयनयान एव सामान्य श्रेणी।
ठहराव: दानापुर, आरा जं., बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं. एवं कानपुर सेन्ट्रल स्टेशन।

03635/03636 गया जं. – आनन्द विहार (ट.) – गया जं. सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल (सप्ताह में तीन दिन) 18 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03635 आगमन	रेलगाड़ी सं. 03635 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03636 आगमन	रेलगाड़ी सं. 03636 प्रस्थान
--	14:15	गया जं.	20:45	--
05:00	--	आनन्द विहार (ट.)	--	7:00

चलने की तिथि : 03635 गया जं. से प्रत्येक सोमवार,बुधवार एवं शुक्रवार को दिनांक 20.11.2023 से 08.12.2023 तक एवं **03636 आनन्द विहार (ट.)** से प्रत्येक मंगलवार, गुरूवार, एवं शनिवार को दिनांक 21.11.2023 से 09.12.2023 तक।
स्थान: 2 टियर वाता सह 3 टियर वाता, 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।
ठहराव: अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑनसोन, सासाराम जं., भभुआ रोड,, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं. एवं कानपुर सेन्ट्रल स्टेशन।

05557/05558 जयनगर – आनन्द विहार (ट.) – जयनगर एक्सप्रेस स्पेशल (साप्ताहिक) 6 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05557 आगमन	रेलगाड़ी सं. 05557 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05558 आगमन	रेलगाड़ी सं. 05558 प्रस्थान
--	06:00	जयनगर	06:30	--
05:00	--	आनन्द विहार (ट.)	--	07:30

चलने की तिथि : 05557 जयनगर से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 21.11.2023 से 05.12.2023 तक एवं **05558 आनन्द विहार (ट.)** से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 22.11.2023 से 06.12.2023 तक।
स्थान: सामान्य श्रेणी।
ठहराव: मधुबनी, दरभंगा जं., समस्तीपुर जं., मुज़फ़्फ़रपुर जं. हाजीपुर जं., छपरा जं., गोरखपुर जं., बस्ती, गोंडा जं., सीतापुर जं., मुरादाबाद जं. एवं गाजियाबाद स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए दूरभाष सं. 139 पर संपर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App. देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139
रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

आज़ादी का अमृत महोत्सव
उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
3171/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ | पर हमें फॉलो करें

दिल्ली में तेज होगी पोक्सो अधिनियम के तहत सुनवाई

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। दिल्ली में पोक्सो अधिनियम के तहत आरोपियों को सजा दिलाने की दिशा में तेजी से कार्यवाही हो सकेगी। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पोक्सो मामलों की सुनवाई के लिए पोक्सो अधिनियम, 2012 की धारा 32 के तहत सीबीआई के लिए चार विशेष लोक अभियोजकों (एसपीपी) की नियुक्ति के गृह विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस फैसले के बाद दिल्ली की अदालतों में सीबीआई पोक्सो मामलों की सुनवाई शुरू हो जाएगी।

दरअसल जीएनसीटीडी रूल्स (टीओबीआर), 1993 के नियम 19 (5) को लागू करने व सीबीआई के पोक्सो मामलों में विशेष लोक अभियोजकों (एसपीपी) की नियुक्ति से संबंधित फाइल को दिल्ली सरकार ने मंजूरी के लिए उपराज्यपाल के पास भेजा है।

उक्त विषय पर फाइल जनवरी से प्रभारी मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री के बीच घूमती रही और 22 सितंबर को उपराज्यपाल ने टीओबीआर के नियम 19 (5) को लागू किया तथा पोक्सो मामलों में सीबीआई के लिए एसपीपी की नियुक्ति के लिए सभी फाइलों/प्रस्तावों को वापस ले लिया। इसके बाद ही सरकार की तरफ से एसपीपी की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए फाइल को उपराज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उपराज्यपाल कार्यालय का कहना है कि पहले यह फाइल एलजी हाउस नहीं भेजी जा रही थी। मुख्यमंत्री ने 6 अक्टूबर को पॉक्सो मामलों की सुनवाई को लेकर सीबीआई के लिए एसपीपी की नियुक्ति पर अधिसूचना जारी करने के प्रस्ताव से संबंधित फाइल को उपराज्यपाल को सौंपे जाने पर अपनी सहमति दी थी। पिछले माह उपराज्यपाल ने इस फाइल को गृह मंत्रालय को भेज दिया था। पोक्सो अधिनियम से संबंधित मामले संवेदनशील प्रकृति के होते हैं और कानून के अनुसार इन मामलों में मुकदमा अपराध के संज्ञान की तारीख से एक वर्ष के भीतर पूरा किया जाना होता है, लेकिन एसपीपी की नियुक्ति में देरी से जांच पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और हो सकता है कि मासूम बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों को अनुचित लाभ मिल जाए, बता दें कि सीबीआई ने सूचित किया कि विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों, समूहों के माध्यम से बाल यौन शोषण सामग्री के प्रसार, भंडारण और देखने के आरोपों के तहत उसके द्वारा 20 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

■ उपराज्यपाल ने सीबीआई के लिए चार एसपीपी की नियुक्ति के गृह विभाग के प्रस्ताव को दी मंजूरी

कैपिटल ज़ोन

उवाच “ वह एक तो पॉल्यूशन को कम करने की कोशिश करें और दूसरा डॉग को इम्यूनाइज कर दें तो फिर यह दिक्कत सामने नहीं आएगी। तीसरी बात पालतू डॉग्स लवर के लिए है कि वह अपने पालतू डॉग्स को इम्यूनाइज कर के रखें उसका रजिस्ट्रेशन कराये। उनको जब घूमाने ले जाते हैं तो उसमें मजल लगाये, अगर मजल नहीं लगाएंगे तो वह इरिटेट होकर बाहर पॉल्यूशन की वजह से किसी को भी काट सकता है। डॉग इरिटेट हो सकता है एवं मालिक को भी काट सकता है। **डॉ. बृजपाल त्यागी, वरिष्ठ ईएनटी सर्जन**

मुख्यमंत्री ने परखी पीएम मोदी के कार्यक्रमों की तैयारियां

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गाजियाबाद में करेंगे देश के पहले रैपिडेक्स (रैपिड रेल) का उद्घाटन

■ प्रधानमंत्री के कार्यक्रम व जनसभा की तैयारियों का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

गाजियाबाद, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री के कर कमलों से होने वाले देश के पहले रैपिडेक्स (रैपिड रेल) के उद्घाटन एवं जनसभा को सम्बोधित करने वाले स्थान का गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों को सभी कार्य समय पर पूरा करने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीआईएसएफ पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों को ससमय पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला वसुन्धरा सेक्टर-8 जनसभा स्थल पहुंचा। जहां उन्होंने जनसभा स्थल का पैदल ही सूक्ष्म निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री जनसभा से पैदल ही रेपिडेक्स (रैपिड रेल) स्टेशन, साहिबाबाद पहुंचे। वहां उन्होंने स्टेशन का निरीक्षण करते हुए तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री को रेपिडेक्स स्टेशन पर अधिकारियों द्वारा रैपिड रेल की वीडियो प्रेजेंटेशन दिखाई गयी और बहुत ही बारिकी से उन्हें इससे सम्बंधित सभी बिन्दुओं की जानकारी दी गयी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजियाबाद जिला वासियों के लिए यह बहुत ही खुशी व गर्व की बात है कि भारत की प्रथम रैपिड रेल का जनपद गाजियाबाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से उद्घाटन किया जायेगा।

इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं स्थानीय सांसद डॉ. विजय कुमार सिंह, राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल, महापौर सुनीता दयाल, विधायक अतुल गर्ग, विधायक सुनील कुमार शर्मा, विधायक नन्द किशोर गुर्जर, विधायक अजीत पाल त्यागी, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल सहित मेरठ मंडल की मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे., पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद अजय कुमार मिश्र, जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

मुआवजा वितरण धांधली में एसआईटी ने शुरू की जांच

■ सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी के बाद प्रदेश सरकार ने गठित की थी टीम

■ एक नहीं 15 प्रकरणों में दी गई अतिरिक्त रकम

नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। किसानों को अतिरिक्त मुआवजा देकर मुनाफाखोरी करने वाले अधिकारियों पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी के बाद प्रदेश सरकार की ओर से गठित स्पेशल इनवेस्टिगेशन टीम (एसआइटी) ने जांच शुरू कर दी है। इस टीम का नेतृत्व राजस्व बोर्ड चेयरमैन हेमंत राव कर रहे है। गुरुवार को सुबह से देर रात तक टीम ने लैंड, लॉ से लेकर वित्त विभाग में संबंधित दस्तावेजों को खंगाला। इस दौरान सीईओ डॉ. लोकेश एम, मुख्य विधि सलाहकार रविंद्र कुमार गुप्ता, वित्त नियंत्रक एसके गुप्ता ने जांच टीम का सहयोग किया। जांच टीम की ओर से मांग गई तमाम जानकारियों को उपलब्ध कराया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने किसानों को अतिरिक्त मुआवजा बांटने के मामले में विधि विभाग के दो अधिकारियों को सिर्फ दोषी मानने से मनाकर दिया है और कहा कि इस मामले कई अन्य अधिकारियों की संलिप्ता है, जिसकी गहनता से जांच होनी चाहिए। इसी जांच को अंजाम देने के लिए एसआइटी नोएडा प्राधिकरण में पहुंची है। एसआइटी को अपनी रिपोर्ट 15 दिन में देनी है। प्रदेश सरकार ने इस मामले में जांच के लिए जो कमेटी बनाई है, उसमें चैयरमैन बोर्ड ऑफ रेवन्यू के अलावा कमिश्नर मेरठ, एडीजी मेरठ जोन को भी शामिल किया गया है।

अब जानते हैं क्या है ये प्रकरण और कैसे हुआ घोटाला

प्राधिकरण में किसानों को अतिरिक्त मुआवजा वितरण करने में बड़ी अनिमियतता सामने आई। जिसमे विभिन्न प्रकरणों में साठ-गांठ करके समझौते के आधार पर अधिकारियों द्वारा करोड़ों रुपए की अतिरिक्त राशि का भुगतान मुआवजे के लिए रूप में किया गया। इसके लिए चार गांवों की जांच की गई। जिसमें अकेले गेझा तिलपताबाद के 15 प्रकरणों में करीब 100 करोड़ 16 लाख 81 हजार रुपए का अतिरिक्त मुआवजा देकर प्राधिकरण को बड़े राजस्व का नुकसान पहुंचाया गया। इन सभी मामलों को सूचीबद्ध किया जा चुका है।

तत्कालीन सीईओ रितु माहेश्वरी के आदेश पर एक समिति गठित की गई। यह समिति घोटाले की जांच कर रही थी। इसी तरह के प्रकरण में उच्च न्यायालय ने प्राधिकरण मुख्य कार्यपालक अधिकारी को निर्देश दिए कि वह दोषी अधिकारियों की जांच कर उनके के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराए। घोटाले की यह नींव 2015 में रखी गई। 2015 व 2016 की अलग-अलग तारीखों में किसानों को अतिरिक्त मुआवजा दिया गया, जिसके वह हकदार नहीं थे।

उच्च न्यायालय में दायर वाद में सुनवाई के दौरान दो अलग-अलग मामलों जिसमें 15 अक्टूबर 2020 और दूसरा 15 दिसम्बर 2020 को आए आदेश में स्पष्ट कहा कि प्राधिकरण अधिकृत अधिकारियों ने साठगांठ व गलत उद्देश्य से किसानों को अतिरिक्त मुआवजा दिया है। जिसमे बड़ी अनियमितता बरती गई। आदेश में यह भी स्पष्ट है कि यह मामला हजार, लाखों का नहीं, बल्कि करोड़ों का है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ जांच कर प्राथमिकी दर्ज कराई जाए।

इन्हीं आदेश के बाद प्राधिकरण गेझा तिलपताबाद गांव के वर्ष 2015 मुआवजा की फाइलों को खंगालने का काम किया। जिसमें गेझा तिलपताबाद के 15 प्रकरणों में करीब 100 करोड़ 16 लाख 81 हजार 334 रुपए के घोटाले की बात सामने आई।

इन तारीखो को बांटा गया किसानों को मुआवजा

5 नवम्बर 2015 को किसान को 9,17,12,426 रुपए
7 जनवरी 2016 को 7,26,80,427 रुपए
3 नवम्बर 2015 को 2,15,82,527 रुपए
10 अगस्त 2015 को 4,16,39,607 रुपए
10 अगस्त 2015 को 1,53,50,397 रुपए
4 सितम्बर 2015 को 2,38,99,744 रुपए
9 सितम्बर 2015 को 19,40,26,437 रुपए
2 नवम्बर 2015 को 33,42,825 रुपए
9 अक्टूबर 2015 को 1,07,61,110 रुपए
11 जनवरी 2016 को 1,99,66,711 रुपए
7 जनवरी 2016 को 3,80,66,690 रुपए
19 अक्टूबर 2016 को 96,41,365 रुपए
10 अगस्त 2015 को 6,70,33,662 रुपए
24 अप्रैल 2015 को 31,07,86,836 रुपए
24 अप्रैल 2015 को 8,11,90,568 रुपए

जिन 15 प्रकरणों को सूचिबद्ध किया गया। उसमें पहले दो प्रकरण भुल्लड़ व फुंदन जिनको क्रमश पांच नवम्बर 2015 को नौ करोड़ 17 लाख 12 हजार 426 रुपए और सात जनवरी 2016 को 7 करोड़ 26 लाख 80 हजार 427 अतिरिक्त प्रतिकर (मुआवजा) दिया गया। इसी में संलिप्त एलएआर विरेंद्र नागर व दिनेश सिंह के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-20 थाने में एफआईआर दर्ज कराई।

तत्कालीन सीईओ रितु माहेश्वरी ने एलएआर विरेंद्र सिंह नागर को बर्खास्त करने की सिफारिश शासन से की। जिसके बाद बचने के लिए यह लोग सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, जिसकी सुनवाई में यह जांच गठित की गई है।

सार संक्षेप

कार चालक ने बुजुर्ग महिला को मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-78 स्थित महागुन मॉडर्न सोसाइटी में एक कार चालक ने बुजुर्ग महिला को टक्कर मार दी। कार का अगला टायर महिला के ऊपर चढ़ गया। गंभीर रूप से घायल महिला को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उनकी मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से बातचीत की। उनको समझाया कि शव का पोस्टमार्टम और थाने में इसकी शिकायत दी जाए। लेकिन परिजनों ने ऐसा करने से मना कर दिया। फिलहाल पुलिस अपने स्तर से जांच कर रही है। बुजुर्ग महिला का नाम कृष्णा नारंग (65) है। वे परिवार के साथ इसी सोसाइटी में रहती थी। शाम को किसी काम से वे फ्लैट से नीचे कॉमन एरिया में आई थी। वहां मोड़ पर एक कार सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। महिला वहीं गिर गई। इसके बाद कार का अगला पहिया उन पर चढ़ गया। चालक ने कार वहीं रोक दी। इस दौरान गुजर रहे लोग वहां पहुंचे उन्होंने बुजुर्ग महिला को वहां से उठाया और अस्पताल लेकर गए। यहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बताया गया कार चलाने वाला व्यक्ति भी इसी सोसाइटी का रहने वाला है। थाना प्रभारी सेक्टर-113 ने बताया कि परिजनों की ओर से अब तक कोई शिकायत नहीं दी गई है। उनको शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए भी कहा गया। लेकिन वो नहीं माने। बता दे इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें साफ दिख रहा है कि गाड़ी चालक महिला को टक्कर मारता है। हालांकि कार की स्पीड ज्यादा नहीं है। लेकिन टक्कर लगते ही महिला नीचे गिर जाती है।

प्लाट बेचने के नाम पर 1.35 करोड़ की धोखाधड़ी

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-49 क्षेत्र के गांव बरौला में प्लाट बेचने के नाम पर लखनऊ के एक व्यक्ति से 1.35 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोर्ट के आदेश पर नौ लोगों को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। लखनऊ की कौशलपुरी कालोनी के रविंद्र कुमार ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उन्होंने अभय कुमार सिंह और केशव कुमार से गांव बरौला में 109 वर्गगज जमीन का बैनामा 17 अगस्त 2022 में अपनी कंपनी के नाम कराया था। इसके बाद कमल सिंह से गांव बरौला में 170 वर्गगज जमीन खरीदने के लिए इकरारनामा 1,30,90,000 रुपए में तय हुआ था। आरोप है कि इकरारनामे के बाद कमल सिंह के खाते में 42.50 लाख रुपए खाते में ट्रांसफर किए थे। 21-21 लाख रुपए के चार पीडीसी चेक कमल सिंह को दिए। कमल सिंह ने संदीप बेसोया और उसकी पत्नी रेशा बेसोया के खाते में भी 9.40 लाख रुपए जमा कराए। 19 जून 2023 को कमल सिंह ने बैनामा कर दिया। जब कमल सिंह से दोनों भूखंडों के मूल दस्तावेज मांगे तो कहा कि वह बैंक लाकर में रखे हुए हैं और जल्द सौंप देगा, लेकिन कई दस्तावेज नहीं सौंपे। आरोप है कि अगस्त 2023 में जब प्लाट पर कामगार पहुंचे तो सुभाष चौधरी, पवन खटाना व उनके साथ के लोगों ने आकर काम रुकवा दिया। आरोप है कि दोनों लोगों ने प्लाट की एवज में 1.40 करोड़ रुपये की मांग की। तब पीड़ित को पता चला कि वह षड्यंत्र का शिकार हो गया है। इसके बाद पता चला कि आरोपितों ने इस प्लाट को पूर्व में भी कई लोगों को बेचा है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संदीप चौधरी का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर कमल सिंह, कमल सिंह की पत्नी, मोहित, सुभाष चौधरी, पवन खटाना, भूरा गुर्जर, संदीप बसोया, रेशा बसोया, अभय सिंह और अन्य व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

4 जिलों के लिए तैयार होगा रीजनल कांप्रेहेंसिव मोबिलिटी प्लान

■ सलाहकार कंपनी का होगा चयन, डेढ़ साल में तैयार करनी होगी डीपीआर

नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। पांच जिलों के यातायात को जाम मुक्त बनाने के लिए रीजनल कांप्रेहेंसिव मोबिलिटी प्लान (सीएपमी) की पहली बैठक नोएडा प्राधिकरण में हुई। ये प्लान नोएडा, ग्रेटरनोएडा, यमुना विकास, गाजियाबाद, हापुड़, बुलंदशहर, न्यू नोएडा के यातायात को जाम मुक्त बनाएगा। साथ ही इन शहरों की कनेक्टिविटी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से बेहतर हो इस पर फोकस किया जाएगा। बैठक में तय किया गया कि इस प्लान को बनाने के लिए एक सलाहकार कंपनी का चयन किया जाएगा। इसके लिए रिक्यूवेस्ट ऑफ प्रपोजल (आरएफपी) जारी की जा रही है।

इस रीजनल प्लान का एक आशय पश्चिमी यूपी में इकोनॉमिक ग्रोथ को बढ़ावा देना भी है। सलाहकार कंपनी एक प्लान बनाएगी। इस प्लान को सभी जिले और प्राधिकरण अपने-अपने क्षेत्र में लागू करेंगे। इसमें सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने से लेकर नए फ्लाईओवर, बॉटलनेक और ट्रांसपोटेशन को ध्यान में रखा जाएगा। प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश पाल ने बताया कि मास्टर प्लान 2031 तक शहर में जो भी मोबिलिटी प्लान होगा उसे लागू किया जाएगा। वो कैसे लागू होगा इसके लिए सलाहकार कंपनी ही प्लान करेगी।

डेढ़ साल में तैयार करना होगा मोबिलिटी प्लान

इस रीजनल प्लान में हापुड़ और गाजियाबाद को भी जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि लोकल स्तर पर भी कई मोबिलिटी प्लान है। सलाहकार कंपनी इन क्षेत्रीय प्लान का अध्ययन करेगी और उसमें दिए गए बेहतर प्लान या सुझाव को वो अपनी डीपीआर में शामिल करेगी। इसके लिए सलाहकार कंपनी को अधिकतम डेढ़ साल का समय दिया जाएगा। लेकिन प्राथमिक प्लान उसे तीन महीने में ही देना होगा। जिस पर एक रिपोर्ट तैयार कर हम शासन को भेजेंगे।

दरअसल ये प्रकार का थिंक टैंक होगा। जिसमें पांचो स्थानों के अधिकारी और सलाहकार कंपनी सिर्फ इस बात पर अध्ययन करेंगे कि आगामी 50 सालों तक दिल्ली से बेहतर कनेक्टिविटी और इस रीजन को कैसे जाम मुक्त बनाया जाए। जितने भी सुझाव आएंगे उनको कंपनी प्लान में शामिल करेगी और बनाने का काम संबंधित प्राधिकरण का होगा। रीजनल प्लान की पहली बैठक में तीनों प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, प्लानिंग के जीएम शामिल हुए।

नौ पाइंट पर बनेगा रीजल प्लान

- सबसे पहले सलाहकार कंपनी तीनों शहर के लोकल अथॉरिटी के प्लानिंग सेल से बात करेगी और विजिट करके शहरी और ग्रामीण इलाकों की एक ब्रीफ तैयार करेगी। जिसमें लोकेशन, लैंड एरिया,रोड नेटवर्क, रीजनल इकोनामिक, स्ट्रक्चर उपलब्धता को शामिल किया जाएगा।
- सभी प्रकार की डाटा एनालिसिस रिपोर्ट को एकत्रित करना जिसमें यहां सामाजिक परिवेश, रजिस्टर्ड वाहनों की संख्या और ट्रांसपोर्ट नेटवर्क, अर्बन ट्रांसपोर्ट नियम, रीजनल ट्रांसपोर्ट पॉलिसी, नेशलन और स्टेट रूल, सड़क हादसे, लैंड यूज, मेप शामिल है।
- इसके बाद एक प्राथमिक सर्वे प्लान तैयार किया जाएगा।
- इसके बाद हितधारक, पब्लिक और अन्य लोगों से इस सर्वे प्लान पर बातचीत की जाएगी।
- डिटेल सर्वे की जिसमें यहां निर्मित इमारतों की संख्या, ट्रैफिक, रोड पर स्पीड, पार्किंग, पेडेस्ट्रेन का डाटा लेकर ग्राउंड रिपोर्ट की जाएगी। ये टाइम, कास्ट, कंफर्ट, सेफ्टी और सिक्योरिटी के लिहाज से तैयार की जाएगी।
- यहां एक महत्वपूर्ण पाइंट प्रदूषण से संबंधित भी होगा। इसके लिए डीजल, पेट्रोल, एलपीजी और इलेक्ट्रिक का डाटा लेकर ये चेक किया जाएगा कि इसका कितना असर प्लान के अनुसार कम होगा या बढ़ेगा।
- नोएडा ग्रेटरनोएडा और यमुना क्षेत्र में ई बस चलाने का प्राविधान है। इसे मोबिलिटी प्लान में ही शामिल किया जाएगा। इसके लिए अलग से इंफ्रास्ट्रक्चर की अवाश्यकता होगी। जिसमें एडमिन ब्लाक, चार्जिंग स्टेशन, डिपो, वार्कशॉप आदि।
- रोड नेटवर्क, इंटर कनेक्टिविटी, पार्किंग उपलब्धता और उसके प्रकार, पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम, पेरा ट्रांजिस्ट सिस्टम, सड़कों पर ट्रैफिक का भार, ट्रैफिक सेफ्टी को शामिल करते हुए फाइनल ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा।
- ये फाइनल ड्राफ्ट कंपनी गठित की गई समिति के सामने रखेगी। बोर्ड से अप्रूव होने पर इस पर काम शुरू किया जाएगा।

रेरा ने लखनऊ के 5 बिल्डरों पर लगाया जुर्माना

■ बिल्डरों ने परियोजना के विज्ञापन, प्रचार-प्रसार की दी थी अधूरी जानकारी

नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। उप्र रेरा के नियमों का उल्लंघन करने पर पांच बिल्डरों पर 1-1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इन बिल्डरों ने रेरा की धारा-11 का उल्लंघन किया जिसका मतलब है विज्ञापन व प्रचार प्रसार में रेरा पंजीयन संख्या और रेरा पोर्टल का उल्लेख नहीं किया गया था। इन बिल्डरों में अट्रैक्टिव निर्माण प्रालि., बसेरा सिटी डेवलपर्स, हालमार्क व्यापार प्रालि, राजीव सन एचयूएफ व लैविश बिल्डमार्ट प्रालि शामिल है। रेरा अधिकारी ने बताया कि अट्रैक्टिव निर्माण प्रालि ने अपनी आवासीय परियोजना बीसीसी ग्रीन्स, बसेरा सिटी डेवलपर्स द्वारा अपनी आवासीय परियोजना बीसीसी ब्लू माउंटेन, हालमार्क व्यापार प्रालि द्वारा अपनी आवासीय परियोजना बीसीसी सफायर व राजीव सन एचयूएफ द्वारा अपनी आवासीय परियोजना वाधवा पाम रेजेंसी के विज्ञापन में न तो पंजीयन संख्या का उल्लेख था और न ही यूपी रेरा पोर्टल का। यह सभी परियोजनाएं लखनऊ में स्थित है।

लैविश बिल्डमार्ट प्रालि द्वारा गौतम बुद्ध नगर स्थित अपनी मिक्स्ड परियोजना एमथ्रीएम दी कलीनन के विज्ञापन में पंजीयन संख्या का उल्लेख था लेकिन रेरा पोर्टल का उल्लेख नहीं था। रेरा सचिव ने कहा कि पेनॉल्टी मात्र टोकन के रूप में लगायी गई है। रेरा अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप यह पेनॉल्टी परियोजना लागत का 5 प्रतिशत तक हो सकता है।

1000 सदस्य होने के मौके पर योर लाइफ फिटनेस जिम में पहुंचे मनोज गुप्ता

नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। आज सेक्टर 61 शॉप्रिक्स मॉल में स्थित 1000 मेंबरशिप होने के उपलक्ष मे एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में नोएडा भाजपा के महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने केक काटा और युवाओं को स्वास्थ्य के लिए जागरूक किया करते हुए कहा कि जिम में जाकर एक्सरसाइज करने से बॉडी फिट होती है। इससे स्टैमिना, स्टैबिलिटी और पोस्चर भी सुधरता है। वहीं दूसरी तरफ जिम के साइड इफेक्ट्स भी होते हैं। इसीलिए जिम में ट्रेनर की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। जिम को अगर प्रशिक्षित ट्रेनर के साथ किया जाए तो इसके परिणाम कहीं ज्यादा अच्छे होते हैं। महेश यादव ने बताया योर लाइफ फिटनेस जिम के सीएमडी महेश यादव ने 1000 मेंबरशिप के मौके पर अपने पूरे स्टाफ को बधाई दी और कहा कि योर लाइफ फिटनेस जिम से जुड़े सभी लोग एक परिवार की तरह हैं और इस कामयाबी के पीछे सभी की मेहनत है। आगे उन्होंने बताया कि जिम जाना फिट और स्वस्थ रहने का एक शानदार तरीका है। मुख्य अतिथि मनोज गुप्ता के साथ मौजूद सभी लोगों का योर लाइफ फिटनेस जिम के सीएमडी महेश यादव ने इस मौके पर उपस्थित होने के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मौजूद रहे जिला महामंत्री गणेश जाटव, महामंत्री उमेश त्यागी, सोशल मीडिया प्रमुख सचिन अंबावता, ओंबवीर यादव जी,इंद्रवीर यादव, अरविंद भाटी, उदय यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

16 को होगा विशाल दंगल, खेली जाएंगी 100 कुश्तियां

नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट नोएडा की ओर से 16 अक्टूबर को विशाल ऋषिपाल दंगल का आयोजन किया जाएगा। दंगल में कुल 100 कुश्तियां खेली जाएंगी। जिसमें ऋषिपाल गोल्ड कप टाइटल कुश्ती लड़ी जाएगी। विजेता खिलाड़ी को एक लाख रुपए दिए जाएंगे। उपविजेता को 51 हजार और तृतीय विजेता को 21 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। बाल पहलवानों के साथ महिला पहलवानों की कुश्ती भी होंगी एवं दूर-दराज से आये पहलवानों की कुश्तियां भी होंगी। इस दंगल में कुल लगभग 4 लाख के इनाम दिए जाएंगे। इस दंगल में जय प्रकाश पहलवान 'हिन्द केसरी' व गुरु वीरपाल अखाड़ा जसराम जसोला व सुखवीर पहलवान सर्फाबाद, गुरू लीलू, गुरू संजय, राजकुमार बैसला रेलवे अखाड़ा, लाला पहलवान बद्री अखाड़ा, जगदीश काली रमन चंदीग्राम अखाड़ा आदि जाने-माने गुरु खलीफा उपस्थित होंगे। दंगल का शुभारंभ सुरेन्द्र नागर सांसद (राज्यसभा) व राष्ट्रीय सचिव भारतीय जनता पार्टी बृजभूषण शरण सिंह की उपस्थिति में किया जाएगा। इस मौके पर डीएम मनीष कुमार, सतीश गौतम सांसद (लोकसभा), अशोक प्रधान, पूर्व मंत्री (पूर्व सांसद), पंकज सिंह विधायक नोएडा आदिक मौजूद रहेंगे। इसके अलावा एक लाइब्रेरी का उद्घाटन भी किया जाएगा। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी मनीष चौधरी ने बताया कि ऋषिपाल मैमोरियल ट्रस्ट पिछले 28 वर्षों से खेल ही नहीं अन्य क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बनाए हुए हैं। भाई ऋषिपाल आर्य का दुखद निधन एक सड़क दुर्घटना में 16 अक्टूबर 1994 में तब हो गया था जब वह मोरना गांव सेक्टर-35 से एक किसान पंचायत को सम्बोधित कर वापस लौट रहे थे। तब से लेकर अब तक यह ट्रस्ट सड़क सुरक्षा सप्ताह ब्लड डोनेशन, वृक्षारोपण व भंडारा आदि सामाजिक गतिविधि चलाता आ रहा है।

बढ़ता प्रदूषण कुत्तों की उग्रता का बन रहा है कारण : डॉ. बीपी त्यागी

■ कुत्तों की नाक में जाकर बैठ जाते हैं प्रदूषण के कण ■ पैट डॉग व स्ट्रीट डॉग काटने का कारण

गाजियाबाद, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। वरिष्ठ ईएनटी सर्जन डॉ. बृजपाल त्यागी के कहा कि बढ़ते पॉल्यूशन के कारण डॉग उग्र हो रहे हैं। एक बयान ने डॉ. बृजपाल त्यागी ने बताया कि आजकल आये दिन खबरों में पढ़ रहे हैं कि पैट डॉग व स्ट्रीट डॉग बहुत काट रहे हैं। लोगों को इस बारे में जानने की जरूरत है क्योंकि कुत्ते पहले भी रहते थे पहले इतना हादसे नहीं होते थे। गांव में आज भी स्ट्रीट डॉग्स काटते नहीं है, तो शहर में आजकल इतने हादसे डॉग क्यों कर रहे हैं, क्यों काट रहे हैं, क्यों शहरी समाज परेशान है? इस बारे में डॉ. बृजपाल त्यागी ने बताया कि पहले इतना पॉल्यूशन नहीं होता था आजकल जो बहुत ज्यादा पॉल्यूशन हो रहा है। उसकी वजह से डॉग उग्र हो जाते हैं, और पॉल्यूशन उनकी नाक में जाकर उसके कण फेफड़े की झिल्ली में बैठ जाते हैं, उनमें ऑक्सीजन की कमी के कारण उग्रता बढ़ जाती है। उनके ब्रेन में भी पोल्युशन की वजह से कुछ केमिकल चेंज होते है और वह उग्र हो जाते है। जब डॉग को इर्रिटेशन होती है तो वह फिर जो भी अनजान आदमी उसके आसपास आता है उसको काटने की कोशिश करता है। ऐसे में जो खबर छप रही है। कि कुत्तों को हटाना चाहिए और उनके रखने पर कुछ चार्ज लगना चाहिए। एडमिनिस्ट्रेशन को डॉ. बृजपाल त्यागी सुझाव देते है कि वह एक तो पॉल्यूशन को कम करने की कोशिश करें और दूसरा डॉग को इम्यूनाइज कर दें तो फिर यह दिक्कत सामने नहीं आएगी। तीसरी बात पालतू डॉग्स लवर के लिए है कि वह अपने पालतू डॉग्स को इम्यूनाइज कर के रखें उसका रजिस्ट्रेशन कराये। उनको जब घूमाने ले जाते हैं तो उसमें मजल लगाये, अगर मजल नहीं लगाएंगे तो वह इरिटेट होकर बाहर पॉल्यूशन की वजह से किसी को भी काट सकता है। डॉग इरिटेट हो सकता है एवं मालिक को भी काट सकता है।

जो खबरें आजकल मीडिया में आ रही है कि डॉग ने बच्चों को काटा या यह कि छोटे बच्चों को चार-पांच कुत्तों ने काट लिया और उसकी मृत्यु हो गई, इन सब में चीज देखना बहुत जरूरी है कि वह डॉग रेबीज़ से ग्रस्त तो नहीं है। वह उग्र किस वजह से हुआ पड़ा है पॉल्यूशन की वजह से या रेबिस कीं वजह से। क्योंकि रेबिज जान लेवा बीमारी है उसका इम्यूनिजेशन तो करना ही है साथ साथ अपने पैट को पोल्युशन फ्री वातावरण मी रखना भी जरूरी हैं।

राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने 'इनफिनिटी 2023' का किया शुभारंभ

■ बोले एआई बेहतर लेकिन अपराधी कर सकते है दुरुपयोग

■ 2025 तक 124 करोड़ भारतीय इंटरनेट का करेंगे प्रयोग

नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। सेक्टर-125 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में भविष्य के व्यापारों के लिए डिजिटल परिवर्तन पर 6वें वार्षिक तकनीकी सम्मेलन 'इनफिनिटी 2023' का आयोजन किया गया। दो दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ भारत के कौशल विकास उद्यमिता, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने किया। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए कोई स्पष्ट रोडमैप नहीं होता। जीवन में आपको बहुत सारे अवसर प्राप्त होते है आपको उनका चयन करना है और आगे बढ़ना है। अनुभव को साझा करते हुए कहा कि सफल होने के लिए कड़ी मेहनत, दृढ़ सकंल्प और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास जैसे गुण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आप स्वतंत्र भारत के इतिहास में छात्रों की सबसे भाग्यशाली पीढ़ी है क्योकी पिछले 9 सालों में भारत सफलता की कहानी बन गया है। सरकार हमारे जीवन में स्थायी बदलाव लाने और हमारे जीवन को बड़े पैमाने पर प्रभावित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा दृष्टिकोण हमारी नीति निर्माण में सार्वजनिक परामर्श और युवाओं की भागीदारी को शामिल करना है। चंद्रशेखर ने कहा कि हर तकनीक की तरह एआई बहुत अच्छा प्रभाव पैदा करेगा लेकिन अपराधियों द्वारा इसका दुरुपयोग होने की संभावना हो सकती है।

उवाच "

आबादियों की लीजबैक का प्रकरण आंदोलन का मुख्य मुद्दा रहा है तत्कालीन एसीईओ केके गुप्ता एवं तहसीलदार सुनील कुमार और तत्कालीन सीईओ नरेंद्र भूषण किसान विरोधी मानसिकता के अधिकारी रहे हैं तहसीलदार सुनील कुमार और एसोईओ के के गुप्ता ने जानबूझकर तथ्यों के विपरीत एसआईटी के अध्यक्ष डॉ. अरुण वीर को किसान विरोधी रिपोर्ट दाखिल की थी जिसके आधार पर शासन ने यह निर्णय लिया है।

डॉ. रुपेश वर्मा, किसान सभा अध्यक्ष

कैपिटल ज़ोन

यमुना सिटी बनाने के लिए देश-विदेश की छह कंपनियों ने खरीदे टेंडर

ग्रेटर नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की फिल्म सिटी परियोजना के लिए छह कंपनियों ने टेंडर खरीद लिए हैं। कई कंपनियों ने रुचि दिखाई है। 30 नवम्बर तक इसमें आवेदन किए जा सकते हैं।

यमुना प्राधिकरण ने मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट फिल्म सिटी के लिए तीसरी बार ग्लोबल टेंडर निकाले हैं। दो बार के टेंडर में कोई कंपनी आगे नहीं आई थी। इस बार अब तक छह कंपनियों ने टेंडर खरीद लिए हैं। इसमें बोनी कपूर प्रोडक्शन, साउथ कोरिया का सिक्योर ग्रुप, गोल्डन बर्ड इंटरटेनमेंट, आरडीएफ इंफ्रा, सिस्टला और दो फिल्मी हस्तियां शामिल हैं। टी सीरीज और एमएक्स प्लेयर ने भी संपर्क किया है। इसके अलावा सोनी, यशराज फिल्मस, नेट फिल्क्स, अमेजान, मारवाह, यूनिवर्सल, वी-2 आदि भी इसको लेकर गंभीर है। इसमें 26 अक्टूबर को प्री बिड मीटिंग होगी। 30 नवम्बर तक टेंडर जमा होंगे और तकनीकी निविदा पांच दिसम्बर को खोली जाएगी। वहीं, यमुना प्राधिकरण ने सेक्टर-22 डी में ग्रुप हाउसिंग के छह भूखंडों की योजना निकाली है। अब तक छह आवेदन आ चुके हैं। पेट्रोल पंप के भूखंडों की योजना में छह आवेदन आ गए हैं। इसमें पांच भूखंड हैं। प्राधिकरण ने फुट प्रिंट, क्योस्क और दुकानों की योजना निकाली है। फुट प्रिंट में सात आवेदन, क्योस्क में 20 आवेदन और दुकानों के लिए 12 आवेदन आए हैं।

- **फिल्म सिटी में कई और कंपनियां निवेश को लेकर दिखा रही रुचि**
- **फिल्म सिटी निर्माण को लेकर 30 नवम्बर तक किए जा सकते हैं आवेदन**

मार्च तक यमुना प्राधिकरण के कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए जमीन का रास्ता साफ

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण मार्च तक 4800 एकड़ से अधिक जमीन खरीदेगा। इसकी खरीद में छह हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च होंगे। यह जमीन गौतम बुद्ध नगर और अलीगढ़ के गांवों की है। इसकी तैयारी पूरी हो गई है। यमुना प्राधिकरण जमीन की जरूरत को पूरा करने के लिए काम शुरू कर दिया है। प्राधिकरण अधिग्रहण के साथ किसानों से सीधे जमीन खरीदने की तैयारी में है। इसके लिए भूमि विभाग काम कर रहा है। प्राधिकरण ने यमुना एक्सप्रेस वे के किनारे टप्पल में लॉजिस्टिक एवं वेयर हाउसिंग हब विकसित करेगा। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी चल रही है। इसके साथ ही अलीगढ़ जिला प्रशासन जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव भी भेजा है। यहां दो चरणों में 2100 एकड़ से अधिक जमीन खरीदी जाएगी। यमुना प्राधिकरण सेक्टर-10 में इलेक्ट्रानिक्स एंड मैन्युफैक्चरिंग हब समेत पांच पार्क विकसित करेगा। इस सेक्टर में प्राधिकरण अधिग्रहण के जरिये जमीन लेगा। अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। इस सेक्टर में करीब 750 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। सेक्टर-21 और 28 में 1200 एकड़ से अधिक जमीन खरीदी जानी है। यहां पर किसानों से सीधे जमीन खरीदी जा रही है। सेक्टर-21 में फिल्म सिटी और सेक्टर-28 में मेडिकल डिवाइस पार्क, डाटा पार्क समेत कई बड़ी परियोजनाएं हैं। यमुना प्राधिकरण ने 30 मीटर चौड़ी रोड के लिए जमीन खरीदेगा। इसमें रोही, पारोही, दस्तमपुर और रन्हेरा की जमीन है। यहां करीब 20 एकड़ जमीन खरीदी जानी है। इसके अलावा प्राधिकरण ने कुरैब, करौली बांगर, वीरमपुर, तिरथली और चकवीरमपुर में जमीन खरीदेगा। इस जमीन के लिए योजनाएं प्रस्तावित हैं।

- **यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण मार्च में 4800 एकड़ से अधिक खरीद करेगा जमीन, खर्च होंगे 6 हजार करोड़**

एसआईटी जांच पर निरस्त 172 लीजबैक प्रकरणों पर किसानों ने दाखिल की आपत्तियां

ग्रेटर नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। किसान सभा ने 9 अक्टूबर को आबादी की लीजबैक प्रकरणों में हुई एसआईटी जांच के 533 मामलों में से 172 मामलों में शासन के निरस्तीकरण के आदेश के विरुद्ध धरना प्रदर्शन किया था जिसमें अधिकारियों ने निरस्त प्रकरणों के संबंध में तथ्यों सहित शासन को रिपोर्ट भेजने और मामलों का पुनः अनुमोदन कराने का आश्वासन दिया था। इसी के तहत गुरुवार किसान सभा की जिला कमेटी के नेतृत्व में प्राधिकरण में पहुंचे एडमिन ब्लॉक की चौथी मंजिल पर स्थित बोर्ड रूम में किसानों ने सैकड़ो की संख्या में उपस्थित होकर प्राधिकरण के एसीईओ अमनदीप डूली एवं ओएसडी हिमांशु वर्मा के साथ बैठक की बैठक में तय किया गया कि सभी किसानों की आपत्तियां किसान सभा के महासचिव जगबीर नंबरदार विजेंद्र नागर और संदीप भाटी के माध्यम से एक साथ जमा कर दी जाएगी।

किसान सभा के महासचिव और दोनों सचिव ओएसडी हिमांशु वर्मा के साथ बैठकर सैटेलाइट इमेज परिवारों की संख्या एवं अन्य तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करवाएंगे यह पूरा प्रोसेस पार्टिसिपेटरी रहेगा। रिपोर्ट शासन के अनुमोदन के लिए भेजी जाएगी इस कार्य को दो-तीन दिन के अंदर निपटाने का फैसला हुआ है किसान सभा के अध्यक्ष डॉ. रुपेश वर्मा ने कहा कि आबादियों की लीजबैक का प्रकरण आंदोलन का मुख्य मुद्दा रहा है तत्कालीन एसीईओ केके गुप्ता एवं तहसीलदार सुनील कुमार और तत्कालीन सीईओ नरेंद्र भूषण किसान विरोधी मानसिकता के अधिकारी रहे हैं तहसीलदार सुनील कुमार और एसोईओ के के गुप्ता ने जानबूझकर तथ्यों के विपरीत एसआईटी के अध्यक्ष डॉ. अरुण वीर को किसान विरोधी रिपोर्ट दाखिल की थी जिसके आधार पर शासन ने यह निर्णय लिया है। किसान सभा की मांग है कि तत्कालीन एसीईओ के के गुप्ता एवं तहसीलदार सुनील कुमार के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाए किसानों के मसले में इस तरह की रिपोर्ट दाखिल करना वह भी तथ्यों के विपरीत किसान विरोधी कृत है यह उसे समय के अधिकारियों के घिनौनी मानसिकता को दर्शाता है। किसान सभा किसी भी कीमत पर शोषण बर्दाश्त नहीं करेगी। किसान सभा के उपाध्यक्ष यतेंद्र मैनेजर ने कहा कि अकेले मायचा गांव में ही 26 प्रकरणों में आबादी की लीजबैक के निरस्तीकरण के आदेश दिए हैं वहीं सचिव विजेंद्र नागर का कहना है कि खोदना खुर्द गांव में 20 मामलों में आबादी की लीजबैक के निरस्तीकरण के आदेश हुए हैं महासचिव जगबीर नंबरदार ने कहा कि बादलपुर के 208 प्रकरणों में प्राधिकरण की ओर से किसान विरोधी रिपोर्ट शासन के लिए गई है अधिकारियों ने रिपोर्ट को वापस मंगाकर पुनः दुरुस्त कर भेजने का आश्वासन दिया है आज की मीटिंग में कोषाध्यक्ष अजय पाल भाटी, मोनू मुखिया, शिशांत भाटी, रमेश नागर, नरेंद्र नागर सहित सैकड़ो किसान उपस्थित रहे।

- **किसान सभा के नेतृत्व में किसानों ने ग्रेनो प्राधिकरण में दाखिल कराई आपत्तियां**

सार संक्षेप

आज जेवर एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों का जायजा लेंगे एसपी गोयल

ग्रेटर नोएडा। नागरिक उड्डयन विभाग के अपर मुख्य सचिव एसपी गोयल शुक्रवार को जेवर एयरपोर्ट आएंगे। वह वहां चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लेंगे। एयरपोर्ट से जुड़े अधिकारी वहां प्रस्तुतीकरण भी देंगे। जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य चल रहा है। टर्मिनल बिल्डिंग, एटीसी टॉवर और रनवे का काम चल रहा है। अगले साल की शुरुआत में इसका ट्रायल रन शुरू हो सकता है। शुक्रवार को निर्माण कार्यों का जायजा लेने के लिए नागरिक उड्डयन विभाग के अपर मुख्य सचिव एसपी गोयल आएंगे। वह यहां के निर्माण कार्य की प्रगति को देखेंगे। साथ ही अफसरों के साथ बैठक करेंगे। उन्हें प्रजेंटेशन के जरिये परियोजना की प्रगति बताई जाएगी। इस बैठक में यमुना प्राधिकरण के अफसर भी शामिल रहेंगे।

जोंटी भाटी का 37वें राष्ट्रीय खेलों का हुआ चयन

ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रीय खेलों का आयोजन 25 अक्टूबर से 9 नवम्बर तक गोवा में आयोजित होंगे, राष्ट्रीय खेलो का चयन 12 अक्टूबर को नंदिनी नगर गोंडा में आयोजित किया गया, जिसमें जोंटी भाटी ने सेमीफाइनल में जौनपुर के विकास को 10-0 से हराया और फाइनल में आजमगढ़ के नितिन को बाई फॉल चित किया और जोंटी भाटी ने उत्तर प्रदेश की टीम में 86 किलो भार वर्ग में राष्ट्रीय खेलों में जगह बनाई। इस मौके पर भारतीय कुश्ती संघ अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह व उत्तर प्रदेश कुश्ती उपाध्यक्ष सुरेश उपाध्याय, रंजीत पहलवान, योगी भाटी, वनीष प्रधान, ब्लॉक प्रमुख ईश्वर पहलवान, जयवीर पहलवान, विजेंद्र भाटी, परीक्षित नागर, अमित भाटी, अंतरराष्ट्रीय पहलवान राजेंद्र भाटी, रविंद्र भाटी, राजेश भाटी, बोबू पहलवान आदि ने एवं क्षेत्रीय लोगों ने बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

56वां आईएचजीएफ दिल्ली मेला ऑटम और दिल्ली मेला-फर्नीचर शुरू

ग्रेटर नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आईएचजीएफ दिल्ली मेला- ऑटम और दिल्ली फेयर फर्नीचर के 56वें संस्करण का उद्घाटन ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने किया। इस अवसर पर आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार, ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक आर. के. वर्मा ने बताया कि इस अवसर पर ईपीसीएच के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना आईएचजीएफ दिल्ली मेला-ऑटम और दिल्ली मेला-फर्नीचर 2023 रिसेप्शन समिति के अध्यक्ष नरेश बोथरा एवं उपाध्यक्ष एस. के. गोयल आईएचजीएफ दिल्ली मेला- ऑटम और दिल्ली मेला-फर्नीचर 2023 रिसेप्शन समिति के ईपीसीएच के प्रशासन समिति के सदस्य राज के मल्होत्रा, रवि के पासी, डी. कुमार, सागर मेहता, सलमान आजम, गिरीश अग्रवाल, लेखराज माहेश्वरी, नावेद उर रहमान, अरशद मीर, सिमरनदीप सिंह कोहली, राजेश जैन, जेस्मिना जेलियांग, के.एल. रमेश, हंसराज बाहेती, मुचल्ला भी मौजूद रहे। एक संदेश में भारत सरकार की केंद्रीय कपड़ा और रेलवे राज्य मंत्री, दर्शना वी. जरदोश ने आईएचजीएफ दिल्ली मेले की सराहना करते हुए इसे शिल्प उद्योग को बढ़ावा देने और उन्हें बातचीत करने, ज्ञान साझा करने और व्यवसायिक अवसरों का पता लगाने का एक उत्कृष्ट माध्यम बताया। उन्होंने मेला आयोजकों और प्रदर्शकों की सराहना की जो अपनी कड़ी मेहनत, रचनात्मकता और उद्यम के साथ भारत के दूरदराज के क्षेत्रों से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ाने में सक्षम हैं। साथ ही बड़ी संख्या में प्रदर्शकों, विशेष रूप से छोटी और मध्यम संस्थाओं को एक मंच प्रदान करने में ईपीसीएच की भूमिका की भी सराहना की।

ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने बदलते समय के बीच चुनौतियों का सामूहिक रूप से सामना करने और सेक्टर में उत्साह बनाए रखने के लिए हस्तशिल्प प्रदर्शकों की लचीलेपन की सराहना की। आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि आईएचजीएफ संस्करण दर संस्करण कई गुना बढ़ चुका है। ईपीसीएच द्वारा चलाए गए व्यापक प्रचार अभियान के साथ, बड़ी संख्या में विदेशी खरीदार, थोक और खुदरा विक्रेता पहले ही शो में आने के लिए पंजीकरण करा चुके हैं।

- **इंडिया एक्सपो सेंटर में 12-16 अक्टूबर तक चलेगा मेला**
- **तीन हजार से ज्यादा प्रदर्शक, 14 प्रदर्शन सेक्टर**
- **100 से अधिक देशों से पूर्व-पंजीकृत खरीदार शामिल**

सी कार्नर वार्षिक सम्मेलन में क्लाउड कंप्यूटिंग पर हुई चर्चा

ग्रेटर नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। आई.टी.एस इंजीनियरिंग कॉलेज के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग ने सी कॉर्नर वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कंप्यूटर और संचार प्रौद्योगिकी के सभी क्षेत्रों में काम करने वाले उद्योग के डेवलपर्स और चिकित्सकों को एक साथ लाने के उद्देश्य से सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में माइक्रोसॉफ्ट के वरिष्ठ क्लाउड एडवोकेट हेंक बोएलमैन, सी कॉर्नर के मुख्य विपणन अधिकारी क्रिस लव, एमसीएन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के सॉफ्टवेयर डेवलपर्स प्रियांशु अग्निहोत्री और मधु पटेल शामिल हुए। मैग्नस मार्टेंसन, उद्यमी, सलाहकार, वास्तुकार, उत्पाद विकास प्रमुख और मालिक, लॉफ्टीसॉफ्ट और एज्योर के लिए एक माइक्रोसॉफ्ट मोस्ट वैल्यूएबल प्रोफेशनल (एमवीपी) और एक माइक्रोसॉफ्ट क्षेत्रीय निदेशक (आरडी), शुभम सिन्हा, फुल स्टैक डेवलपर और नागरो के वरिष्ठ इंजीनियर, जोसेफगुआडाग्नो आदि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत (डॉ.) मयंक गर्ग, निदेशक, प्रोफेसर, आई.टी.एस. इंजीनियरिंग कॉलेज (डॉ.) आशीष कुमार एचओडी-सीएसई विभाग, आईटीएस इंजीनियरिंग कॉलेज, माणिक चंद्र पांडे शामिल हुए। प्रोफेसर (डॉ.) मयंक गर्ग, निदेशक, आईटीएस इंजीनियरिंग कॉलेज ने सभी प्रतिष्ठित वक्ताओं को धन्यवाद दिया। सम्मेलन की शुरुआत में अतिथि हेंक बोएलमैन, माइक्रोसॉफ्ट के वरिष्ठ क्लाउड एडवोकेट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एज्योर में एप्लिकेशन डेवलपमेंट की पृष्ठभूमि वाले विशेषज्ञ के भाषण से हुई। नविका माइक्रोसॉफ्ट इग्नाइट ने माइक्रोसॉफ्ट इमेजिन कप जूनियर में जज, सिएटल, शिकागो में टेक टुगेदर हैकथॉन में मेंटर और 3 साल के लिए गोल्ड माइक्रोसॉफ्ट स्टूडेंट एंबेसडर।

उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग की संक्षिप्त चर्चा के साथ सत्र की शुरुआत की और इसके बाद इसके प्रकारों और उनके पेशेवरों और विपक्षों के बारे में विस्तृत चर्चा की। अंत में डॉ. आशीष, एचओडी-सीएसई ने धन्यवाद और प्रशंसा के प्रतीक के साथ सम्मेलन के समापन की घोषणा की।

अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, चैट जीपीटी व क्लाउड स्टोरेज से विद्यार्थियों को किया जागरूक

ग्रेटर नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। शारदा विश्वविद्यालय में गुरुवार को वार्षिक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि रोड्रिगो डियाज कोंचा माइक्रोसॉफ्ट क्षेत्रीय निदेशक, हेंक बोएलमैन माइक्रोसॉफ्ट में वरिष्ठ क्लाउड एडवोकेट एआई और एमएल, जोसेफगुआडाग्नो नेट फाउंडेशन बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के प्रेसिडेंट, जनार्थानन सेल्वराज सीनियर विशेषज्ञ, मोहम्मद अजहरुद्दीन सर्विस नाउ एविडेन के डेवलपर, यूनिवर्सिटी के प्रो. वाइस चांसलर परमानंद और डायरेक्टर पीआर डॉ. अजीत कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कॉन्फ्रेंस में माइक्रोसॉफ्ट क्षेत्रीय निदेशक रोड्रिगो डियाज कोंचा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एआई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैट जीपीटी के आने से ब्लॉग लिखने वाले लोग एक एक दिन में 15-20 ब्लॉग आसानी से लिख पा रहे हैं। जबकि पहले वह 5-10 ब्लॉग ही लिख पाते थे। चैट जीपीटी से लोग सोशल मीडिया कैंपेन तैयार कर बढ़िया कमा रहे हैं। इसके अलावा एआई टूल्स पलक झपकते पावर प्वाइंट्स स्लाइड भी तैयार कर रहे हैं। आप सिर्फटॉपिक का नाम बता दें और आपका काम आसान हो जाएगा। उन्होंने चैट जीपीटी, बिंग एआई, गूगल बार्ड, क्लाउड के बारे में बताया। जिसका इस्तेमाल करके आप कंटेंट जनरेट, सोशल मीडिया पोस्ट, एसईओ, वेबसाइट कोडिंग आदि कर सकते हैं। क्लाउडे इसे चैट जीपीटी का विकल्प माना जा रहा है। शारदा विवि के प्रो वाइस चांसलर परमानंद ने सभी स्पीकर का स्वागत कर धन्यवाद किया।

स्कूली बच्चों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मासिक स्वास्थ के प्रति किया जागरूक

ग्रेटर नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। बैक्सन होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, ग्रेटर नोएडा के द्वारा आयोजित विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अन्तर्गत, तृतीय चरण में प्रज्ञान स्कूल में कक्षा 9 से 12 तक के छात्र छात्राओं को बैक्सन होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र एवं छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति देकर मानसिक रोगों के लक्षण तथा उससे निजात पाने के उपायों पर प्रोत्साहित किया। बैक्सन होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की विभागाध्यक्षा, डिपार्टमेन्ट ऑफ साइकेट्री डॉ. काथिका चट्टोपाध्याय ने स्कूल के बच्चों को मानसिक रोगों के लक्षणों से सम्बन्धित अपने विचार प्रकट किये। इस कार्यक्रम में डॉ. अश्वनी नायर, डॉ. मिनाक्षी अम्बवानी, डॉ. सूरज रामचन्द्र सूर्यावंशी, डॉ. पुनीत गर्ग, डॉ. अक्षय माथुर, डॉ. सुमित शर्मा, डॉ. मानसी चावला, डॉ. विजया गोस्वामी, डॉ. शिखा गोयल, डॉ. मनमोहन चमोली, स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र मौजूद रहे।

बीआईसी पर मोटरस्पोर्ट्स ड्रिफ्टिंग का दिखेगा जलवा

देश के करीब 25 हुनरमंद ड्राइवर अपने कौशल व कार-नियंत्रण का 16 अक्टूबर को करेंगे प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत में मोटरस्पोर्ट को बढ़ावा देने के लिए जेके टायर एक बार फिर मोटरस्पोर्ट फैन की धड़कनें बढ़ाने के लिए तैयार है। देश के पहले ड्रिफ्टिंग कॉम्पीटिशन के लॉन्च कर रहा है। मोटर स्पोर्ट जेके टायर ड्रिफ्ट चौलेंज 16 अक्टूबर को बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट (बीआईसी) में होगा। ड्रिफ्टिंग एक ड्राइविंग तकनीक है, जिसमें ड्राइवर तेज स्पीड के बावजूद नियंत्रण बनाए रखते हुए कौशल, सटीकता और कार पर कंट्रोल का प्रदर्शन करता है। इसमें ड्राइवरों को अपनी कारों को फिसलाना और कॉर्नर से साइड में जाने के लिए ओवरस्टीयर का उपयोग करना शामिल है। यह दुनियाभर में मोटरस्पोर्ट की सबसे तेजी से बढ़ने वाली सब-कैटेगरी भी है। जेके टायर के मोटरस्पोर्ट हेड संजय शर्मा के मुताबिक जेके टायर ड्रिफ्ट चैलेंज की शुरूआत भारतीय मोटरस्पोर्ट इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है। भारत में बदलाव धीरे-धीरे होता है लेकिन एफएमएससीआई की मदद से इस कॉम्पीटिशन के साथ हम भारत में ड्रिफ्टिंग के मानदंडों को औपचारिक रूप देंगे और जल्द ही इसे वैश्विक मानकों के बराबर लाने का प्रयास करेंगे। जेके टायर ड्रिफ्ट चौलेंज में 25 शक्तिशाली रियर-व्हील ड्राइव कारों की एक ग्रिड होगी। इन्हें देश के कुछ सबसे कुशल और प्रतिभाशाली ड्राइवर चलाएंगे। यह विशेष रूप से डिजाइन किए गए ट्रैक लेआउट पर ड्राइवर और कार की क्षमता की परीक्षा लेगा। जिसके मूल्यांकन में भारत से एफआईए के ड्रिफ्ट कमीशन के पूर्व सदस्य एलिस्टेयर वुडहैम, ब्राजील से क्रिस्टियानी नानामी लाजारो और थाईलैंड से तनाकोर्न लेर्टयाओवर्ट शामिल होंगे। बीआईसी ड्रिफ्ट चैलेंज के अलावा जेके टायर फॉर्मूला इंपीरियल और इंडियन कार्टिंग रेस की भी मेजबानी करेगा। जिसमें देश भर से 2,000 से अधिक विद्यार्थियों के भाग लेने की उम्मीद है। उन्हें 12 से 16 अक्टूबर के बीच विभिन्न राउंड में परीक्षण के लिए रखा जाएगा।

दुजाना में शारदा दुर्लभ अखंड यज्ञ 15 से 24 अक्टूबर तक

ग्रेटर नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयन्ती पर आर्य सभा का द्वितीय सत्यार्थ प्रकाश राष्ट्रीय महोत्सव शारद दुर्लभ यज्ञ अखिल भारतीय राजार्य सभा के तत्वावधान में कामना पूर्ण करने वाला शारदा दुलर्भ अखंड यज्ञ का आयोजन दादी सती मन्दिर, ग्राम दुजाना में 15 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक होने जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को गायत्री तीर्थ यात्रा सुबह 8 बजे से 10 बजे तक रहेगी। 15 से 24 तक शारदा दुर्लभ अखंड यज्ञ अनवरत चलेगा। कायक्रम में स्वामी चितेश्वरानन्द, स्वामी कर्मवीर, डॉ. सुरेन्द्र कुमार लेखक विशुद्ध मनुस्मृति डॉ. अन्नपूर्णा, कुमारी अन्जली आर्य, देव मुनीजी, राकेश कुमार, जैनेन्द्र आचार्य, करण सिंह आचार्य, महावीर शास्त्री, चन्द देव आचार्य एवं सोमवीर शास्त्री की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में यज्ञ की उपाधियों से विभूषित किया जाएगा ब्रह्मा- स्वामी मोहन देव, प्रणेता विश्वामित्र महेन्द्र सिंह आर्य, कर्म योगी कृष्णा- मुकेश आर्य एडवोकेट दुजाना, राम रक्षक- माजीराम मास्टर कार्यक्रम के अध्यक्ष- रामेश्वर सरपंच चाणक्य रहेंगे। कार्यक्रम के ध्वजा रोहण ओम पाल मास्टर, स्वागत अध्यक्ष विजय नागर व कार्यक्रम पुरोहित पंडित रविन्द्र आर्य रहेगे।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01,सैक्टर-नॉलेज पार्क-4,ग्रेटर नोएडा सिटी-201310
जिला-गौमतबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-घरबरा की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-जी.एच.आर.012370, भूखण्ड संख्या-16, पाकेट-बी, क्षेत्रफल-60 वर्ग मीटर को आवंटित श्री राजे पुत्र श्री सुरजन, निवासी-ग्राम-घरबरा, जिला-गौतमबुद्ध नगर, उ0प्र0 को आवंटित किया गया था। आवंटी श्री राजे पुत्र श्री सुरजन की मृत्यु के उपरान्त इनके वसियती श्री सीता राम पुत्र श्री बनवारी लाल, निवासी-आर0जेड0एफ0-53, गली नं0-2, डाबरी द्वारका, सीतापुरी पार्ट-2, दिल्ली-110045 द्वारा अपने पक्ष में नामांतरण करने हेतु रजि0 वसीयत के आधार पर नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। उक्त प्रस्तुत वसीयत की बही संख्या-3, जिल्द संख्या-470, पृष्ठ संख्या-95 से 114 पर कमांक 805 दिनांक 01.11.2018 को उप निबन्धक, सदर, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के कार्यालय में पंजीकृत किया गया है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में पर श्री सीता राम पुत्र श्री बनवारी लाल, निवासी-आर0जेड0एफ0-53, गली नं0-2, डाबरी द्वारका, सीतापुरी पार्ट-2, दिल्ली-110045 का नाम आवंटी के रूप दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्लॉट नं0-01, सैक्टर-के0पी0-04, ग्रेटर नोएडा सिटी
जिला-गौतमबुद्ध नगर
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Judges Cultural & Welfare Organization Plot No.07, P-7, Sector-Builder's Area, Greater Noida के माध्यम से आवंटित भूखण्ड संख्या-A-103, क्षेत्रफल-292.7925 वर्ग मीटर Mrs. Suman Lal W/o Late Shri B.M. Lal के पक्ष में आवंटित/पंजीकृत है। आवंटी Mrs. Suman Lal की मृत्यु दिनांक-25.09.2019 को हो जाने के उपरान्त उनके स्थान पर उनके पुत्र Mr. Anand Mohan Lal S/o Late Shri B.M. Lal ने उक्त भवन को अपने पक्ष में नामांतरण कराने हेतु आवेदन किया है। इस म्यूटेशन के संबंध में किसी कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराना सूनिश्चित करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में आवंटी Mrs. Suman Lal के स्थान पर उनके पुत्र Mr. Anand Mohan Lal S/o Late Shri B.M. Lal के नाम पर दर्ज कर दिया जायेगा।

महाप्रबन्धक (ग्रुप हाउसिंग)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01,सैक्टर-नॅलेज पार्क-4,ग्रेटर नोएडा सिटी-201310
जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सार्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-हजरतपुर की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-जे.ए.टी.012639, भूखण्ड संख्या-25, क्षेत्रफल-90 वर्ग मीटर को आवंटित श्री ब्रहम सिंह पुत्र श्री नत्थू सिंह, निवासी-ग्राम-जैतपुर वैशपुर, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 को आवंटित किया गया था। आंवटी श्री ब्रहम सिंह पुत्र श्री नत्थू सिंह की मृत्यु के उपरान्त इनके वसियती श्रीमती बीना देवी पत्नी श्री प्रदीप कुमार, निवासी-मकान नं0-311, ककरौला हाउसिंग कम्पलैक्स, द्वारका, दिल्ली-110078 द्वारा अपने पक्ष में नामांतरण करने हेतु रजि0 वसीयत के आधार पर नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। उक्त प्रस्तुत वसीयत की बही संख्या-3, जिल्द संख्या-423, पृष्ठ संख्या-107 से 124 पर कमांक 634 दिनांक 07.10.2017 को उप निंबन्धक, सदर, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के कार्यालय में पंजीकृत किया गया है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का काष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में पर श्रीमती बीना देवी पत्नी श्री प्रदीप कुमार, निवासी-मकान नं0-311, ककरौला हाउसिंग कम्पलैक्स, द्वारका, दिल्ली-110078 का नाम आवंटी के रूप दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, शुक्रवार 13 अक्टूबर 2023

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

आशा पारेख का जायज सवाल

वैसे तो कोई अपनी कमाई से कितना अपने पास रखता है और कितना लोगों के बीच बांट देता है, यह पूरी तरह से उसका निजी निर्णय होता है, लेकिन जब कोई ऐसे विशिष्ट उपक्रम करता है जिसका लक्ष्य किसी व्यक्ति या समुदाय विशेष की स्थिति की ओर लोगों का ध्यान आकृष्ट करना हो तो इस तरह की उम्मीद करना नाहक नहीं कहलायेगा, कि इससे हुई कमाई का थोड़ा-बहुत हिस्सा उन लोगों तक पहुंचे, जिसे या जिन्हें केन्द्र में रखकर वह काम किया गया हो और उससे बड़ी आय या आर्थिक लाभ काम करने वाले को मिला हो।

इस बात का सन्दर्भ पिछले वर्ष विवेक अग्निहोत्री द्वारा कश्मीरी पंडितों के पलायन एवं उनकी तकलीफों पर बनाई गई फिल्म 'दी कश्मीर फाइल्स' से जुड़ता है। बुधवार को बीते दिनों की सिने स्टार आशा पारेख द्वारा एक न्यूज़ चैनल के कार्यक्रम में दिये उस बयान से जुड़ता है, जिसमें उन्होंने पूछा कि 'इस फिल्म से अग्निहोत्री ने इतने पैसे कमा लिये पर उन्होंने कश्मीरी हिन्दुओं पर कितनी राशि खर्च की?' इस फिल्म के बारे में कहा जाता है कि उसकी लागत 15-20 करोड़ रुपये मात्र थी जबकि उसने 400 करोड़ रुपए का लाभ कमाया। दो फिल्मफेयर, पद्मश्री एवं दादासाहेब फालके पुरस्कारों से सम्मानित 81 वर्षीया अदाकारा ने कहा कि उन्होंने फिल्म नहीं देखी है इसलिये वे उसके विवादास्पद पहलुओं पर कुछ नहीं कहेंगी। यह पूछने पर कि क्या ऐसी फिल्में बननी चाहिये, उन्होंने कहा कि अगर लोग देखना चाहते हैं तो बनती रहें। निर्माताओं का हिस्सा 200 करोड़ रुपये का अनुमान लगाते हुए उन्होंने सवाल किया कि जम्मू-कश्मीर में हिन्दू बगैर बिजली-पानी के रह रहे हैं पर क्या निर्देशक ने अपने लाभ से कुछ उनकी मदद की?

यह फिल्म उसी समय विवाद में आ गई थी, जब माना गया था कि इसके निर्माण का उद्देश्य कश्मीरी पंडितों के खिलाफ आतंकवादियों का उत्पीड़न दिखलाते हुए हिन्दुओं की भावनाओं को भड़काना है जिससे भारतीय जनता पार्टी के साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का एजेंडा सधता हो। इसमें फिल्म को आंशिक सफलता भी मिली थी लेकिन लोगों को यह खेल समझ में आ चुका है क्योंकि इस फिल्म का स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रचार करते नज़र आये थे। उन्होंने इस फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग कराई और मंत्रियों व पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर इसे देखा था। इतना ही नहीं, उन्होंने लोगों से इसे देखने की अपील भी की थी। इसके बाद आई 'दी केरला स्टोरी' का भी राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास भाजपा ने कर्नाटक के विधानसभा चुनाव के पहले किया था। छोटे पर्दे के सीरियलों से अपना निर्देशकीय कैरियर बनाने वाले अग्निहोत्री को हिन्दूवादी राजनैतिक सोच वाला व्यक्ति माना जाता है जिनकी फिल्मों का उद्देश्य अब भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिये फिल्में बनाकर जन समर्थन हासिल जुटाना रह गया है। इस फिल्म को 'नरगिस दत्त राष्ट्रीय एकता पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया था। यानी माना गया कि इस फिल्म से भारत की एकता मजबूत होती है। वास्तविकता तो यह है कि इसका उद्देश्य लोगों को जोड़ना नहीं वरन बांटना है। अग्निहोत्री की हाल ही में आई एक और मूवी 'दी वैक्सीन वॉर' कोरोना के दौरान भारत की कोविड निरोधी टीके बनने की कहानी है जिसमें यह बतलाने की कोशिश है कि देश आज जो खुली सांसें ले रहा है वह इन्हीं वैक्सीनों के कारण है और फिल्म में अप्रत्यक्ष रूप से इसका पूरा श्रेय नरेन्द्र मोदी की कार्यप्रणाली व दृष्टिकोण को दिया गया है।

अग्निहोत्री किस तरह से इन भावनाओं के दोहन द्वारा आर्थिक लाभ कमाते हैं, उसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके बारे में एक अखबार ने प्रकाशित किया था कि 'दी कश्मीर फाइल्स' के माध्यम से विवेक एवं निर्माता के रूप में उनकी अभिनेत्री पत्नी पल्लवी जोशी ने मुंबई के वर्सोवा में करीब 20 करोड़ रुपये का एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है। कुछ समय बाद उनके अपनी पत्नी के साथ बैंकॉक की खर्चीली यात्रा की तस्वीरों ने भी सनसनी फैलाई थी। लोगों ने तंज कसा था कि देश में हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा लगाकर ये लोग विदेश में मौज-मस्ती कर रहे हैं। पल्लवी ने ही फिल्म 'दी कश्मीर फाइल्स' में नायिका की भूमिका निभाई थी। महंगे घर खरीदने या विदेशों की सैर करने पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है और न होनी चाहिये। ऐसा वे सारे करते हैं जो इस तरह से पैसे कमाते हैं, लेकिन आशा पारेख का सवाल अपनी जगह पर खड़ा है और इसलिये जायज है कि वे ऐसी फिल्में बनाने वाले की मंशा और प्रयोजन पर सवालिया निशान लगाती हैं। इस फिल्म को देखकर लोगों का कश्मीरी आतंकवादियों के बहाने मुस्लिमों के खिलाफ रोष बढ़ा था जो भाजपा के वोट बैंक को बढ़ाता है।

आशा पारेख अत्यंत सम्मानित अभिनेत्री रही हैं जिनका बहुत सफल फिल्मी कैरियर रहा है और वे विवादों से हमेशा परे रही हैं। वे निर्विवाद रूप से हर मायने में एक सफल अदाकारा रही हैं जिन्हें जीवन में सब कुछ मिल चुका है जिन्हें कुछ और पाना नहीं बचता। इसलिये उन पर यह आरोप नहीं लग सकता कि उन्होंने कुछ पाने के लिये ऐसा बयान दिया है या यह कोई उनका पब्लिसिटी स्टंट है। उन्हें अब अपना कोई प्रचार नहीं करना है क्योंकि शोहरत की बुलन्दियों को वे काफी पहले छूकर उतर चुकी हैं। इसलिये विवेक अग्निहोत्री को उनकी बात का जवाब देना चाहिये। इस देश ने डेन्नी बॉयल को भी देखा है जिन्होंने मुंबई की झोपड़पट्टियों में रहने वालों के जीवन पर बनी अपनी मूवी 'स्लमडॉग मिलेनियर' को मिले आस्कर पुरस्कार की राशि का एक हिस्सा बाल कलाकारों को दिया था।

विधानसभा चुनावों के बीच 'एक देश एक चुनाव' का शोर

देश के पांच राज्यों में चुनाव निर्धारित हो चुके हैं। तारीख़ें भी घोषित हो चुकी हैं। अब फर्ज़ कीजिये कि इन राज्यों के मतदाताओं को यदि देश के लिए भी मतदान (अगर कुछ राज्य में होते भी हैं) करना पड़े तो क्या यह उन पर किसी तरह का अतिरिक्त बोझ होगा या यह बिल्कुल सहज होगा? देश, प्रदेश और फिर स्थानीय मुद्दे क्या गड्डमड्ड नहीं होंगे? या यह ठीक होगा कि देश के मुद्दों को ध्यान में रखते हुए मतदाता अपने विधायक और पार्षद को भी चुन लें या फिर स्थानीय मुद्दों के हिसाब से देश के लिए अपने सांसद चुन लें? तीन तरह के प्रत्याशी एक साथ उनके दरवाज़ों पर आएंगे। यूं सभी आते भी कहां हैं फिर भी क्या यह हालात कोई दुविधा पैदा नहीं करेंगे? गर दलों की संख्या दो से ज़्यादा हुई तब तो निर्दलियों के साथ मतदाताओं का चकरघिन्नी होना तय है। हाल ही में राजस्थान चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने जो अपने फैसले पर दोबारा विचार न किया होता तो उसका चकरघिन्नी होना तय ही था। तारीख़ बदलने का पूरे राजस्थान में स्वागत हो रहा है। पहले आयोग ने राजस्थान में चुनाव की तारीख़ 23 नवंबर घोषित की थी। यह तिथि बदलनी पड़ी क्योंकि उस दिन देवउठनी एकादशी है। राज्य भर में हज़ारों शादियां इस दिन होती हैं। इसे 'अबूझ सावा' माना जाता है यानि ब्याह शादी के लिए सबसे शुभ मुहूर्त है जिसमें पंडित से पूछने की भी कोई ज़रूरत नहीं। ब्याव और चुनाव के इस टकराव में ब्याव जीते। अब विधानसभा चुनाव की नई तारीख़ 25 नवंबर है।

कहने का आशय यह है कि जब मतदाता की सहजता और सुविधा को यहां तवज्जो दी जा रही है तो फिर उसे एक साथ तीन-तीन चुनावों की दुविधा में क्यों डाला जा रहा है। 'एक देश एक चुनाव' का यही तो मकसद है कि लोकसभा, विधानसभा और नगर निकायों के चुनाव एक साथ करा लिए जाएं, संविधान में चार-पांच संशोधन कर दिए जाएं, कुछ विधानसभाएं भंग कर दी जाएं, कुछ के समय से पहले ही चुनाव करा लिए जाएं। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 'एक देश एक चुनाव' के लिए गठित समिति में आठ सदस्य हैं और समिति ने कह दिया है कि राज्यों से पूछने की कोई आवश्यकता नहीं है और इसे प्रस्तावित परिसीमन के बाद 2029 में लागू किया जा सकता है। कहा जा सकता है कि परिसीमन के बाद नई सीटें बनाकर महिला आरक्षण को और फिर देश को एक चुनावी मोड में डाला जा सकता है। 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' का तो तहेदिल से स्वागत हुआ लेकिन क्या जनता एक ही बार में चुनाव के लिए तैयार है?

वोटर हर चुनाव में अलग तरीके से सोचता है। देश, प्रदेश और नगर निकायों में प्राथमिकताएं अलग होती हैं। मुद्दे भी अल्हदा होते हैं। नगर निकाय के ज़रिये वह मोहल्ले में अच्छे पार्क और साफ़-सफाई की अपेक्षा करता है तो प्रदेश में उसे बिजली, सड़क, पानी, अच्छे स्कूल और उम्दा स्वास्थ्य केंद्रों की अपेक्षा होती है। देश में शायद उसे आंतरिक सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता का मुद्दा प्रभावित करता हो। जब सबकी भूमिकाएं अलग-अलग हैं तब सब एक साथ क्यों? एक ही समय में मतदाता पर इतना बोझ लादने की क्या ज़रूरत है? उसे कंफ्यूज क्यों करना है? ये कैसे ठीक होगा कि एक ही दिन में वह तीन अलग-अलग ठप्पे लगा आए और जो ऐसा नहीं होगा तो फिर सारी कवायद का क्या फायदा? खर्च बचाने का तर्क फिर कैसे काम करेगा?

वर्षा भम्भाणी मिर्ज़ा

> वोटर हर चुनाव में अलग तरीके से सोचता है। देश, प्रदेश और नगर निकायों में प्राथमिकताएं अलग होती हैं। मुद्दे भी अल्हदा होते हैं। नगर निकाय के ज़रिये वह मोहल्ले में अच्छे पार्क और साफ़-सफाई की अपेक्षा करता है तो प्रदेश में उसे बिजली, सड़क, पानी, अच्छे स्कूल और उम्दा स्वास्थ्य केंद्रों की अपेक्षा होती है। देश में शायद उसे आंतरिक सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता का मुद्दा प्रभावित करता हो।

इसमें जनता का फायदा तो उतना नहीं है लेकिन नेताओं का बेशक है जिन्हें बार-बार चुनावों में दौरे करने पड़ते हैं। अगली बार वे चाहते हैं कि एक ही बार निकलें और सारे काम हो जाएं। ठीक वैसे ही जैसे फसल अच्छी होने पर अक्षय तृतीया का मुहूर्त देखकर किसान अपने सारे बच्चों की शादी एक साथ कर देता है; फिर चाहे बच्चों की उम्र शादी लायक हो या न हुई हो। एक ही बार बिरादरी को भोजन कराना पड़ेगा, बच्चों की उम्र, मर्ज़ी आदि कोई मायने नहीं रखती। केंद्र की सरकार भी यही करने जा रही है। कोविंद की अध्यक्षता में 'एक देश एक चुनाव' के लिए आठ सदस्यीय समिति का गठन कर दिया गया है। समिति में गृहमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता गुलाम नबी आज़ाद, वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह तथा वकील हरीश साल्वे शामिल हैं। चौधरी एक महीने पहले ही इसमें शामिल होने से इंकार कर चुके हैं। उनका कहना था कि समिति का निर्णय मंथन से पहले ही तय कर दिया गया है इसलिए इसका कोई औचित्य नहीं रह गया है। गौरतलब है कि लॉ कमीशन ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा और विधानसभा के एक साथ चुनाव को लेकर सौंपी थी लेकिन समिति ने निकाय चुनावों को भी शामिल कर लिया है।

सबसे पहले 1983 में चुनाव आयोग ने 'एक देश एक चुनाव' पर अपनी औपचारिक रिपोर्ट दी थी। आयोग का कहना था कि लोकसभा और राज्यों के चुनाव एक साथ कराने से खर्च की बचत होगी और देश बार-बार चुनाव कराने के भार से भी मुक्त होगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी इस विचार के मुखर समर्थक थे। उन्होंने 1999 में चुनकर आने के बाद 'एक देश एक चुनाव' के विचार को दोहराया। फिर 2017 में नीति आयोग ने चुनाव से जुड़े टाइम टेबल को व्यवहारिक जामा पहनाया। बाद में लॉ कमीशन ने भी इस पर अपना मसौदा पेश किया। जनवरी, 2018 में जब कोविंद राष्ट्रपति थे तब उन्होंने अपने भाषण में 'एक देश एक चुनाव' का ज़िक्र भाजपा सरकार के बड़े सुधार के रूप में किया था और अब वे ही इस समिति के अध्यक्ष भी हैं। सरकार इसे लागू करने के लिए लगभग तैयार भी मालूम हो रही है। वैसे कहा जाता है कि औसतन हर तीन महीने में देश में कहीं न कहीं चुनाव होते हैं। ऐसा तब भी होगा जब कोई सरकार अल्पमत में आएगी, किसी सदस्य का देहांत होगा या किसी सरकार को केंद्र ही बर्खास्त न कर दे। 1967 तक देश में एक साथ ही चुनाव होते थे। फिर केरल की सरकार को बर्खास्त किये जाने के बाद यह सिलसिला टूटा और उसके बाद तो देश ने कई भंग सरकारें, मध्यावधि चुनाव और उपचुनाव देखे। यदि केंद्र के पास राज्यों की चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त करने की शक्ति (अनुच्छेद 356) बनी रहेगी तब 'एक देश एक चुनाव' के कोई मायने नहीं है।

फ़िलहाल सरकार को राज्यों की सहमति भी अब ज़रूरी नहीं मालूम हो रही। ऊपर से लिए गए फैसले के साथ यह व्यवस्था राज्यों की स्वतंत्रता को कितना बरक़रार रख पाएगी और भविष्य में यह किस रूप में सामने होगी, इस पर गहन विचार के बाद ही इसे लागू किया जाना चाहिए। राज्यों, शहरों और गांवों की अपनी आज़ादी ही देश के मज़बूत लोकतंत्र की बुनियाद है जिसका हनन नहीं होना चाहिए। अभी पांच राज्यों में चुनाव होने हैं और भारतीय जनता पार्टी का सशक्त चेहरा कोई है तो देश के प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी हैं। राज्यों के चुनाव में भी पार्टी ने उन्हें ही आगे रखा है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ऋषिकेश में शांति तलाश रहे थे, राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया को ड्राइविंग सीट से हटाकर पिछली सीट पर डाल दिया गया है और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन कुमार कुछ-कुछ लौटे हैं और कुछ शांत बने हुए हैं। वोट प्रधानमंत्री के चेहरे पर ही मांगे जा रहे हैं। चुनाव अलग-अलग भी हों अगर जो चेहरा एक ही शख्सियत का रहना है तो फिर एक देश एक चुनाव की भी क्या ज़रूरत है? ख़ैर, यह मज़ाक की बात नहीं है। इसे लागू करने से पहले इस पहलू पर गहरा विचार होना चाहिए कि एक चुनाव देश की संघीय व्यवस्था को कितनी मज़बूती देगा।

एक व्यक्ति और एक मुद्दे की लहर किसी भी बड़ी पार्टी को बेलगाम ताकत दे सकती है। क्षेत्रीय पार्टियों और निर्दलियों का सूपड़ा साफ़ होने की आशंका हमेशा रहेगी। पब्लिक पॉलिसी से जुड़े मुद्दों के एक अध्ययन के मुताबिक देखा गया है कि अगर लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते हैं तो 77 फ़ीसदी मतदाता दोनों जगह एक ही पार्टी को मत देते हैं और जो दोनों चुनावों में छह महीने का अंतर है तो एक ही पार्टी को वोट देने की सम्भावना 77 की बजाय 61 प्रतिशत रह जाती है। ज़ाहिर है कि इस सोच की गंगा में कौन सा दल डुबकी नहीं लगाना चाहेगा?

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं)

हमास-इजरायल युद्ध और भारतीय विदेश नीति की बारीकियां

■ अंजन रॉय

यह अप्रत्याशित नहीं है कि इज़रायल-हमास युद्ध ने भारत में दो मुख्य राजनीतिक दलों के बीच शब्दों और विचारों की लड़ाई शुरू कर दी है।

हमास के हमले को आतंकवादी कृत्य बताने और इजरायल को पूरा समर्थन देने के प्रधानमंत्री के बयान पर कांग्रेस की आलोचनाएं आमने-सामने आ गईं। अपने बयानों में, भारत की सबसे पुरानी पार्टी ने मध्य पूर्व संकट पर पारंपरिक भारतीय रुख को याद किया है और परोक्ष रूप से सरकार के दृष्टिकोण की आलोचना की है।

प्रधानमंत्री मोदी के बयान और कांग्रेस की आलोचनाओं को वास्तव में इज़रायल राज्य के निर्माण और अरब-इजरायल संघर्ष के बाद के इतिहास को समझे बिना भारतीय विदेश नीति की बारीकियों को समझा नहीं जा सकता।

प्रथम विश्व युद्ध के बाद 1920 के दशक में ब्रिटिश प्रधानमंत्री आर्थरजेम्सबालफोर द्वारा जारी एक प्रस्ताव द्वारा इज़रायल राज्य के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई थी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, यूरोप में यहूदियों के नरसंहार और यातना और हत्याओं के अनुभव के साथ, यहूदियों के लिए एक नया गृह राज्य बनाने के लिए यरूशलेम के चारों ओर भूमि के एक टुकड़े को यहूदियों का राज्य बनाने का निर्णय किया गया।

द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन द्वारा इज़रायल के पहले प्रधानमंत्री बेनगुरियन के साथ एक समझौते के साथ फिलिस्तीन के आसपास की भूमि पर 1948 में नया राज्य बनाया गया था। तब से, मुस्लिम मध्य पूर्व को लगा कि यह उस भूमि के स्थानीय लोगों को उखाड़कर बनाया गया राज्य है और उन्होंने इसे मिटा देने की प्रतिज्ञा की।

> यहूदियों पर अत्याचार और यहूदियों से जुड़ा कलंक यूरोपीय इतिहास में एक सतत प्रवृत्ति थी। यहूदी विरोध सर्वव्यापी था और यूरोप में ईसाइयों द्वारा यहूदियों से सचमुच नफरत की जाती थी। यहूदियों पर अत्याचार किया गया और अकसर उन्हें जिंदा जला देने की घटनाएं होती थीं।

दरअसल, यह एक हजार साल पुराना युद्ध और संघर्ष है। एक हजार साल पहले जब इजराइलिया यहूदी पूरी दुनिया में, खासकर यूरोप में फैल गये थे, तब इजराइलियों को मिस्र और फिलिस्तीनी भूमि से बाहर निकाल दिया गया था।

हालांकि, यहूदियों पर अत्याचार और यहूदियों से जुड़ा कलंक यूरोपीय इतिहास में एक सतत प्रवृत्ति थी। यहूदी विरोध सर्वव्यापी था और यूरोप में ईसाइयों द्वारा यहूदियों से सचमुच नफरत की जाती थी। यहूदियों पर अत्याचार किया गया और अकसर उन्हें जिंदा जला देने की घटनाएं होती थीं।

यहां तक कि प्रबुद्ध उदारवादी यूरोपीय बुद्धिजीवी भी तीव्र यहूदी-विरोध से ऊपर नहीं थे, सबसे जोरदार और अक्सर देखा जाने वाला शेक्सपियर का प्रसिद्ध नाटक, मर्चेंट ऑफ वेनिस है। नाटक में, शाइलॉक यहूदी व्यापारी एक ऋण चूककर्ता से एक पाउंड मांस मांगता है।

मानो अपराध की भावना से, यूरोपीय लोगों को लगा कि यह नया राज्य उनके सहस्राब्दी पापों से मुक्ति का अवसर प्रदान करता है। शायद, यह विभिन्न यूरोपीय देशों में अशकेनाज़ी यहूदियों से एक अच्छा छुटकारा भी था। यूरोपीय लोग ऐसे समाधान के लिए बाध्य हो सकते थे क्योंकि वे उस समय शक्तिशाली थे।

हालांकि, मध्य पूर्व के देश यह स्वीकार नहीं कर सके कि यूरोपीय समाधान और समस्याएं नये राज्य की स्थापना के साथ ही शुरू हो गईं। युद्ध और टकराव इस क्षेत्र में स्थानिक हो गये। आज भी, ईरानी यहूदी राज्य के सबसे कट्टर और खुलेआम विरोधी हैं तथा यहूदी राज्य को नष्ट करने के समर्थक हैं। हालांकि, अन्य अधिक यथार्थवादी मध्य पूर्व के देशों ने इज़रायल की वास्तविकता को स्वीकार कर लिया है।

चारों ओर अस्वीकृति और शत्रुता की प्रक्रिया में, इज़रायल के यहूदियों ने बहुत तेजी से जीवित रहने की तकनीकें सीख लीं। हमास के इज़रायल पर वर्तमान हमले के पहले, इजरायल ने दुर्जेय सैन्य क्षमता के साथ-साथ एक अत्यधिक परिष्कृत खुफिया नेटवर्क भी विकसित किया था, उसे हमास ने काफी हद तक नष्ट कर दिया।

प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू के नेतृत्व में तैयार की गई स्वतंत्र भारत की विदेश नीति ने वंचितों और उन देशों के हित की वकालत की थी जो औपनिवेशिक प्रभुत्व के अधीन थे। अंग्रेजों से आजादी हासिल करने के बाद यह एक सामान्य प्रतिक्रिया थी।

भारत ने नये राज्य की स्थापना के दो साल के भीतर 17 सितंबर, 1950 को इज़रायल को मान्यता दे दी। पंडित जवाहरलाल नेहरू, जो उस समय प्रधानमंत्री थे, ने कहा कि भारत को इज़रायल को पहले ही मान्यता दे देनी चाहिए थी लेकिन इसमें देरी हुई।

फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन (पीएलओ) का भारतीय नेताओं के साथ सहज सौहार्द्र था, जिसमें इंदिरा गांधी भी शामिल थीं, जिन्होंने तेजतर्रार और प्रसिद्ध पीएलओ नेता यासर अराफात की मेजबानी की थी। बहुत बाद में, जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने भी फिलिस्तीनियों के प्रति अपनी सहानुभूति दिखाई।

2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद ही इज़रायल के साथ भारत के संबंध तेजी से विकसित हुए। घनिष्ठ सुरक्षा और रक्षा संबंधों के साथ संबंध विकसित हुए। इज़राइल, सैन्य हार्डवेयर उत्पादन में अपनी चतुराई के साथ, भारत के लिए रणनीतिक हथियार प्रणालियों और प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया।

भारत को पड़ोस से लगातार आतंकवादी खतरे और चीन से सैन्य खतरों के आलोक में इज़रायल देश के हार्डवेयर और खुफिया प्रणालियों का एक प्रमुख स्रोत बन गया था। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कट्टर हितों ने बाहरी नीति रुख के पुन:अभिविन्यास को बढ़ावा दिया है।

हमास हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी के बयान, जिसमें हमास के भयानक आतंकवादी हमले के बाद इज़रायल के प्रति समर्थन और सहानुभूति व्यक्त किया गया था, में ऐसी आतंकवादी कार्रवाई के मामले में भारत की चिंता छिपी है। मुंबई में हुआ आतंकवादी हमला, जिसे अब 26/11 के नाम से जाना जाता है, और 2001 में संसद पर हमला भी, इस बात की याद दिलाते हैं कि भारत के साथ पहले क्या हुआ था। खुले समाज में आतंकी हमले का यह एकमात्र उदाहरण नहीं था।

पहले के दौर में खालिस्तानी आतंकवादियों के जघन्य अपराध और इसके खिलाफ बदले की भावना से होने वाली हत्याओं का अचानक भड़कना भी इस बात को रेखांकित करता है कि आतंकवाद एक स्थिर समाज और राजनीति के लिए क्या नुकसान कर सकता है। पश्चिमी सहानुभूति के चारों ओर दोहरापन है- घर पर आतंकवादी हमला अत्यधिक निंदनीय है और लोकतंत्र और उदारवाद के नाम पर प्रायश्चित किया जाता है। जब 2023 के आखिरी नौ महीनों में गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों की हत्याएं हुईं तो पश्चिमी देशों ने इजरायल के खिलाफ कुछ नहीं कहा।

यदि संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक शक्तियां प्रभावी ढंग से हस्तक्षेप नहीं करती हैं तो हमास-इजरायल युद्ध के पवित्र युद्ध में बदलने की पूरी संभावना है। भारत के लिए भी आतंकवाद के विरुद्ध सतत सतर्कता अनिवार्य हो गई है।

पावन प्रसंग

सबके लिए खुला है सुख का द्वार : भगवान महावीर

बाल्यावस्था में ही भगवान महावीर में वैराग्य की भावना प्रबल होने लगी थी और उनका मन साधना में लीन होना चाहता था। इसीलिए उनका अधिकांश समय चिंतन और मनन में ही व्यतीत होता था। कुमार अवस्था को पार कर युवावस्था में प्रवेश करने पर भी उनका मन सांसारिक सुखों की ओर आकृष्ट नहीं हुआ। संसार के प्राणियों को दुखी देखकर उनका मन व्याकुल रहता था और वे संसार के दुखों के कारणों को दूर करने का उपाय खोजने के प्रयत्नों में लगे रहते थे। इसी उद्देश्य से उन्होंने गृह त्याग कर साधु जीवन व्यतीत करने का निश्चय कर लिया। उनको राजसी सुखों का, माता-पिता का मोह भी उनको उनके मार्ग से विचलित न कर सके।

मात्र तीस वर्ष की आयु में वे गृह त्याग कर, साधु जीवन व्यतीत करने लगे। वे इसी चिंता में लगे रहते कि संसार के दुखों का कारण क्या है? वे दुखी क्यों हैं? शाश्वत सुख कैसे प्राप्त किया जा सकता है। वे 12 वर्षों तक घोर तपस्या करते रहे। अंतत: बयालीस वर्ष की अवस्था में उन्हें संपूर्ण ज्ञान प्राप्त हुआ। उन्हें अतीन्द्रिय, अनन्त आत्मिक व परम आनंद की प्राप्ति हुई। तत्पश्चात वे तीस वर्ष तक लोगों को उनके दुख का कारण, दुख से मुक्ति के उपाय व शाश्वत सुख, अनन्त सुख का मार्ग बताते रहे। पूर्ण ज्ञान प्राप्त होने पर भगवान महावीर ने कहा- मनुष्य के दुखों का मूल कारण अज्ञान भी है। अत: मनुष्यों को अज्ञान से मुक्त होने का उपाय करना चाहिए। चिंतन-मनन, तप-त्याग व निरंतर ध्यान करने का अभ्यास करते रहना चाहिए। पूर्ण ज्ञान प्राप्त होने पर ही जीव को पूर्ण शाश्वत सुख की प्राप्ति होती है। पूर्ण ज्ञान की अवस्था ही मुक्ति की अवस्था है।

मुक्ति की अवस्था में ही आत्मा अनंत काल तक अतीन्द्रिय आनंद की अमुभूति करती रहती है। यह मुक्ति का द्वार प्रत्येक जीव के लिए समान रूप से सभी के लिए खुला है। तप, ध्यान के अभ्यास से कोई भी जीव सच्चे सुख की प्राप्ति कर सकता है। जीव की आंतरिक पवित्रता, संयम, अहिंसा, तप आदि ही साधन हैं। महावीर जी का स्पष्ट मत था कि मनुष्य की उच्चता व निम्नता उसके कर्मों से होती है उनके जन्म व वंश से नहीं। सिर मुंड़ा लेने से कोई श्रमण (संन्यासी) नहीं बन जाता, केवल ओंकार का जप करने से कोई ब्राह्मण नहीं बन जाता, निर्जन वन में रहने मात्र से मुनि नहीं बन जाता और केवल वल्कल वस्त्र धारण कर लेने से कोई तपस्वी नहीं बन जाता। इसके विपरीत समता पालने से श्रमण (संन्यासी), ब्रह्मचर्य का पालन करने से ब्राह्मण, चिंतन-मनन, ज्ञान से मुनि तथा तपस्या करने से तपस्वी होता है।

भगवान महावीर ने कहा केवल मेरे कहने से ही इसे सत्य नहीं समझो कि मैंने इसे कहा है, बल्कि अपने स्वयं के चिंतन-मनन व अनुभव से सत्य को जानो, तभी सत्य को समझो अस्तु हममें से कोई जिन्हें पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने की सच्ची उत्कंठा है, दुखों से मुक्ति पाने की सच्ची लगन है, व अनंत सुख, शाश्वत सुख प्राप्त करने की अभिलाषा है, वे महावीर के अनुसार स्वयं तपस्या में प्रवत्त होकर ही इसे अनुभव कर सकते हैं। सबके लिए खुला है यह सुख का द्वार।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

सिसकती, कराहती मानवता, युद्ध और हिंसा की शिकार महिलाएं और बच्चे ही क्यों?

पूरा विश्व जहां महिला सशक्तिकरण और बच्चों को कुपोषित होने के लिए मुहिम चला रहा है वहीं दूसरी तरफ युद्ध और हिंसा मानवता के चिथड़े उड़ा रहा है। ताजा-ताजा हमास और इजरायली युद्ध में बच्चों और महिलाओं पर अत्याचार देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इसी तरह यूक्रेन-रूस युद्ध में सर्वाधिक नुकसान बच्चों और महिलाओं की मौत से ही हुआ है। युद्ध और हिंसा से चाहे पिता, भाई या पुत्र की मृत्यु हो परिणाम स्त्रियों को ही भुगतना पड़ता है। घरों के टूटने और नष्ट होने पर भी स्त्रियों बच्चों पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। स्त्रियां, बच्चे बेघर होकर अनाथ हो जाते हैं। हर तरफ त्राहिमाम मच जाता है। इजरायल हमास युद्ध में हजारों स्त्रियां और बच्चे मौत से साक्षात्कार कर रहे हैं, मानवता सिसक रही है, मौत का तांडव अपना परचम लहरा रहा है।

पूरे विश्व समेत देश के कोने-कोने से महिलाओं को अपमानित करने की घटनाएं रोज हो रही हैं क्या हमारे नैतिक मूल्य और आस्थाएं अब पूर्ण रूप से स्खलित हो चुकी है। नैतिक मूल्यों का क्षरण अचानक तेज होता जा रहा है। धन तथा पद और साम्राज्यवाद की लोलुपता ने सारी हदें पार कर दी हैं। समाज पुरुष प्रधान होने का यह मतलब कतई नहीं होना चाहिए कि स्त्री और बच्चे ही हर ज्यादती और अत्याचार के शिकार होते रहें।

प्राचीन काल से अब तक स्त्री ही पुरुष तथा समाज के दमन का केंद्र रही है। शिक्षा तथा आर्थिक स्थिति के विकास के बाद भी स्त्रियों की दयनीय स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है। देश की आबादी की 45फीसदी आबादी महिलाओं की है पर अभी तक स्त्रियों की स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन परिलक्षित नहीं हुआ है, यह एक चिंतनीय सामाजिक समस्या हमारे सामने ज्वलंत खड़ी है।

भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया, यूं कहें कि अलग-अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग-बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया है। वहीं सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन ही हुआ है और इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। पाश्चात्य सभ्यता के दुष्प्रभाव में सबसे गहरा दुष्प्रभाव यौन हिंसा के प्रचार प्रसार का है। पुरुष समाज की मानसिकता है की पुरुष होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक नैसर्गिक रूप से प्राप्त है जैसे कि अच्छी पत्नी और संतान में बेटों की प्राप्ति, कोई भी पुरुष अपनी आने वाली पीढ़ी में पुत्री नहीं चाहता है जबकि पुत्र पुत्री एक समान ही होते हैं बल्कि जो मायूस होकर पुत्री जन्म का दुख मनाते हैं उन्हें वर्तमान में पीएससी और यूपीएससी की रिजल्ट लिस्ट देखनी चाहिए इसमें बालिकाओं ने बहुत अच्छे अंकों से परीक्षा पास कर समाज में उनकी अहम भूमिका को सार्थक किया है।

संजीव ठाकुर

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

इजराइल ने लेबनान पर मशीनगन से गोले दागे

बेरुत। इजरायली सैन्य बलों ने बुधवार शाम को दक्षिणपूर्व लेबनान में मशीन गन से गोले दागे और बमबारी की। सूत्रों ने दावा किया कि इजरायली बलों ने हुला अक्ष से सीमा के दोनों किनारों पर फ्लेयर बम तैनात किए हैं। उन्होंने मशीनगन से खियाम शहर के हुला और मेस अल-जबल के गांवों को जोड़ने वाली सड़क को निशाना बनाया है। लेबनान स्थित सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह द्वारा इजरायल पर हमास के हमले के समर्थन में रविवार सुबह इजरायली सैन्य स्थलों की ओर कई मिसाइलें दागने के बाद लेबनानी-इजरायल सीमा तनाव व्याप्त हो गया।

नेतन्याहू ने अमेरिकी समर्थन के लिए ब्लिंकन को धन्यवाद दिया

■ कहा, हमास के बर्बर लोगों को कुचला जाना चाहिए ■ अमेरिकी समर्थन दिखाने इजराइल पहुंचे ब्लिंकन

जेरूसलम, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को इजरायल के तेल अवीव पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ एक संयुक्त बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि हमास के खिलाफ युद्ध में इजरायल के लिए समर्थन दिखाने के लिए वह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और अमेरिकी लोगों के आभारी हैं।

नेतन्याहू ने तेल अवीव में अपने संयुक्त वक्तव्य की शुरुआत में कहा, आज यहां आपकी महत्वपूर्ण यात्रा के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति बाइडेन को धन्यवाद, और हमास के बर्बर लोगों के खिलाफ हमारे युद्ध में इज़राइल के लिए आपके अविश्वसनीय समर्थन के लिए अमेरिकी लोगों को धन्यवाद। फिर वह उन्हें हिब्रू में धन्यवाद देते हैं और कहते हैं, मिस्टर सेक्रेटरी, आप एक आहत राष्ट्र, एक लड़ने वाले राष्ट्र, शेरों के राष्ट्र, एक ऐसे राष्ट्र में आए हैं जो हमारे चारों ओर बुरी ताकतों को हराने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

इजरायली-फिलिस्तीनी संघर्ष क्षेत्र में सहायता पहुंचाने के लिए तैयार है तुर्किए

अंकारा। तुर्किए की सेना इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष क्षेत्र में मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए तैयार है और राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के फैसले का इंतजार कर रही है। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

हमास का प्रत्येक सदस्य 'मरा हुआ व्यक्ति' है : नेतन्याहू

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हमास का प्रत्येक सदस्य 'एक मरा हुआ व्यक्ति' है। श्री नेतन्याहू ने ये बातें आपातकालीन सरकार की पहली बैठक के दौरान कही। इस बीच विपक्षी नेता बेनी गैंट्ज ने कहा कि यह युद्ध का समय है। उधर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नेतन्याहू से बात की। स्पष्ट कर दिया है कि इज़रायल को युद्ध के नियमों के अनुसार काम करना चाहिए।

'जब तक इजरायली बंदी मुक्त नहीं होते गाजा में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं होगी'

यरुशलम। इजरायल ने कहा है कि जब तक इजरायली अपहृतों की घर वापसी नहीं हो जाती है, तब तक बिजली का स्विच चालू नहीं किया जाएगा, ना पानी का पंप खोला जाएगा। इजरायल के ऊर्जा मंत्री इजरायल काट्ज ने गुरुवार को एक बयान में यह जानकारी दी। श्री काट्ज ने कहा है कि इजरायल ने हमास का नामोनिशान मिटाने का वादा किया है और गत शनिवार के हमले के जवाबी कार्रवाई के बाद गाजा पट्टी पर 'पूर्ण घेराबंदी' की गयी है। इज़राइली अधिकारियों ने कहा कि हमास के हमले में 1,300 से अधिक लोग मारे गए और लगभग 3,000 घायल हो गए। उधर फ़िलिस्तीनी अधिकारियों के मुताबिक एन्क्लेव पर इज़रायली के हवाई हमलों में 1,200 से अधिक लोग मारे गए।

सुडोकू 6345

6			1				2	
		4						
	5		6	2	4	7		
2		7		8				
3	4						5	8
				4		1		7
		8	4	5	1		7	
						5		
	6				2			9

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शुक्रवार 13 अक्टूबर, 2023 आश्विन कृष्ण पक्ष 14

राशिफल

मेष -आर्थिक और व्यावसायिक रूप से आज का दिन लाभदायक है। आर्थिक लाभ मिलेगा। लंबे समय के लिए निवेश कर सकेंगे। शरीर और मन से स्वस्थ रहेंगे। मित्रों और पारिवारिक सदस्यों के साथ खूब आनंद में दिन व्यतीत होगा।

वृषभ -विचारों की विशालता और वाणी का जादू दूसरों को प्रभावित और मंत्रमुग्ध करेंगे। लोगों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंध बने रहेंगे। बौद्धिक चर्चा या वाद-विवाद में सफलता मिलेगी। पठन एवं लेखन में अभिरुचि बढ़ेगी।

मिथुन -महत्वपूर्ण निर्णय लेने में आप दुविधा अनुभव करेंगे। माता और पत्नी के मामले में अधिक संवेदनशील बनेंगे। विचारों की भरमार से मानसिक थकान का अनुभव होगा। अनिद्रा के कारण शारीरिक अस्वस्थता रहेगी।

कर्क -काम की सफलता और नए काम के शुभारंभ के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। मित्रों तथा स्वजनों के साथ की मुलाकात से आप खुशहाल रहेंगे। लघु यात्रा का योग है। भाई- बंधुओं से मेलजोल बना रहेगा।

सिंह -दूर बसनेवाले स्नेहीजन तथा मित्रों के साथ के संदेश व्यवहार से आपको लाभ होगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। उत्तम भोजन की प्राप्ति होगी। अपनी बोली से किसी के मन को जीत सकते हैं। निर्धारित काम में सफलता मिलेगी।

कन्या -वैचारिक समृद्धि और वाणी की मोहकता से आपको लाभ होगा और आप सौहार्द्रपूर्ण संबंध विकसित कर अपना काम निकाल सकेंगे। व्यवसाय की दृष्टि से आज का दिन लाभदायक साबित होगा।

तुला -अपनी वाणी और व्यवहार को संयम में रखें। अन्य व्यक्तियों या परिजनों के साथ उग्र बोलाचाली होने की आशंका है। परोपकार का बदला उपकार से मिल सकता है। आय की अपेक्षा खर्च की मात्रा बढ़ेगी।

वृश्चिक -गृहस्थजीवन में आपको सुख और संतोष का अनुभव होगा। पत्नी तथा पुत्र से शुभ समाचार मिलेगा। मांगलिक काम होंगे। विवाह के संयोग बनेंगे। नौकरी-धंधे में अच्छे अवसर खड़े होने से आय में वृद्धि होगी।

धनु -आर्थिक और व्यापारिक आयोजन करने के लिए शुभ दिन है। कोई भी काम सफलतापूर्वक पूरा होगा। परोपकार की भावना आज बलवती रहेगी। आमोद-प्रमोद में आपका दिन गुजरेगा।

मकर -बौद्धिक कार्यों एवं व्यवसाय में आप नई शैली अपनाएंगे। साहित्य तथा लेखन की प्रवृत्ति को गति मिलेगी। शरीर में बेचैनी और थकान का अनुभव होगा। संतान की समस्या चिंता का कारण बनेगी। लंबी यात्रा की संभावना है।

कुंभ -अनैतिक और निषेधात्मक कार्यों तथा नकारात्मक विचारों से दूर रहें। अत्यधिक विचार और क्रोध आपकी मानसिक स्वस्थता में खलल पहुंचाएंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार में खटराग होने की संभावना रहेगी।

मीन -आपका आज का दिन सुख- शांति में गुजरेगा। व्यापारियों के लिए समय अच्छा है। दांपत्यजीवन में निकटता का अनुभव होगा। मित्रों, स्वजनों के साथ मुलाकात होगी। प्रेमीजनों का रोमांस अधिक गहरा होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

जेलेंस्की की पश्चिमी देशों से यूक्रेन को और अधिक सहायता देने की मांग

बूसेल्स, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की पश्चिमी देशों से सहायता जारी रखने का अनुरोध करने के लिए बूसेल्स पहुंचे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नाटो के रक्षा मंत्रियों के साथ एक बैठक में भाग लेने से पहले जेलेंस्की ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, हमने यूक्रेन के लिए प्राथमिकताओं के बारे में बात की है। नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग की मौजूदगी में उन्होंने कहा, हमें लीडर्स से कुछ समर्थन की जरूरत है। यही कारण है कि मैं आज यहां हूं। जेलेंस्की ने वायु रक्षा प्रणालियों को अपनी प्राथमिकताओं में से एक बताया। उन्होंने कहा, यह सिर्फ बुनियादी शब्द नहीं हैं। हमें ठोस चीजों की जरूरत है और हमें अपनी जमीन पर भौगोलिक रूप से उनकी जरूरत है। नाटो-यूक्रेन बैठक ने देश को शीतकालीन संघर्षों का सामना करने के लिए अधिक समर्थन प्राप्त किया। स्टोल्टेनबर्ग ने कहा कि गठबंधन यूक्रेन को एक और कठिन सर्दी से निपटने में मदद करने के लिए ठंड के मौसम में अधिक कपड़े, खनन क्षमता, ईंधन और चिकित्सा उपकरण प्रदान करेगा।

फिलिस्तीनी-इजराइली संघर्ष में दो-राज्य समाधान का समर्थन करता है रूस : पुतिन

मॉस्को, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि मॉस्को ने हमेशा फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष के लिए दो-राज्य समाधान का समर्थन किया है। रूसी ऊर्जा सप्ताह के पूर्ण सत्र में बोलते हुए, पुतिन ने कहा कि फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष पर रूस की स्थिति दशकों से एक समान रही है, और यह रुख इजराइल और फिलिस्तीन दोनों में अच्छी तरह से जाना जाता है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, हमने हमेशा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के फैसलों के कार्यान्वयन की वकालत की है, जिसमें एक स्वतंत्र और संप्रभु फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना शामिल है। उन्होंने मध्य पूर्व में वाशिंगटन की नीतियों की आलोचना की और कहा कि अमेरिका ने मौजूदा मूलभूत

राजनीतिक चुनौतियों का समाधान खोजने के बजाय वित्तीय सहायता पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। रूसी नेता ने कहा कि इस तरह के कदम केवल स्थिति को बढ़ाते हैं और समझौता करना जरूरी है। पुतिन ने कहा, यह स्पष्ट नहीं है कि निकट भविष्य में स्थिति को किसी तरह शांत करना संभव होगा या नहीं, लेकिन हमें इसके लिए प्रयास करना चाहिए क्योंकि संघर्ष क्षेत्र के विस्तार से गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

रूस के बेलगोरोड क्षेत्र में ड्रोन के मलबे से 2 की मौत

मॉस्को। दक्षिणी रूस के बेलगोरोड क्षेत्र में गुरुवार को वायु रक्षा बलों द्वारा एक ड्रोन को मार गिराए जाने से दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। क्षेत्रीय गवर्नर ने यह जानकारी दी। बेलगोरोड क्षेत्र के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने अपने सोशल मीडिया चैनल पर कहा, परिचालन सेवाओं द्वारा मलबे से दो लोगों के शव बरामद किए गए, एक पुरुष और एक महिला। उन्होंने कहा कि एक बच्चा अभी भी मलबे के नीचे फंसा हो सकता है।

बांग्लादेशी संसद की अध्यक्ष ने नारी शक्ति वंदन को सराहा

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। बंगलादेशी संसद की अध्यक्ष शिरीन शरमिन चौधरी ने भारत में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई सीटों पर आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम की सराहना करते हुए दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने के लिए एक साथ मिलकर कार्य करने के इच्छा व्यक्त की है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ एक बैठक में सुश्री चौधरी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को एक सराहनीय कदम बताया। सुश्री चौधरी यहां कल से शुरु हो रहे पी-20 संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत यात्रा पर हैं। उन्होंने गुरुवार को

लोकसभा व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई सीटों पर मिलेगा आरक्षण

सम्मेलन स्थल यशोभूमि में श्री बिरला से द्विपक्षीय मुलाकात की। बैठक के दौरान श्री बिरला ने जी-20 देशों सम्मेलन में 'नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन' का उल्लेख किया और कहा कि इससे इससे समकालीन वैश्विक मुद्दों के व्यावहारिक समाधान की राह खुलेगी। श्री बिरला ने कहा कि सुश्री चौधरी के विचारों और अनुभवों से पी - 20 की चर्चा अधिक सार्थक, समावेशी और प्रभावकारी होगी। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने के लिए साथ मिलकर कार्य करने के इच्छा व्यक्त की।

बैठक में दोनों नेताओं ने स्वीकार किया कि हाल के वर्षों में बंगलादेश और भारत के बीच सम्बन्ध और प्रगाढ़ हुए हैं। दोनों नेताओं ने कहा कि संसदों के बीच प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में और वृद्धि होनी चाहिए। दोनों नेताओं ने कहा कि दोनों देशों के बीच सड़क, रेल, वायु, अंतर्देशीय जलमार्ग और तटीय नौवहन क्षेत्रों में संपर्क लगातार बढ़ रहा है।

पाकिस्तान में नहर में गिरी जीप, सात की मौत

इस्लामाबाद, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में पूर्वी पंजाब प्रांत के मियांवली जिला में बाजा बजाने वालों को लेकर जा रही एक जीप गुरुवार को नगर में गिर गयी, जिसके कारण सात लोगों की मौत हो गयी। स्थानीय पुलिस ने बताया कि एक लोक गायक के नेतृत्व में संगीत प्रेमियों का एक समूह एक समारोह में प्रस्तुति देने के बाद घर लौट रहा था। इसी दौरान पका कंझेरा इलाके में उनकी जीप नगर में गिर गयी। पुलिस ने बताया कि इस घटना की जानकारी मिलने पर राहत एवं बचाव की टीमें मौके पर पहुंचीं, लेकिन जीप पर सवाल सभी लोग नगर में डूब चुके थे। पुलिस के मुताबिक पीड़ित नगर के किनारे से गुजर रहे थे। इसी दौरान चालक ने नियंत्रण खोर दिया और जीप नहर में जा गिरी।

वर्ग पहेली 6345

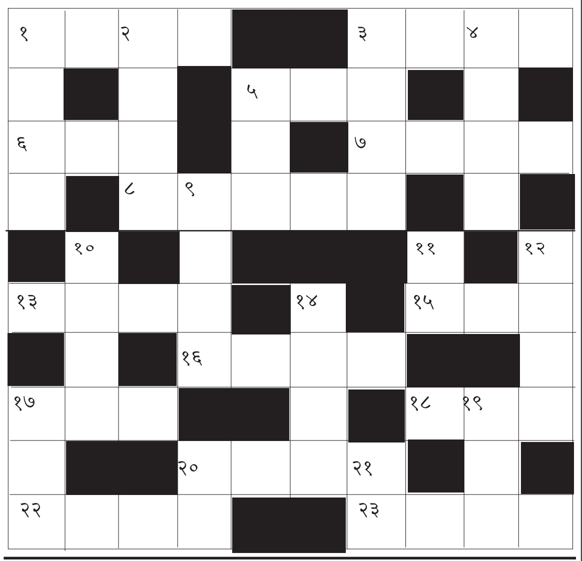

बायें से दायें:-

१. बिना रुके या ठहरे, शीघ्र
२. किसी राजनीतिक दल द्वारा प्रकाशित पत्र जिसमें उसके सिद्धांत आदि का प्रकाशन होता है
५. गले तक
६. लंबी उम्र वाला
७. रहस्यमय
८. गिरफ्तारी
१३. विवाह, शादी
१५. सुहागिन, सौभाग्यवती
१६. श्रेष्ठ वृक्ष
१७. आसान, स्वाभाविक
१८. दाम, मूल्य
२०. तलाश, ढूंढने-खोजने का काम (उर्दू)
२१. गतिरोध
२३. मन की हालत

ऊपर से नीचे:-

१. जो वाजिब या उचित न हो
२. राम का हथियार, धनुष
३. लड़ाई
४. पराजय, हार
५. टांग अड़ाना, हस्तक्षेप करना
९. कहानी, कहावत (उर्दू)
१०. असक्त, दुर्बल, कमजोर
११. जो तरल न हो
१२. शादीशुदा
१४. आत्मनिर्भर
१७. सुंदर ढंग का
१९. सहायता (उर्दू)
२०. दोष, ऐब
२१. आर्द्र

वर्ग पहेली-6344

१ अ	नु	२ दा	र	■	■	3 श	वा	४ स	न
मा	■	मो	■	५ सा	बि	त	■	मा	■
६ व	जू	द	■	ध	■	७ द	र्द	ना	क
स्या	■	८ र	९ क्ष	क	द	ल	■	र्थी	
■	१० अ	■	यं	■	■	■	११ प्रा	■	१२ इ
१३ वि	दा	र	क	■	१४ प	■	१५ ची	ख	ना
■	ल	■	१६ र	स	रा	ज	■	■	य
१७ अं	त	स	■	■	ज	■	१८ औ	१९ स	त
ब	■	■	२० हि	दा	य	२१ त	■	जी	■
२२ र	वा	य	त	■	■	२३ य	म	व	रा

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1976 – बोलीविया में बोइंग जेट विमान दुर्घटनाग्रस्त, करीब 100 मरे।
1987 – कोस्टारिका के राष्ट्रपति ऑस्कर आरियास को शांति का नोबेल पुरस्कार मिला।
1999 –कोलम्बिया विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री प्रो. राबर्ट मुंडेल को वर्ष 1999 को नोबेल पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा।
अटल बिहारी वाजपेयी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बने।
2000 – दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति किम दाई जुंग को शांति को नोबेल पुरस्कार।
2001 – नाइजीरिया में अमेरिका विरोधी प्रदर्शन के दौरान भड़की साम्प्रदायिक हिंसा में लगभग 200 व्यक्ति मारे गये।
2002 – इंडोनेशिया के बाली नाइट क्लब में हुए भीषण विस्फोट में 200 लोग मारे गये और 300 से अधिक घायल हुए।
2003 – डलास में एक साल चिकित्सकीय योजना और 26 घंटे तक चले जटिल आपरेशन के बाद मिस्र के जुड़वां बच्चों के आपस में जुड़े सिर को अलग करने में आपरेशन सफल रहा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के लिए एक भारतीय छात्र का चयन। जर्मनी ने स्वीडन को हराकर पहली बार विश्व कप फुटबाल टूर्नामेंट जीता। पहली बार मानव को लेकर चीनी अंतरिक्ष यान लांग मार्च 2 एफ़ उड़ा। नई दिल्ली में इंटरपोल सदस्य देशों के प्रतिनिधियों का सम्मेलन प्रारम्भ।
2004 – सऊदी अरब का हर साल एक लाख श्रमिकों की कटौती की घोषणा। चीन ने ताइवान की शांति पहल ठुकराई।
2005 – जर्मनी के प्रख्यात नाटककार हेराल्ड पिंटर को वर्ष 2005 के साहित्य का नोबल पुरस्कार देने की घोषणा।

तैयारी *35 सांस्कृतिक अवशेष समकक्ष सहायता परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा*

तिब्बत में सांस्कृतिक अवशेषों के विकास को मिला निवेश

बीजिंग, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाल ही में तिब्बत स्वायत्त प्रदेश में आयोजित सांस्कृतिक अवशेष कार्य सम्मेलन से मिली खबर के अनुसार, 13वीं पंचवर्षीय योजना (2016-2020) के दौरान देश ने तिब्बती सांस्कृतिक अवशेषों के विकास कार्यों के समर्थन के लिए कुल 2 अरब 16 करोड़ 80 लाख युआन का निवेश किया। यह मुख्य तौर पर तिब्बत में सांस्कृतिक अवशेषों की रक्षा, सांस्कृतिक अवशेष की सुरक्षा, पुरातात्विक और ऐतिहासिक अनुसंधान, क्रांतिकारी सांस्कृतिक अवशेषों की रक्षा और उपयोग, संग्रहालयों के उच्च गुणवत्ता वाले विकास, वैज्ञानिक व तकनीकी क्षमताओं में सुधार आदि क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित हुआ है।

आंकड़ों के अनुसार, साल 2012 के बाद से, तिब्बत ने विभिन्न प्रकार के कुल 4,468 अचल सांस्कृतिक अवशेष स्थलों, सभी स्तरों पर 2,373 सांस्कृतिक अवशेष संरक्षण इकाइयों और 5.1 लाख चल सांस्कृतिक अवशेषों की जांच और पंजीकरण किया है।

195 पुरातात्विक उत्खनन परियोजनाओं को व्यवस्थित रूप से कार्यान्वित किया है, पोताला महल सांस्कृतिक विरासत संरक्षण

प्रबंधन नियम जैसे स्थानीय सांस्कृतिक अवशेष संरक्षण नियम जारी किए, पोताला महल, नोरबुलिंग्का उद्यान और जोखांग मंदिर जैसी कई राष्ट्रीय प्रमुख सांस्कृतिक अवशेष संरक्षण इकाइयों के लिए सुरक्षा योजनाएं तैयार की, इन कदमों से तिब्बत में सांस्कृतिक अवशेष संरक्षण प्रणाली में और सुधार किया गया है। बताया गया है कि 14वीं पंचवर्षीय योजना (2021-2025) के दौरान, तिब्बत में तिब्बत के लिए 35 सांस्कृतिक अवशेष समकक्ष सहायता परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा और 2 करोड़ 55 लाख 40 हज़ार युआन की सहायता निधि लागू की जाएगी।

शी चिनफिंग ने शांगराओ शहर का निरीक्षण किया

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने दक्षिण चीन के च्यांग शी प्रांत के चंगतेचन और शांगराओ शहर का निरीक्षण किया। उन्होंने लगातार चंगतेचन के थाओयांगली ऐतिहासिक व सांस्कृतिक सड़क, छांगहे एयरक्राफ्ट उद्योग लिमिटेड कंपनी और शांगराओ के शिमन गांव जाकर मिट्टी के बर्तनों की संस्कृति के संरक्षण व विकास, उद्यम के तकनीकी सृजन, वेटलैंड पार्क के पारिस्थितिकी संरक्षण और ग्रामीण पुनरोत्थान का जायजा लिया। थाओयांगली ऐतिहासिक व सांस्कृतिक सड़क क्षेत्र का क्षेत्रफल 1.28 वर्गकिलोमीटर है, जहां सौ से अधिक हजार वर्ष पुरानी गलियां, 400 वर्ष पुराने भट्ठी मिल समूह और 70 साल पुराना मिट्टी बर्तन के औद्योगिक उत्पादन की विरासत अच्छी स्थिति में सुरक्षित है।

दुनिया को जानें

पेरिस में विश्व पारंपरिक चीनी चिकित्सा दिवस समारोह का आयोजन

बीजिंग, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व पारंपरिक चीनी चिकित्सा दिवस समारोह 11 अक्टूबर को फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित हुआ। इस दौरान, चिकित्सा क्षेत्र में 100 से अधिक चीनी और विदेशी विशेषज्ञों, विद्वानों और चिकित्सकों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन के माध्यम से आदान-प्रदान किया। पेरिस चीनी सांस्कृतिक केंद्र और चीन-फ्रांस पारंपरिक चीनी चिकित्सा केंद्र ने संयुक्त रूप से इस समारोह को आयोजित किया। फ्रांस में चीनी उप दूतावास छन ली ने उद्घाटन समारोह में कहा कि चीन सरकार पारंपरिक चीनी चिकित्सा के विकास को बहुत महत्व देती है, पारंपरिक चीनी चिकित्सा को दुनिया में ले जाने के लिए प्रोत्साहित करती है, और पारंपरिक चीनी चिकित्सा और पश्चिमी चिकित्सा के पूरक और समन्वित विकास का समर्थन करती है। छन ली के अनुसार, पारंपरिक चीनी चिकित्सा का प्रसार 196 देशों और क्षेत्रों तक हो गया है। चीन ने 40 से अधिक विदेशी सरकारों, क्षेत्रीय प्राधिकारियों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ पारंपरिक चीनी चिकित्सा सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

प्रादेशिकी

पहाड़ों में फाउंडेशन रख रहा लोगों की सेहत का ख्याल

नई टिहरी। प्रताप नगर व जाखणीधार विकासखंड के 106 गांव में हंस फाउंडेशन विगत डेढ़ वर्ष से निशुल्क स्वाथ्य शिविरों का आयोजन कर रहा है। शिविरों का आयोजन गांव गांव जाकर किया जा रहा है। शिविर में एक मोबाइल मेडिकल यूनिट में एक एमबीबीएस डॉक्टर,एक फार्मेसिस्ट एक लैब टेक्नीशियन और एक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी होता है।शिविर में ग्रामीणों की निशुल्क जांचे की जाती है और निशुल्क दवाइयां भी दी जाती है। गांव के वृद्ध लोग जो घर से बाहर जाने में असमर्थ है उनका इलाज भी घर-घर जाकर करते है।

पर्यटन व हरित उद्योगों को बढ़ावा दे रही राज्य सरकार: सुक्खू

शिमला, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज से 15 अक्तूबर, 2023 तक शिमला जिला के कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र के जुन्गा में आयोजित शिमला फ्लाइंग फेस्टिवल का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि ऐसे आयोजनों से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष अवसर उपलब्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि कांगड़ा जिला का बीड़-बिलिंग क्षेत्र पैराग्लाइडिंग के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। प्रदेश सरकार हिमाचल के वातावरण के अनुकूल हरित उद्योगों को बढ़ावा दे रही है, जिसमें पर्यटन भी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए व्यापक योजना तैयार की है। कांगड़ा को पर्यटन राजधानी बनाने की घोषणा के साथ ही अन्य अनछुए गंतव्यों को विकसित किया जाएगा। साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने में इस तरह के आयोजन सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की सुरक्षा के साथ ही उन्हें विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश सरकार कृतसंकल्प है। आपदा से उबरने के साथ ही हिमाचल पुन: पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में इस बार आपदा के दौरान बहुत अधिक नुकसान हुआ है और कई लोगों ने अमूल्य जीवन खोया है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं विभिन्न आपदाग्रस्त क्षेत्रों में गए और प्रदेश सरकार ने तत्परता से राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

■ मुख्यमंत्री ने जुन्गा में किया शिमला फ्लाइंग फेस्टिवल का शुभारंभ

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने आपदा प्रभावितों की मदद के लिए 4500 करोड़ रुपये का विशेष राहत पैकेज जारी किया है। इसके तहत पूरी तरह से क्षतिग्रस्त घरों पर पहले मिलने वाले 1.30 लाख रुपए की आर्थिक मदद को बढ़ाकर 7 लाख रुपये कर दिया गया है। इसके साथ ही कच्चे और पक्के मकान को आंशिक नुकसान पर मिलने वाले मुआवजे को बढ़ाकर एक लाख रुपये किया है। लोगों को अपना घर दोबारा बनाने के लिये राज्य सरकार 280 रुपए प्रति बोरी के हिसाब से सीमेंट उपलब्ध करवाएगी।

इसके साथ ही बिजली और पानी का कनेक्शन भी राज्य सरकार नि:शुल्क लगाएगी। राहत शिविरों में रह रहे लगभग तीन हजार परिवारों को राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में किराए का मकान लेने के लिए 5000 रुपए और शहरी क्षेत्रों में 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता भी दे रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश पर 75 हजार करोड़ का ऋण और कर्मचारियों की 10 हजार करोड़ रुपए की देनदारियां होने के बावजूद राज्य सरकार अपने संसाधनों से प्रभावित परिवारों की भरपूर मदद कर रही है।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी गुल्लक से आपदा प्रभावितों की मदद के लिए राशि दी है। यही नहीं, कर्मचारियों, पेंशनर्स और समाज के सभी वर्गों ने आपदा राहत कोष में ऐतिहासिक योगदान दिया है, जिसके लिए वे सभी के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि पुराने कानूनों से नई चुनौतियों का सामना नहीं किया जा सकता है, इसीलिए राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में बड़े बदलाव ला रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आने में कुछ समय लगेगा। उन्होंने कहा कि कर्ज के सहारे कोई भी सरकार नहीं चल सकती। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को चार वर्षों में आत्मनिर्भर और दस वर्षों में देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार अनेक प्रभावी कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हुई तबाही का जायजा लेने के लिए केंद्र से तीसरी टीम आई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि केन्द्र सरकार जल्द ही हिमाचल को विशेष आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बार-बार केंद्र सरकार से विशेष राहत पैकेज की मांग कर रही है, जबकि भाजपा आपदा में भी राजनीतिक रोटियां सेंक रही है। राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और हिमाचल प्रदेश को विशेष राहत पैकेज प्रदान करने के लिए विधानसभा में लाए गए संकल्प पर भाजपा के विधायक मूकदर्शक बन रहे हैं। यही नहीं हिमाचल प्रदेश के भाजपा सासंदों ने भी प्रधानमंत्री के समक्ष विशेष राहत पैकेज का मामला नहीं उठाया, जो उनके प्रदेश की जनता के प्रति उदासीन रवैये को दर्शाता है।

कार्यक्रम का आयोजन 'द ग्लाइड इन' कंपनी और पर्यटन विभाग मिलकर कर रहे हैं। 'द ग्लाइड इन' कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण रावत ने उत्सव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। चार दिन तक चलने वाले इस उत्सव में देश-विदेश के 51 पैराग्लाइडर्स भाग ले रहे हैं। उन्होंने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की।

राज्य सरकार भवन निर्माण से पूर्व नींव के स्तर पर अनिवार्य जांच का प्रावधान करने पर कर रही विचार

शिमला, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि लगभग चार दशकों से अधिक के लंबे इंतजार के बाद नगर एवं ग्राम योजना विभाग द्वारा शिमला के लिए विकास योजना तैयार की गई है ताकि शिमला और इसके आसपास के उप नगरीय क्षेत्रों का विनियमित और योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित किया जा सके।

यह विकास योजना शिमला की आदर्श पर्यटन गंतव्य क्षमता, जीवंत वातावरण , प्राकृतिक पारिस्थितिकी तथा वर्ष 2041 तक भविष्य की जनसंख्या के साथ-साथ अस्थायी आबादी को समायोजित करने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार की उप-योजना अम्रुत के तहत तैयार की गई है।

प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए कृतसंकल्प है और इस दिशा में अनेक महत्त्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। वर्तमान राज्य सरकार सम्पूर्ण प्रदेश और शिमला योजना क्षेत्र के हरित आवरण के संरक्षण और यहां की पारिस्थितिकी के दृष्टिगत सतत् विकास पर विशेष ध्यान केन्द्रित कर रही है। प्रदेश सरकार शिमला में नवबहार से रामचन्द्र चौक से मच्छीवाली कोठी से क्राइस्ट चर्च से लक्कड़ बाजार से आईजीएमसी से संजौली चौक से नवबहार तक सड़क से घिरे ग्रीन बेल्ट क्षेत्र कड़े नियमों और नियंत्रित ढंग से सीमित निर्माण को अनुमति देने पर विचार कर रही है। इसके दृष्टिगत ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में स्थित किसी भी ग्रीन प्लॉट में यदि एक भी जीवित या सूखा पेड़ खड़ा होगा तो उस प्लाट पर निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रावधान शिमला शहर की समृद्ध पारिस्थितिकी और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण में दूरगामी भूमिका निभाएगा।

राज्य के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इस मानसून के दौरान हुई भारी बारिश और उसके बाद आई आपदा को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अत्यधिक वर्षा जल की तत्काल निकासी के लिए सभी शहरी केन्द्रों और ग्रामीण नगरों के लिए चरणबद्ध तरीके से एक प्रभावी एवं कुशल जल निकासी मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा।

सरकार ने शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ योजना और विशेष क्षेत्रों में सभी भवनों के लिए नींव स्तर पर निरीक्षण का अनिवार्य प्रावधान करने का भी प्रस्ताव कर रही है। इसके अलावा, उच्च जोखिम वाली इमारतों, विशेष रूप से आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक, रियल एस्टेट परियोजनाओं और संस्थागत परियोजनाओं के लिए, अनुमोदन के समय भूवैज्ञानिक जांच रिपोर्ट के साथ-साथ बीआईएस कोड के अनुसार विस्तृत संरचनात्मक डिजाइन रिपोर्ट को अनिवार्य बनाया जा रहा है। ये आवश्यक प्रावधान सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को भविष्य में किसी भी प्रकार की आपदा से बचाव में महत्त्वपूर्ण सिद्ध होंगे।

सार संक्षेप

हत्या की आशंका जताते हुए लगाई न्याय की गुहार

रामनगर। पीरूमदारा क्षेत्र में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत मामला गरमा गया है। मामले को लेकर युवक संदीप के परिजनों ने जमकर हंगामा किया। साथ ही कोतवाली के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। परिजनों ने संदीप हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। वहीं, पुलिस ने सड़क दुर्घटना के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, काशीपुर के गांधीनगर निवासी संदीप सिंह बीती मंगलवार की रात को बाइक से दवाई लेने घर से निकला था, लेकिन घर वापस नहीं लौटा। ऐसे में संदीप के घर न पहुंचने पर परिजनों ने उसके मोबाइल पर संपर्क किया, लेकिन संदीप ने काफी देर तक फोन रिसीव नहीं किया। परिजनों का कहना है कि लगातार फोन करने के बाद वहां से गुजर रहे एक शख्स ने मोबाइल की आवाज सुनकर फोन रिसीव किया। शख्स ने फोन पर उन्हें बताया कि संदीप घायल अवस्था में वीरपुर लच्छी गांव में सड़क पर पड़ा है। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और उन्होंने घायल को 108 की मदद से उपचार के लिए काशीपुर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही संदीप की मौत हो चुकी थी। परिजनों का आरोप है कि संदीप की हत्या की गई है। उन्होंने पुलिस पर लापरवाही बरतने का भी आरोप लगाया। मामले में अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

उत्तराखंड में 5 साल के बच्चों का भी बनेगा आयुष्मान कार्ड

देहरादून। उत्तराखंड में अब 5 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों का भी आयुष्मान कार्ड बनेगा। सरकार ने सभी लोगों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराने और शत प्रतिशत लोगों की आभा यानी आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता बनाने का लक्ष्य रखा है। जिसके तहत राज्य सरकार ने 5 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने का निर्णय लिया है। वहीं, राज्य सरकार आयुष्मान भव अभियान के तहत प्रदेश में आयुष्मान कार्ड और शत प्रतिशत आभा आईडी बनाने के कार्य में तेजी ला रही है। स्वास्थ्य विभाग की मानें तो आयुष्मान योजना के तहत अभी तक उत्तराखंड में करीब 9 लाख 11 हजार मरीज का इलाज किया जा चुका है। हालांकि, इस इलाज पर राज्य सरकार ने करीब 1,720 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है, जिसके लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही तमाम स्वास्थ्य योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है।

सुडोकू 6345 का हल

6	8	3	1	9	7	4	2	5
7	2	4	8	3	5	9	1	6
1	5	9	6	2	4	7	8	3
2	1	7	5	8	6	3	9	4
3	4	6	7	1	9	2	5	8
8	9	5	2	4	3	1	6	7
9	3	8	4	5	1	6	7	2
4	7	2	9	6	8	5	3	1
5	6	1	3	7	2	8	4	9

विभागीय मंत्री को ही नहीं अपने विभाग में करोड़ों के घोटाले की जानकारी

हल्द्वानी, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। विभागीय मंत्री को अपने ही विभाग में एक करोड़ 9 लाख के राशन घोटाले का पता नहीं है। हल्द्वानी पहुंची महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य से जब विभाग में हुए इस घोटाले के बाद में पूछा गया तो उन्होंने पूरे मामले से अनभिज्ञता जताई, फिर जांच कर मामले में कार्रवाई करने की बात कही। इतना बड़ा मामला विभागीय मंत्री के संज्ञान में नहीं होना कई सवाल खड़े कर रहा है।

■ जानकारी लेकर होगी सख्त कार्रवाई: रेखा आर्य

कोरोनाकाल के दौरान हुए उधम सिंह नगर के किच्छा में राशन दुकानदारों द्वारा राशन घोटाले के मामले में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जब से उन्होंने विभाग संभाला है, तब से उनके पास इस प्रकार के घोटाले की कोई जानकारी नहीं आई है। यदि कोई मामला मेरे संज्ञान में आएगा या मीडिया द्वारा मुझे बताया गया है तो मैं इसकी पूरी जानकारी लूंगी और कोई भी अनियमितता मिलती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गौर हो कि कोरोनाकाल के दौरान उधम सिंह नगर में गरीबों को दिए जाने वाले राशन का घोटाला सामने आया था। जहां पूरे मामले की जांच तत्कालीन उपायुक्त द्वारा की गई थी। 12 सस्ता गल्ला विक्रेता के साथ जिला खाद्य पूर्ति अधिकारी और क्षेत्रीय खाद्य पूर्ति अधिकारी द्वारा मिलीभगत कर एक करोड़ 9 लाख रुपए का राशन घोटाला किया गया। मामला हाईकोर्ट में जाने की पर कोर्ट ने भी इन दुकानदारों और घोटाले में संलिप्त अधिकारियों से घोटाले की रकम वसूली के निर्देश दिए गए थे। लेकिन 2 साल बाद भी घोटाले की रकम की वसूली नहीं हो पाई है। लेकिन पुरानी जांच को दरकिनार करते हुए कुछ अधिकारी मिलीभगत कर इन दुकानों को बहाल करने की तैयारी में जुटे हुए हैं। लेकिन इतना बड़ा मामला विभागीय मंत्री के संज्ञान में नहीं है जो कहीं ना कहीं सिस्टम पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

दुष्कर्म की शिकार नाबालिग युवती हुई गर्भवती

ऋषिकेश। शहर निवासी एक किशोरी के साथ दुष्कर्म और गर्भवती होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने चिकित्सकों के परामर्श के बाद अपनी बेटी को हायर सेंटर में दिखाया। लेकिन ऋषिकेश पुलिस को इस मामले की पहले कोई शिकायत नहीं दी गई थी। मगर इस बीच किशोरी ने एक बच्चे को जन्म दे दिया। मिली जानकारी के अनुसार शहर निवासी एक 16 वर्षीय किशोरी पेट में दर्द होने की शिकायत लेकर परिजनों के साथ अस्पताल पहुंची। जांच के दौरान डॉक्टर ने बताया कि यह दर्द सामान्य नहीं है, बल्कि किशोरी के गर्भवती होने की वजह से हो रहा है। यह जानकारी आने के बाद परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई।

सकते में आए परिजन काफी देर तक असमंजस में रहे कि आखिरकार अब किया किया जाए। कुछ देर में डॉक्टरों की टीम ने किशोरी की हालत को नाजुक बताते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। किशोरी ने एक बच्चे को जन्म दिया है। पीड़ित किशोरी ने बताया कि जनवरी महीने में उसके साथ अज्ञात युवक ने दुष्कर्म किया था। कोतवाल खुशीराम पांडे ने बताया कि मामला पुलिस के संज्ञान में है।

सेवानिवृति पेंशन कोई इनाम या एहसान नहीं

शिमला, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि सेवानिवृति पेंशन कोई इनाम या एहसान नहीं बल्कि पेंशनर द्वारा लंबी और संतोषजनक सेवा प्रदान करने के पश्चात अर्जित की जाती है। यह संविधान की सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप एक सामाजिक सुरक्षा योजना है। यह सेवानिवृत्ति के बाद की अवधि के लिए एक सहायता है। न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर व न्यायाधीश बिपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने यह आदेश रूप लाल द्वारा दायर मामले में पारित किया। मामले के अनुसार याचिकाकर्ता वर्ष 1991 में सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य (आईपीएच) विभाग में दैनिक वेतन सेवा के आधार पर फिटर के रूप में कार्यरत था। उसकी सेवाएं वर्ष 2002 में नियमित कर दी गईं। वह नियमित आधार पर 8 वर्षों तक सेवाएँ प्रदान करने के बाद वर्ष 2010 में सेवानिवृत्त हो गया। याचिकाकर्ता ने सेवानिवृत्ति के 12 साल बाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय ने पाया कि पेंशन का दावा बार-बार होने वाली कार्रवाई का कारण है। वर्तमान याचिका दायर करने में देरी से याचिकाकर्ता ब्याज पाने का हकदार नहीं होगा, लेकिन वह निश्चित रूप से संभावित रूप से वित्तीय लाभ का हकदार है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आधार पर पेंशन का हकदार पाया, जिसमें कहा गया था कि एक नियमित कर्मचारी के रूप में प्रदान की गई सेवाओं की गणना पहले की जा सकती है। उसके बाद दैनिक वेतनभोगी के रूप में प्रत्येक पांच वर्ष की सेवा के लिए एक वर्ष की नियमित सेवा की दर से घटक जोड़ा जाए। यदि सेवा की अवधि आठ वर्ष से अधिक लेकिन दस वर्ष से कम है, तो उसे दस वर्ष के रूप में गिना जाएगा। इसके अलावा कोर्ट ने राज्य सरकार को याचिकाकर्ता को एक महीने के भीतर पेंशन के सभी लाभ देने का निर्देश दिया है। हालाँकि, याचिकाकर्ता याचिका दायर करने की तारीख से तीन साल पहले वित्तीय लाभ पाने का हकदार होगा। याचिकाकर्ता को तीन साल पहले मिलने वाले लाभ केवल काल्पनिक आधार पर देने के आदेश दिए गए हैं।

आपदा से बाहर निकलने बाद राज्य सरकार 1,000 करोड़ रुपए का कर्ज लेगी

शिमला, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। मानूसन के कारण आई प्राकृतिक आपदा से बाहर निकलने बाद राज्य सरकार 1,000 करोड़ रुपए का कर्ज लेने जा रही है। कर्ज की यह राशि 10 वर्ष की अवधि के लिए ली जाएगी तथा इसे 18 अक्तूबर, 2043 को लौटाना होगा। इसके लिए नीलामी प्रक्रिया 17 अक्तूबर को होगी तथा 18 अक्तूबर को यह राशि सरकारी खाते में जमा हो जाएगी। इस तरह प्रदेश सरकार पर कर्ज राशि बढक़र 77,630 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगी। इससे पहले राज्य सरकार ने प्राकृतिक आपदा के बीच गत अगस्त माह में 500 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में आज पैदा होने वाले हर बच्चे पर 1,02,818 रुपए से अधिक का कर्ज है, जबकि भाजपा सरकार के सत्ता में आने से पहले प्रति व्यक्ति कर्ज 76,630 रुपए था। इसके चलते वर्तमान सरकार को वर्ष, 2023-24 में कर्ज अदायगी पर 9,048 करोड़ रुपए व्यय करने होंगे। मौजूदा समय में प्रदेश पर 10 हजार करोड़ रुपए वेतन व पैंशन के अलावा 600 करोड़ रुपए के महंगाई भत्ते के अदा करने हैं। हिमाचल प्रदेश इस समय अधिक कर्ज लेने वाले राज्यों में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। इसका खुलासा उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने विधानसभा के मानसून सत्र में प्रदेश के वित्तीय हालात को लेकर प्रस्तुत श्वेत पत्र में किया था। इसके तहत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (बोर्ड-निगम) 5,000 करोड़ रुपए के घाटे में है।

वाइट कॉलर क्राइम पर दून पुलिस की स्ट्राइक

देहरादून, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। साथियों के साथ मिलकर माजरा स्थित रक्षा मंत्रालय की भूमि तथा क्लेमेन्टाउन स्थित भूमि के फर्जी विलेख पत्र बनाकर बेचने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया।

फर्जी रजिस्ट्री प्रकरण में एसआईटी की जा रही जांच में अब तक 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है तथा गिरफ्तार आरोपियो से पूछताछ में अन्य व्यक्तियों के नाम भी प्रकरण में प्रकाश में आये हैं, जिनके सम्बन्ध में एसआईटी लगातार गहन विवेचना कर साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की जा रही है। सहायक महानिरीक्षक निबन्धन संदीप श्रीवास्तव ने टर्नर रोड से सुभाष नगर चैक के मध्य क्लेमनटाउन में लगभग 2500 गज भूमि तथा लगभग 55 बीघा जमीन ग्राम माजरा के फर्जी विलेख पत्र के सम्बन्ध में कोतवाली नगर देहरादून में मुकदमा कराया गया है। फर्जी प्रकरण में बिजनौर निवासी हुमायूँ परवेज का नाम प्रकाश में आने पर एसआईटी ने आरोपी के विरूद्ध साक्ष्य संकलन की कार्रवाई करते हुए आरोपी हुमायूँ परवेज को गुरूवार को गिरफ्तार किया। विवेचना यह तथ्य प्रकाश में आये कि मौहम्मद हुमायू परवेज पुत्र जलीलू रहमान निवासी 24 मौहल्ला काजी सराय 2, नगीना जिला बिजनौर ने साथी समीर कामयाब व अन्य साथियो की मदद से फर्जी विलेख तैयार कर देव कुमार निवासी सहारनपुर की मदद से रिकार्ड रुम रजिस्ट्रार कार्यालय में वर्ष 2016-17 में जिल्द में लगवा दिया था, जिसमें टर्नर रोड से सुभाष नगर चैक के मध्य क्लेमनटाउन स्थित जमीन का अल्लादिया से 1944 में जलीलू रहमान व अब्दुल करीम को फर्जी बैनामा बनाकर मालिक दर्शाया गया तथा 2019 से 2020 के बीच हुमायू परवेज ने वसीयत के आधार पर 11 व्यक्तियों को जमीन की रजिस्ट्रिया कर दी गयी, जिसमें उसने लगभग 3 करोड रुपये जे. एण्ड के. बैंक सहारनपुर के खाते में प्राप्त किये गये। ग्राम माजरा की जमीन के असली मालिक लाला सरनीमल व मनीराम से फर्जी बैनामा 1958 का बनाकर जलीलू रहमान व अर्जुन प्रसाद को मालिक दर्शाया गया तथा सीमांकन के लिए प्रार्थना पत्र एसडीएम कार्यालय व उच्च न्यायालय उत्तरखण्ड को प्रेषित कर आदेश करवाये गये परन्तु ग्राम माजरा स्थित लगभग 55 बीघा जमीन वर्ष 1958 में तत्कालीन जिलाधिकारी ने रक्षा मंत्रालय के नाम कर दी गयी थी, जो आज भी रक्षा मंत्रालय के कब्जे में है, जिस कारण सीमांकन की कार्रवाई को खारिज किया गया था।

■ फर्जी रजिस्ट्री घोटाले में एक गिरफ्तार

उत्तराखंड भर्ती घोटाले के सरगना पर बड़ी कार्रवाई

हरिद्वार। उत्तराखंड में हुए भर्ती घोटालों के सरगना उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के अनुभाग अधिकारी संजय चतुर्वेदी समेत अन्य आरोपियों की अब संपत्ति कुर्क होगी। इसके लिए जिलाधिकारी हरिद्वार धीराज सिंह गर्ब्याल ने निर्देश दे दिए हैं। बुधवार को जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने इस मामले पर आदेश जारी करते हुए तहसीलदार लक्सर और हरिद्वार को अचल संपत्ति का प्रशासक नियुक्त किया है।

बता दें कि उत्तराखंड लोक सेवा आयोग द्वारा कराई गई पटवारी और जेईध्एई भर्ती की लिखित परीक्षा में घोटाला सामने आया था। पुलिस जांच में आयोग का अनुभाग अधिकारी संजीव चतुर्वेदी ही घोटाले का मास्टरमाइंड निकला था। चतुर्वेदी ने पेपर आउट कर परीक्षा से पहले कई अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर उनसे पर्चा सॉल्व कराया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि पेपर बेचकर जुटाई गई रकम से गैंग लीडर संजीव चतुर्वेदी ने अपने नाम पर जगदीशपुर, कनखल में 150 वर्ग मीटर जमीन और साली रूमा के नाम से बसेरा खादर, लक्सर में 0.102 हेक्टेयर जमीन खरीदी थी।

हरियाणा में 1041 करोड़ रुपए की पांच मेगा परियोजनाओं को मंजूरी

चंडीगढ़, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा एंटरप्राइज प्रमोशन बोर्ड (एचईपीबी) ने राज्य में पांच मेगा परियोजनाओं के लिए लगभग 1041 करोड़ रुपये से अधिक के महत्वाकांक्षी प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की है।

राज्य के मुख्यमंत्री ने इन मेगा परियोजनाओं के दोहरे लाभों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इससे न केवल राज्य में महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित होगा बल्कि 7100 से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा मिलेगा। ये परियोजनाएं विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं।

मंजूर परियोजनाओं में नक्षत्र बायोफ्यूल्स इथेनॉल उत्पादन और पेट्रोल में इसके मिश्रण के लिए केंद्र सरकार के इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम (ईबीपी) के तहत 380 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। करनाल के इंद्री में प्रस्तावित यह परियोजना मुख्य फीडस्टॉक के रूप में टूटे चावल के अनाज से फस्ट जेनेरेशन इथेनॉल का उत्पादन करेगी। वहीं ऑर्गो फार्मा एंड फ्यूल्स थोक दवा निर्माण हेतु एक्टिव फार्मा इंग्रीडिएंट(एपीआई) उत्पादन में यमुनानगर के छछरौली में 107.21 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। राज्य सरकार कम्पनी को 18.16 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करेगी।

ऑटो कम्पोनेंट निर्माण क्षेत्र की कम्पनी मिंडारिका प्राइवेट लिमिटेड गुरुग्राम के फरुखनगर में 351 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस परियोजना से लगभग 2900 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार कम्पनी को 114.40 करोड़ रुपये का इंसेंटिव देगी। अन्य परियोजना में यूनोमिंडा ईवी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड भी गुरुग्राम के फरुखनगर में 203 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस परियोजना न केवल राज्य में पूंजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि लगभग 3643 रोजगार के अवसर पैदा होगे। सरकार इस कम्पनी को 126.45 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन देगी।

ऑटोमोटिव क्षेत्र में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड को आईएमटी रोहतक में 100 एकड़ भूमि में अपनी अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) सुविधाओं का विस्तार करने की अनुमति दी गई है। यह विस्तार ऑटोमोटिव अनुसंधान और नवाचार को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे ऑटोमोटिव उद्योग में हरियाणा की स्थिति और मजबूत होगी।

हल्द्वानी में सांड ने व्यक्ति की पटक-पटककर ली जान

हल्द्वानी, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। शहर में आवारा जानवरों का आतंक दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। आवारा जानवर लोगों की जान ले रहे हैं, लेकिन हल्द्वानी नगर निगम आंखें हुए है। जिसका नतीजा है कि आवारा सांड ने एक और व्यक्ति की जान ले ली। ऐसे में आवारा जानवर को लेकर लोगों में आक्रोश बना हुआ है। मुखानी थाना क्षेत्र के शिवालिक विहार में रहने वाले 39 वर्षीय विक्रम डसीला अपना छोटा मोटा कारोबार करते थे। जिनके बेटा और बेटी पढ़ाई करते हैं। बताया जा रहा है कि विक्रम घर के बाहर गेट पर खड़े थे और उनका मुंह मकान की और था। इस दौरान पीछे से अचानक आवारा सांड आया और उन्हें सींग से हवा में उछाल पटक कर जमीन पर गिरा दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।आनन-फानन में परिजन उसे सुशीला तिवारी अस्पताल लेकर गए, जहां सिर की नस फटने और हड्डी टूटने से अधिक खून बह जाने से उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

लोगों का कहना है कि आवारा जानवरों के आतंक का खामियाजा स्थानीय लोगों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है। आवारा जानवरों के आतंक से लोग परेशान हैं, आए दिन आवारा जानवर लोगों पर हमला कर रहे हैं। जिससे लोग घायल भी हो रहे हैं। लेकिन हल्द्वानी नगर निगम और जिला प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

प्रादेशिकी

सपा विधायक का 90 हजार का चालान काटा

मेरठ। सरधना विधानसभा से सपा विधायक अतुल प्रधान के फिल्मी अंदाज पर चालान काटा गया है। दिल्ली पुलिस ने सपा विधायक सहित तीन गाड़ियों का 90 हजार रुपए का चालान काटा है। विधायक ने जंतर मंतर पर गुर्जर बिरादरी के प्रदर्शन से लौटते वक्त प्रगति मैदान टनल में यातायात नियम तोड़े थे। फिल्मी अंदाज में सपा विधायक अपने काफिले के साथ निकले थे। जिसका वीडियो खुद सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इसके बाद वीडियो वायरल हो गया। दिल्ली यातायात पुलिस ने एक्शन लिया है। अतुल प्रधान ने प्रगति मैदान टनल से गुजरते वक्त कार की रूफटाप खोलकर वीडियो बनाया। काफिले में शामिल दूसरे लोग भी अपनी कार में हवा में लटकते, हूटिंग करते नजर आएं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अतुल प्रधान सहित काफिले में शामिल दो अन्य कारों का चालान काटा है। तीनों कारों के नोटिस चालान कार मालिकों को भेज दिए हैं।

2023-24 में 61.70 लाख किसान क्रेडिट कार्ड कराए जाएंगे वितरित

■ रबी 2023-24 में योगी सरकार की तरफ से किसानों के लिए 101000.93 करोड़ की व्यवस्था ■ योगी सरकार का निर्देश, कार्ड जारी कर किसानों को समय से दिलाया जाए फसली ऋण

लखनऊ, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। योगी सरकार ने किसानों के समुचित विकास के लिए हर स्तर पर पहल की है। अफसरों को निर्देश दिया गया है कि किसानों की समस्याओं का हर हाल में समय से निस्तारण किया जाए। रबी 2022-23 की बात करें तो 82513.32 करोड़ का फसली ऋण किसानों को दिया गया था। 2023-24 में 101000.93 करोड़ की व्यवस्था की जानी है। इस वर्ष 31 जुलाई तक 19.12 लाख किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किया जा चुका है। वहीं समय से फसली ऋण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

रबी 2022-23 में 82513.32 करोड़ का फसली ऋण किसानों को दिया गया था। वर्तमान वर्ष रबी 2023-24 में 101000.93 करोड़ की व्यवस्था की जानी है। किसानों को सुगमतापूर्वक ऋण उपलब्ध कराने के लिए 2023-24 में 61.70 लाख किसान क्रेडिट कार्ड प्राथमिकता पर वितरित कराए जाने हैं। इसमें से 31 जुलाई तक 19.12 लाख किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण किया जा चुका है। किसान क्रेडिट कार्ड जारी करते हुए उन्हें समय से फसली ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए।

सूबे के 18 मंडलों में किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण होना है। इसमें सर्वाधिक क्रेडिट कार्ड लखनऊ मंडल में वितरित होगा।

लखनऊ में वितरित होने वाले कार्ड की संख्या 5.15लाख से अधिक है, वहीं गोरखपुर व आगरा में चार-चार लाख कार्ड वितरण किया जाएगा। गोरखपुर में 4.37 लाख, फैजाबाद में 4.41 लाख, देवीपाटन मंडल में 4.39, आगरा में 4.35 लाख कार्ड वितरण कराया जाएगा।

मंडल	क्रेडिट कार्ड
सहारनपुर	274723
मेरठ	345803
आगरा	435602
अलीगढ़	285867
बरेली	199187
मुरादाबाद	332504
कानपुर	351909
प्रयागराज	350747
झांसी	249730
वाराणसी	360530
मीरजापुर	238096
आजमगढ़	357363
गोरखपुर	437774
बस्ती	366378
देवीपाटन	439309
लखनऊ	515646
फैजाबाद	441807
चित्रकूट	186924

विद्यालयों में भी नारी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलेगा बड़ा अभियान

■ मिशन शक्ति के चौथे चरण के लिए उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा विभाग ने तैयार की कार्ययोजना

■ विद्यालयों में बेटियों को किया जाएगा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 14 अक्टूबर से शुरू हो रहे मिशन शक्ति के चौथे चरण के तहत उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा विभाग से संबंधित सभी विद्यालयों में नारी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूकता को लेकर वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। विद्यालयों में बेटियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ ही वेबिनार, सेमिनार के माध्यम से बेटियों को महिला सुरक्षा के प्राविधानों और कानूनों की जानकारी दी जाएगी। बाल अधिकारों, सुरक्षा एवं संरक्षा, सेफ टच, अनसेफ टच आदि मुद्दों पर भी जागरूक किया जाएगा। मिशन शक्ति के चौथे चरण के लिए उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा विभाग ने कार्ययोजना तैयार कर ली है और चरणबद्ध तरीके से इसका संचालन किया जाएगा। उल्लेखनीय है की सीएम योगी 14 अक्टूबर को अपने सरकारी आवास से रैली को हरी झंडी दिखाकर मिशन शक्ति के चौथे चरण की शुरुआत करेंगे। उच्च शिक्षा में लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए महिलाओं को उच्च शिक्षा में समान अवसर प्रदान करते हुए उनकी नामांकन दर में वृद्धि किए जान हेतु जागरुकता अभियान संचालित किया जाएगा। समस्त विश्व विद्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों में वेबिनार और सेमिनार आयोजित कर महिला सुरक्षा के विविध प्राविधानों और कानूनों की जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही लैंगिक समानता, बालिकाओं के स्वास्थ्यवर्धन एवं पोषण के प्रति जागरुकता के लिए भी वेबिनार व व्याख्यानमालाओं का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 'चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो' कार्यक्रम के अन्तर्गत बालिकाओं की समस्याओं को सुनकर उन्हें एनजीओ तथा मनोचिकित्सकों के माध्यम से परामर्श दिया जाएगा।

प्रत्येक विश्वविद्यालय, महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के लिए कम से कम एक स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान द्वारा माह में एक बार किसी महिला रोल मॉडल के साथ संवाद का आयोजन तथा महिला सुरक्षा हेतु संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा। विशिष्ट दिवसों पर विशिष्ट दिवस के विषय से सम्बन्धित कार्यक्रम का आयोजन, समाज के सभी नागरिकों, विशेष रूप से बालकों के मध्य बालिका की सुरक्षा एवं सम्मान की भावना जागरुक करने और संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से बालिका सुरक्षा शपथ दिलाने जैसे कार्यक्रम भी होंगे। बेसिक शिक्षा विभाग उपस्थिति अभियान चलाएगा, जिसमे 1.33 लाख विद्यालयों में बालिकाओं की विद्यालय में नियमित उपस्थिति के लिए प्रत्येक शनिवार कार्यक्रम चलेगा तथा प्राय: अनुपस्थित रहने वाली बालिकाओं के अभिभावकों से सम्पर्क कर उन्हें जागरुक किया जाएगा।

17 अक्टूबर को होगी डीजल एवं अन्य सामान की नीलामी

मेरठ, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। उप जिलाधिकारी/ज्वाईंट मजिस्ट्रेट मेरठ ने बताया कि मा0 न्यायालय अपर जिलाधिकारी प्रशासन द्वारा वाद सं0-3890/2022 उ0प्र0 सरकार बनाम विनोद, कम्प्यूटरीकृत वाद सं0-डी0 202211520003890 के अंतर्गत धारा-6ए उ0प्र0 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 में 13 मार्च 2023 को आदेश पारित किये गये है, जिसके द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 की धारा 6ए के अंतर्गत 640 ली0 अपमिश्रित पैट्रोलियम पदार्थ, 08 प्लास्टिक के खाली ड्रम, 04 लोहे के भरे ड्रम व 03 लोके के खाली ड्रम, 05 ली0 का एक मपना, 01 ली0 का एक मपना, एक मपना स्केल, ड्रम से तेल निकालने वाला एक पाइप को राज्य सरकार के पक्ष में जब्त कर जब्तशुदा डीजल एवं अन्य सामान को नियमानुसार विक्रीत कराकर प्राप्त धनराशि को लेखाशीर्षक में जमा कराने हेतु निर्देश दिये गये है, जिसके क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी मेरठ के द्वारा अपने कार्यालय पत्र के द्वारा भी उक्त जब्त डीजल व अन्य सामान के संबंध में नीलामी की कार्यवाही किये जाने हेतु पत्र प्रेषित किया गया है, जिसके क्रम में 640 ली0 अपमिश्रित पैट्रोलियम पदार्थ, 08 प्लास्टिक के खाली ड्रम, 04 लोहे के भरे ड्रम व 03 लोके के खाली ड्रम, 05 ली0 का एक मपना, 01 ली0 का एक मपना, एक मपना स्केल, ड्रम से तेल निकालने वाला एक पाइप है, की नीलामी आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 की धारा-6ए के अंतर्गत की जानी है। उक्त नीलामी के लिए दिनांक 17 अक्टूबर 2023 समय-12.30 बजे निर्धारित है। नीलामी स्थल नम्बरदार ऑयल कम्पनी, बिजौली, ब्लॉक खरखौदा, जनपद मेरठ है। नीलामी के नियम व शर्तें जिला पूर्ति अधिकारी मेरठ के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा है।

सार संक्षेप

डॉक्टर के क्लीनिक पर जमकर हंगामा

मेरठ। नौचंदी थाना क्षेत्र स्थित डॉक्टर पर बच्चे को एक्सपायरी इंजेक्शन लगाने को लेकर बच्चों के परिजनों ने डॉक्टर के क्लीनिक पर जमकर हंगामा कर दिया। हंगामा देख आसपास के लोग पहुंच गए और किसी तरह बच्चे के परिजनों को लोगों ने समझाकर शांत कराया। परिजन डॉक्टर की शिकायत थाना पुलिस और सीएमओ से करने की बात कहते हुए चले गए। नौचंदी क्षेत्र में एक डॉक्टर के क्लीनिक पर 6 दिन की नवजाज बच्ची को एक्सपायरी वैक्सीन लगाने को लेकर नवजात बच्ची के परिवार वालों ने जमकर हंगामा कर दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र निवासी नवजात के पिता ओवैस खान ने बताया कि वह अपनी 6 दिन की बेटी को हेपेटाइटस बी की वैक्सीन लगवाने के लिए नौचंदी थाना क्षेत्र स्थित एक डॉक्टर के क्लीनिक पर पहुंचे थे। डॉक्टर ने एक्सपायर डेट की वैक्सीन बच्ची को लगा दी।

पार्किंग में खड़ी बाइक में आग लगी

मेरठ। किला रोड स्थित जीसीए स्टेडियम में खड़ी बाइक आग का गोला बन गई। वह धू-धू कर जलने लगी। बाइक में अचानक आग लगने से स्टेडियम में भगदड़ मच गई। इस दौरान स्टेडियम में मौजूद खिलाड़ियों ने किसी तरह पानी डालकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बाइक जलकर राख हो चुकी थी। मुजफ्फरनगर निवासी अरशद मलिक मेरठ स्थित एक कंपनी में सेल्समैन की नौकरी करता है। वह किसी काम से भावनपुर थाना क्षेत्र स्थित किला रोड जीसीए स्टेडियम गया था और स्टेडियम की पार्किंग में अपनी बाइक खड़ी कर दोस्त से मिलने चला गया। इसी दौरान अचानक उसकी बाइक में आग लग गई। आग ने धीरे-धीरे उग्र रूप ले लिया।

बच्चे देश का भविष्य टीकाकरण में न करें देरी: सीएमओ

फर्रुखाबाद। जिले में इस समय मिशन इंद्रधनुष अभियान चल रहा है जो शनिवार तक चलेगा इस दौरान किसी कारण वश टीकाकरण से छूटे हुए शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जा रहा है और टीकाकरण से मना करने वाले परिवारों को समझाकर टीकाकरण कराया जा रहा है। इसी क्रम में नगरीय स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ शोभा सक्सेना, आईओ अक्षय सेंगर, यूनिसेफ से डीएमसी अनुराग दीक्षित, बीएमसी सल्तनत के साथ मिलकर मोहल्ला नक्कार चियान में प्रतिरोधक परिवारों को समझाकर टीकाकरण कराया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अवनीन्द्र कुमार ने कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं इनका टीकाकरण बहुत जरुरी है द्य टीकाकरण बच्चों को 12 जानलेवा बीमारियों से सुरक्षा देते हैं इसलिए हमें अपने बच्चों को समय पर टीके लगवा लेने चाहिए। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ सर्वेश यादव ने बताया कि सोमवार से जिले में सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान चल रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है। कार्यक्रम में शत प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है ताकि 12 प्रकार की बीमारियों से बच्चों को बचाया जा सके। डॉ शोभा सक्सेना ने कहा कि बच्चे को कोई भी बीमारी होती है तो माता पिता को बहुत परेशानी होती है द्य इन बीमारियों से अपने बच्चे को सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण जरूर कराएं। इस दौरान आशा कार्यकर्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सूचना

मेरी हाईस्कूल वर्ष 2006 अनुक्रमांक 0544733 यूपी बोर्ड की मार्कशीट व सनद वास्तव में खो गई हैं। -अरुण कुमार शर्मा पुत्र भूषण कुमार शर्मा, लाल बहादुर शास्त्री कालोनी मोहल्ला काबलीगेट, मवना जिला मेरठ।

अतिथि व्याख्यान में वक्ताओं ने रखे विचार

मेरठ, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। विनायक विद्यापीठ में मैनेजमेंट के छात्र छात्राओं के लिए एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें आईएचएमएस, कोटद्वार के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अश्वनी शर्मा उपस्थित हुए और स्टार्ट-अप फंडिंग विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अश्वनी शर्मा एवं संस्थान की प्राचार्या डॉ0 अनुप्रिता शर्मा, निदेशक इंजि0 विकास, डीन एकता सिंधू, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर प्रवीन शर्मा एवं मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष डॉ. किरन तोमर द्वारा सरस्वती मां के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। तत्पश्यात अतिथि व्याख्यान के अंतर्गत डॉ. अश्वनी शर्मा ने छात्रों को बताया कि किसी भी नए व्यापार को शुरू करने के लिए क्या क्या कार्यवाही करनी पड़ती है और इसके लिए धन की व्यवस्था कहां से और किस प्रकार की जा सकती है के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। छात्रों ने आज के इस व्याख्यान को भली-भांति सुना और कई प्रकार के प्रश्न भी किए जिनका डॉ. अश्वनी शर्मा ने संतोषजनक उत्तर देकर छात्रों को संतुष्ट किया।

सुभारती विश्वविद्यालय में अमृत कलश यात्रा निकाली

■ देश के लिए शहीद हुए वीरों को दी श्रद्धांजलि ■ राष्ट्रीय महत्व की गतिविधियों में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रेरित किया ■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई है इस कार्यक्रम की शुरुआत

मेरठ, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. विंग द्वारा पूरे उत्साह और सम्मान के साथ मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत विशाल अमृत कलश यात्रा का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा की गई है। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) विभाग द्वारा मेरी माटी मेरा देश (एमएमएमडी) अभियान के इस अमृत कलश यात्रा में विश्वविद्यालय की एनएसएस की चारों इकाइयों के सभी स्वयंसेवक और अन्य कॉलेज के विद्यार्थी इस प्रतिष्ठित कलश यात्रा का हिस्सा बने।

कलश यात्रा की शुरुआत विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से देशप्रेम एवं राष्ट्रवाद के नारों के साथ हुई। जिसके बाद यह यात्रा विश्विद्यालय के बाह्य परिसर से होते हुए कुलपति कार्यालय के सामने पहुंची, जहां विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. (डॉ.) शल्या राज और

कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) जी.के. थपलियाल, एसएम (से.नि.) और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने यात्रा का स्वागत किया और देश के लिए शहीद हुए वीरों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अपने संबोधन में डॉ शल्या राज ने छात्रों को राष्ट्रीय महत्व की अधिक से अधिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुभारती विश्वविद्यालय का मुख्य आदर्श वाक्य राष्ट्र प्रथम, देश प्रथम है और विश्वविद्यालय अपनी स्थापना से ही लगातार राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव ग्रुप कैप्टन एम. याकूब, आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. कपिल कुमार वर्मा, प्रो. रेनू मावी, चीफप्रॉक्टर डॉ. शशिराज तेवतिया, डॉ. संचित प्रधान, प्रोफेसर मुकेश रुहेला, डॉ. श्रवण कुमार, प्रोफेसर अशोक त्यागी, डॉ. गुंजन शर्मा , सुश्री प्रीति सिंह, डॉ. अभिजीत केबी, सुश्री स्वाति शर्मा, पुष्पेंद्र राजपूत, डॉ. विशाल कुमार, डॉ. नेहा सिंह, राहुल कुमार, डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी, डॉ. दुर्गेश पुंडीर, डॉ. धनंजय श्रीवास्तव, आशीष मिश्रा, नरेश कुमार, सुरक्षा अधिकारी, प्रिंस इस मौके पर चौहान, कपिल गिल, संजय पाल, संजय जुगरान एवं 400 से अधिक स्वयंसेवक विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

स्मृति ईरानी की जारी अपील और सूची में 15 हजार विजेता खिलाड़ियों के उपहारों का नाम

■ स्वामीनाथ शुक्ल

अमेठी, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अमेठी में 15 हजार विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित करेंगे। इसमें आधी संख्या महिला खिलाडियों की जुड़ी है। सांसद खेलकूद प्रतियोगिता में 17 सितंबर से 17 ब्लाकों में 12 अक्टूबर तक 1 लाख 56 हजार खिलाड़ी हिस्सा ले चुके हैं। इसमें से 15 हजार खिलाड़ी विजेता टीम में पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री पुरस्कार वितरण समारोह के एक दिन पहले केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी 15 हजार विजेता खिलाड़ियों के उपहारों की सूची जारी कर दी है। स्मृति ईरानी की देर शाम जारी सूची में प्रथम चार विजेता टीम को 2 लाख 21 हजार रुपए, द्वितीय चार विजेता टीम को 1 लाख 11 हजार रुपए, तृतीय, चतुर्थ और पंचम टीम को उत्साहवर्धन पुरस्कार मिलेगा।12 टीमों को

21 हजार रुपए और ट्राफी,मैन ऑफ द सीरीज को मोटरसाइकिल, मैन ऑफ द मैच को टीबी, उत्कृष्ट नौ खिलाड़ियों को मोबाइल फोन, 18 खिलाड़ियों को टैबलेट, 35 खिलाड़ियों को मोबाइल फोन 23 खिलाड़ियों को स्मार्ट वॉच आदि इसी तरह से 15 हजार खिलाड़ियों को पुरस्कार मिलेगा। खिलाड़ियों के साथ 3600 सौ व्यवस्थापकों को भी पुरस्कार की सूची में रखा गया है। इस खेल में 904 विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र, छात्राएं भी शामिल थी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पुरस्कारों की सूची के साथ अमेठी के लिए एक भावनात्मक अपील भी जारी की है। अपील में लड़कियों के खेल को साझा किए हैं। बाकी लिखा है कि लड़कियां खेल जगत में नया कीर्तिमान स्थापित करेगी। अभिभावकों की सराहना के साथ कहा है कि इतने बड़े खेल के महाकुंभ में सभी का बराबर सहयोग था। गांव की दबी प्रतिभा को निखारने के लिए सांसद खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई है।यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल है। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी चार मुख्य अतिथि है।दो राज्यमंत्री बाकी विधायक विशिष्ट अतिथि है। कार्यक्रम स्थल को अंतिम रूप देने के लिए भाजपाई और अफसर दोनों जुटे हैं। केंद्रीय मंत्री के अपर सचिव विजय गुप्ता देर शाम अफसरों के साथ कार्यक्रम स्थल की जमीनी हकीकत परखने और व्यवस्था की जांच पड़ताल में जुटे थे। अपार भीड़ होने की संभावना जताई गई है। एक विधानसभा क्षेत्र से 25 हजार की भीड़ ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। अमेठी में पांच विधानसभा क्षेत्र आते हैं। अमरेंद्र सिंह पिंटू ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सवा छह सौ करोड़ रुपए की विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे।

पूजा के साथ श्रीराम रामलीला का शुभारंभ हुआ

मवाना, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। भगवान श्रीरामलीला कमेटी मवाना के तत्वावधान में गुरुवार को मवाना नगर के लोगों के सहयोग से भगवान श्रीरामलीला कमेटी द्वारा आयोजित प्रभु श्रीराम रामलीला का शुभारंभ नगरपालिका समीप भगवान श्री राम लीला के मैदान में पूजा करके हुआ। मंच का उद्घाटन तहसीलदार मवाना कु. आकांक्षा जोशी व जिला प्रचारक अभिनव भारत, रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अखिल कौशिक, प्रबंधक राजेंद्र सिंह चौहान, सुधा चौहान, सुभाष दीक्षित व समस्त पदाधिकारी द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष दीक्षित, संजय शर्मा, जिला प्रचारक अभिनव भारत, योगेंद्र रस्तोगी, प्रज्ज्वल चौहान, डॉ.ओमपाल चौहान, सुभाष गाब्बा, हनी चौधरी सभासद, पूर्व सभासद डॉ.वीरेंद्र चौहान, अजीत शर्मा, गोपाल चौहान, अजय चौहान आदि उपस्थित रहे।

67वीं जनपदीय एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

■ 800 मीटर दौड़ में माछरा के नितिन ने गोल्ड मेडल जीता
■ मवाना के सचिन ने सिल्वर व सरधना के अंकित को ब्रांच मेडल
■ राज्यमंत्री ने खिलाड़ियों को मेडल बांटे

मवाना, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। ए एस इंटर कॉलेज मवाना के क्रीड़ा स्थल पर गुरुवार को आयोजित 67 वीं जनपदीय एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रतियोगिता में 800 मीटर दौड़ में चौधरी प्रेमनाथ सिंह इंटर कॉलेज माछरा के नितिन कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया, वहीं मवाना के सचिन कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल तथा सरधना कालेज के अंकित ने तृतीय स्थान प्राप्त कर ब्रांच मेडल पाया। वहीं 800 मीटर सीनियर बालिका वर्ग में कंकरखेड़ा की आंचल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल, माछरा कालेज की वर्षा ने सिल्वर मेडल तथा शिवानी ने ब्राउज मेडल प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में कंकरखेड़ा से

दीपांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं मवाना के वंश ने दूसरे तथा रक्षित ने मेरठ पश्चिम से तीसरा स्थान जूनियर वर्ग में प्राप्त किया। गोला फेंक में मानसी रानी कंकरखेड़ा से प्रथम, अंशिका माछरा से दूसरे व शगुन लवण से तीसरे स्थान पर रही। गोला फेंक में आस्था कंकरखेड़ा से प्रथम, निशु मवाना से दूसरे तथा आकांक्षा पांचाली ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पहले ए एस इंटर कॉलेज मवाना के क्रीड़ा स्थल पर गुरुवार को आयोजित 67 वीं जनपदीय एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ राज्यसभा सांसद विजय पाल सिंह तोमर, जल शक्ति मंत्री दिनेश खटीक, पूर्व एमएलसी चौधरी जगत सिंह ने कबूतर और गुब्बारे उड़ाकर किया। जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय सर्वेश कुमार और प्रधानाचार्य डॉक्टर मेघराज सिंह ने अंग वस्त्र, माला, प्रतीक चिन्ह, बुके तथा कैप के द्वारा स्वागत व सम्मान किया। उपरांत मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित किया। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति की तथा जनपद के समस्त संस्था प्रधानों का सम्मान किया गया। छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत की गई गणेश वंदना, राजस्थानी नृत्य, ड्रिल कार्यक्रम को सभी ने पसंद किया। इसके उपरांत द्वितीय सेशन में ध्वजारोहण किया गया। जनपद के 9 क्षेत्र के खिलाड़ियों ने मुख्य अतिथि को सलामी दी। मार्च पास्ट किया गया। छात्र-छात्राओं के द्वारा बैन्ड सुंदर बैंड के द्वारा प्रस्तुति की गई।

क्रीड़ा प्रभारी कपिल कुमार सिरोही के निर्देशन में समस्त कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित होते रहे हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडलीय क्रीड़ा सचिव डॉ सुशील कुमार सिंह, जिला क्रीड़ा प्रभारी सुषमा यादव, नगर पालिका के अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक, विद्यालय की प्रबंध समिति के प्रबंधक पवन कुमार रस्तोगी, उपप्रबंधक शैवाल दुबलिश, राजेन्द्र चौहान, प्रधानाचार्य डॉ. राजीव कुमार गोहित, डॉ. रोहिताश तोमर, डॉ. ऋषिपाल मलिक, सरला चौधरी, डॉ. अंशु श्रीवास्तव, डॉ. दर्पण सिंह, संजीव बालियान, विजय सिंह, उपेंद्र तोमर, विनम सैनी, नीरज त्यागी, धर्मेंद्र चौधरी, रजत राठी, मनोज राने, देव राणा आदि का विशेष सहयोग रहा।

मोहल्ला कल्याण सिंह व अटौरा रोड पर सफाई अभियान चलाया

मवाना, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद् मवाना के अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक की उपस्थिति में वार्ड 21, 23 व 14 मोहल्ला कल्याणसिंह अटौरा रोड की दोनों साईड पटरियों पर पालिका के सफाई नायक मनोज के नृतेत्व में सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें सफाई कर्मचारियों ने नाली सफाई, झाड़ू, कूड़ा व वर्षो से उगी घास को साफ कराया गया। पालिकाध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक के साथ सभासद पति रबनवाज, रियाजुद्दीन, पालिका के सफाई नायक मनोज, राकेश व सफाई कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

देशबन्धु नई दिल्ली, शुक्रवार, 13 अक्टूबर, 2023, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

'खामोश' की विशेष स्क्रीनिंग में फिर साथ नजर आएंगे नसीरुद्दीन, शबाना व सोनी

मुंबई। 1986 में रिलीज हुई विधु विनोद चोपड़ा निर्देशित फिल्म 'खामोश' विशेष स्क्रीनिंग के लिए तैयार है। स्क्रीनिंग को खास बनाने के लिए नसीरुद्दीन शाह, शबाना आजमी, सोनी राजदान और अन्य कलाकार कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। उनके साथ चोपड़ा के अन्य करीबी सहयोगी जैसे अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ और राजकुमार हिरानी भी शामिल होंगे। 'खामोश' विशेष फिल्म महोत्सव की शुरुआत करने के लिए तैयार है जो 13 से 19 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा और सिनेमा में विधु विनोद चोपड़ा के 45 साल पूरे होने का जश्न मनाया जाएगा। फिल्म निर्माता के एक करीबी सूत्र ने कहा कि फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन का मानना है कि खामोश वह अनोखा मिश्रण है जहां फिल्म निर्माता की कला पूरी तरह से प्रदर्शित होती है।

'उड़ारियां' में मेरा किरदार लगभग मेरे वास्तविक जीवन जैसा : अलीशा परवीन

मुंबई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। रवि दुबे और सरगुन मेहता अभिनीत शो 'उड़ारियां' में किरदार निभाने वाली अभिनेत्री अलीशा परवीन ने कहा कि उन्हें आलिया रंधावा की भूमिका निभाना पसंद है। शो में टाइम लीप चल रहा है और उन्होंने कहा कि उनका किरदार और भी दिलचस्प हो जाएगा। अभिनेत्री अलीशा परवीन ने कहा कि मेरा किरदार मूल रूप से बड़े सपनों वाली एक लड़की का है। वह एक चुलबुली किस्म की लड़की है, जिसके बड़े सपने हैं जिसके लिए वह कुछ भी कर सकती है लेकिन वह एक लड़के के प्यार में पागल भी है। इसलिए, मेरे किरदार की एक बड़ी खासियत यह है कि वह चुलबुली लेकिन महत्वाकांक्षी है। अलीशा ने कहा कि आजकल लोग कुछ ट्विस्ट और एक अच्छा ड्रामा चाहते हैं जो दिलचस्प हो। अगर एक ही चीज को बार-बार दोहराना लंबे समय तक जारी रहे तो लोग उससे ऊब जाते हैं। इसलिए यहां टाइम लीप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जहां शो में कई नए बदलाव आते हैं। उन्होंने कहा कि लोग कुछ नया, कुछ अधिक दिलचस्प होने की उम्मीद करने लगते हैं, इसलिए लीप के माध्यम से, निर्माता भी एक नए विचार को क्रियान्वित कर सकते हैं या ऐसी और चीजें दिखा सकते हैं जो बड़े दर्शकों को बांध सकें या लोगों को पिछले वाले की तुलना में अधिक मनोरंजन दे सकें।

वैज्ञानिकों ने किया एक नए अध्ययन में खुलासा

सामान्य बीपी दवा एम्लोडिपाइन उपयोग के लिए सुरक्षित

■ रक्तचाप के इलाज के लिए व्यापक रूप से निर्धारित दवा एम्लोडिपाइन मरीजों के लिए खतरनाक नहीं ■ शोध में भारतीय मूल के वैज्ञानिक भी शामिल

न्यूयॉर्क, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक शोध से यह बात सामने आई है कि उच्च रक्तचाप या रक्तचाप के इलाज के लिए व्यापक रूप से निर्धारित दवा एम्लोडिपाइन मरीजों के लिए खतरनाक नहीं है। इस शोध में भारतीय मूल के वैज्ञानिक भी शामिल हैं। द लांसेट में प्रकाशित इंपीरियल कॉलेज लंदन और डब्ल्यूएचओ के नेतृत्व में उच्च रक्तचाप के प्रसार के रुझानों के हालिया वैश्विक विश्लेषण के अनुसार, पिछले 30 वर्षों में उच्च रक्तचाप से पीड़ित 30-79 वर्ष की आयु के वयस्कों की संख्या 650 मिलियन से बढ़कर 1.28 बिलियन हो गई है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित जर्नल फंक्शन में एक नए पेपर में पाया गया है कि उच्च रक्तचाप के इलाज के लिए 'एम्लोडिपिन' दवा सुरक्षित है। अमेरिका में नॉर्थ कैरोलाइना में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च में सिग्नल ट्रांसडक्शन प्रयोगशाला के प्रमुख अनंत पारेख ने कहा कि फ्रंट-लाइन थेरेपी के रूप में एम्लोडिपाइन को हटाने से उच्च रक्तचाप से होने वाली मौतों में वृद्धि होगी। पारेख ने कहा कि अध्ययन बताता है कि एम्लोडिपाइन उच्च रक्तचाप के लिए पहली पंक्ति का उपचार बना रहे। एम्लोडिपिन एक प्रकार के कैल्शियम चैनल को रोकता है जो रक्त वाहिकाओं पर पाया जाता है। जब कैल्शियम चैनल खुलता है, तो कैल्शियम मांसपेशियों में प्रवेश करता है और उसे संकुचित कर देता है, जिससे रक्तचाप बढ़ जाता है।

एम्लोडिपाइन कैल्शियम को अंदर आने से रोकता है, जिससे वाहिका शिथिल हो जाती है और रक्तचाप में कमी आती है। हाल ही में कुछ शोधकर्ताओं ने उच्च रक्तचाप के इलाज के लिए एम्लोडिपिन के लाभ पर सवाल उठाया था।

अध्ययनों से पता चला है कि एम्लोडिपाइन एक अलग प्रकार के कैल्शियम चैनल को सक्रिय कर सकता है, जिसके चलते रक्त वाहिकाओं में परिवर्तन होता है और रोगियों में हृदय विफलता में वृद्धि होती है। उच्च रक्तचाप रोधी दवा के रूप में एम्लोडिपिन को हटाने से स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, क्योंकि उच्च रक्तचाप एक सामान्य स्वास्थ्य स्थिति है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ और ग्लासगो यूनिवर्सिटी की शोध टीमों द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया कि एम्लोडिपाइन लेने से रोगियों में हृदय विफलता में वृद्धि होने की संभावना नहीं है। शोधकर्ताओं ने पाया कि एम्लोडिपाइन में अद्वितीय रासायनिक गुण होते हैं, जिसके कारण दवा कैल्शियम चैनल सक्रियण की नकल करती है। जब अध्ययन के लेखकों ने इन रासायनिक गुणों को नियंत्रित किया, तो उन्होंने पाया कि एम्लोडिपाइन कैल्शियम चैनलों को सक्रिय नहीं करता है। अध्ययन में कहा गया है कि एम्लोडिपाइन हृदय विफलता या अन्य हृदय संबंधी समस्याओं में वृद्धि से जुड़ा नहीं था।

'तेजस' के ट्रेलर में कंगना के शानदार परफॉर्मेंस ने पांचवें राष्ट्रीय पुरस्कार की भविष्यवाणी को दी हवा

मुंबई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अभिनेत्री कंगना रनौत भारत की पहली एरियल एक्शन

फिल्म 'तेजस' के साथ एक बार फिर प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार पर अपनी नजरें जमाती दिख रही हैं। अभिनेत्री पहले ही चार राष्ट्रीय पुरस्कार अपने नाम कर चुकी हैं। फिल्म के ट्रेलर ने इंटरनेट पर काफी सुर्खियां बटोरी है, जिससे फैंस, आलोचक और नेटिजन्स आश्चर्यचकित हैं। इस बात की चर्चा छिड़ गई है कि इस ट्रेलर के साथ कंगना को अपना पांचवां राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा।

भारतीय वायु सेना दिवस पर जारी किए गए ट्रेलर में कंगना को एक उच्च जोखिम वाले मिशन के लिए नियुक्त लड़ाकू पायलट की भूमिका में दिखाया गया है।

कंगना के किरदार ने अपने सम्मोहक प्रदर्शन से काफी ध्यान आकर्षित किया है। अपने किरदार की तैयारी के प्रति उनका समर्पण, उनके उग्र संवाद और उनकी आकर्षक ऑन-स्क्रीन उपस्थिति ने मिलकर उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार की दौड़ में शुरुआती पसंदीदा बना दिया है। 'फैशन', 'क्वीन', 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' और 'मणिकर्णिका-द क्वीन ऑफ झांसी' में उनके अभिनय के लिए पहले ही उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है। इनमें से प्रत्येक भूमिका ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा और अपने पात्रों में पूरी तरह से डूब जाने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित किया। आरएसवीपी द्वारा निर्मित, यह फिल्म सर्वेश मेवाड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित है। तेजस 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मोक्षदायनी फल्गु नदी के जल से तर्पण करने से पितरों को होती है मोक्ष की प्राप्ति

गया, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोक्षदायनी फल्गु नदी के जल से तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। धार्मिक नगरी गयाजी में चल रहे पितृपक्ष मेला के दौरान आज लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने फल्गु नदी के जल से तर्पण कर्मकांड किया। श्रद्धालु फल्गु नदी के तट पर स्थित देवघाट, सीता कुंड सहित विभिन्न घाटों पर पहुंचे और पूरे विधि-विधान के साथ नदी में स्नान कर फल्गु के जल से तर्पण किया। ऐसी मान्यता है कि फल्गु नदी के जल से तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस संबंध में स्थानीय पुरोहित रविंद्र पाठक ने बताया कि वैसे तो यहां लोग पिंडदान करने आते हैं, जिससे पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है, लेकिन पौराणिक मान्यता के अनुसार मोक्षदायनी फल्गु नदी के जल से तर्पण करने से भी पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है, इसलिए पिंडदान के बाद तर्पण कर्मकांड की प्रक्रिया संपन्न कराई जाती है। सबसे ज्यादा महत्व फल्गु नदी के देवघाट पर तर्पण करने का है, क्योंकि भगवान विष्णु ने गयासुर राक्षस के सीने पर पैर रखकर उसे मुक्ति दी थी, इसलिए देवघाट पर तर्पण कर्मकांड करने से साक्षात पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उन्हें बैकुंठ वास होता है. इसीलिए फल्गु नदी को मोक्षदायनी कहा गया है। खासकर पितृपक्ष के महीना में तर्पण कर्मकांड का सबसे ज्यादा महत्व है। वहीं श्रद्धालु सतीश कुमार ने बताया कि अपने पिता एवं अन्य पितरों की आत्मा की मोक्ष की प्राप्ति के लिए यहां तर्पण कर्मकांड कर रहे हैं। गयाजी का ऐसा महत्व है की फल्गु नदी के जल से तर्पण कर्मकांड करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। अगर सच्चे मन से और पूरी श्रद्धा से तर्पण कर्मकांड किया जाए तो पितरों को बैकुंठ लोक में वास होता है और उनकी आत्मा को भी शांति मिलती है।

एक दिन के लिए भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त बनीं चेन्नई की श्रेया धर्मराजन

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर चेन्नई की 21 वर्षीय श्रेया धर्मराजन को एक दिन के लिए भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त नियुक्त किया गया। बता दें कि 11 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने के लिए ब्रिटेन का उच्चायोग 2017 से हर साल 'एक दिन के लिए उच्चायुक्त' प्रतियोगिता का आयोजन करता आ रहा है। इस प्रतियोगिता 18 से 23 साल के बीच की भारतीय महिलाओं को अपनी ताकत दुनिया के साथ साझा करने का अवसर प्रदान किया जाता है। श्रेया, जिन्हें देश भर की युवा महिलाओं के 180 से अधिक आवेदनों में से चुना गया था, ने बुधवार को अपने दिन भर के अनुभव को अविश्वसनीय रूप से ज्ञानवर्धक, समृद्ध और संतुष्टिदायक बताया। उन्होंने कहा कि भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त के रूप में एक दिन बिताना अविश्वसनीय रूप से ज्ञानवर्धक, समृद्ध और संतुष्टिदायक अनुभव था। मुझे व्यापक क्षेत्रों में

महिला नेतृत्व के प्रेरक उदाहरणों से बातचीत करने और उनसे सीखने का अवसर मिला। मैं भाग्यशाली हूं कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भारत के प्रयासों के बारे में जीवंत चर्चा का हिस्सा बन सकी। दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री रखने वाली श्रेया वर्तमान में टीच फॉर इंडिया फेलो के रूप में मुंबई के एक सरकारी स्कूल में पढ़ाती हैं। भारत में यूके की शीर्ष राजनयिक के रूप में, श्रेया ने नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने पर चर्चा का नेतृत्व करते हुए एक पूरी तरह से भरे दिन के दौरान कई गतिविधियों का अनुभव किया।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस

उन्होंने इस साल के अर्थशॉट प्राइज के फाइनलिस्टों में से एक से वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी अभिनव पहलों के बारे में बात की। जी20 शिखर सम्मेलन के बाद यूके-भारत अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजनाओं की समीक्षा करने के लिए भारत के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय सूद से मुलाकात की।

प्रशंसकों का आशीर्वाद ही मेरे जीवित रहने और काम करने का कारण है : अमिताभ बच्चन

मुंबई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन बुधवार को 81 वर्ष के हो गए हैं। उन्होंने अपने प्रशंसकों को शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यही उनके 'जीवित रहने और काम करने' का कारण है। बिग बी ने अपने ब्लॉग में घर के बाहर प्रशंसकों का अभिवादन करते हुए कई तस्वीरें साझा की। एक फोटो में सिने आइकन को माला पहने हुए दिखाया गया है। अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने लिखा कि जब अभिभूत हो तो उन भावनाओं को व्यक्त करना सबसे मुश्किल काम होता है।

युवाओं ने किशोरों के लिए दुनिया के सबसे बड़े मंच पर सक्रियता बढ़ाने के लिए नीति-निर्माताओं पर दबाव बढ़ाया

नई दिल्ली 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में किशोरों और युवाओ की सबसे बड़ी बैठक ग्लोबल फोरम फॉर एडॉल्सेंट्स, सरकारों तथा अन्य हितधारकों की ओर से कुछ नई प्रतिबद्धताओं की घोषणाओं के साथ आज संपन्न हो गई। इस ग्लोबल फोरम का आयोजन दुनिया में महिलाओं, बच्चों तथा किशोरों के स्वास्थ्य से जुड़े दुनिया के सबसे बड़े गठजोड़ पीएमएनसीएच द्वारा दुनियाभर में किशोरों एवं युवाओं की जरूरतों तथा प्राथमिकताओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से 11-12 अक्टूबर, 2023 के दौरान किया गया था। फोरम आज 'एजेंडा फॉर एक्शन फॉर एडॉल्सेंट्स' के लॉन्च के साथ संपन्न हुई। एजेंडा के लिए, 80 से अधिक देशों में रहने वाले, 16-24 वर्ष की आयुवर्ग के 1.2 मिलियन युवाओं की राय 'व्हट यंग पीपल वॉन्ट (WYPW) इनीशिएटिव' के जरिए एकत्र की गई थी, जो कि युवाओं के बीच कराया गया दुनिया का सबसे बड़ा सर्वे है।

क्रिसमस के नए उत्पाद पर विदेशी खरीदारों का आकर्षण

■ आईएचजीएफ दिल्ली फेयर में क्रिसमस के नए उत्पाद को किया गया है डिस्प्ले ■ प्रदेश की अर्थव्यवस्था में हस्तशिल्प सेक्टर की होगा अहम योगदान

ग्रेटर नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) की तरफ से आईएचजीएफ दिल्ली मेले का 56वां संस्करण 12 से 16 अक्टूबर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित किया गया है। मेले में 100 से अधिक देशों से खरीदार शामिल हो रहे हैं, जिसमें पांच हजार से अधिक प्रदर्शक जुड़ रहे हैं। इस संस्करण में होम, फैशन, जीवन शैली, कपड़ा, फर्नीचर आदि के 14 प्रमुख प्रदर्शन खंड शामिल हैं। विदेशी नए नए सजावटी उत्पाद मांग रहती है, स्पर्धा के दौरा में प्रदर्शक नए नए उत्पाद को मार्केट में लाते रहे हैं। विदेशों में क्रिसमस का त्योहार बहुत धूमधाम से मनाया जाता है, जिसमें लोग अपने घरों को सजाते हैं और खरीदारी भी खूब करते हैं। एक्समार्ट बिजनेस के मैनेजिंग डायरेक्टर व ईपीसीएच के डायरेक्टर राजेश कुमार जैन ने बताया कि मुझे एक्सपोर्ट के क्षेत्र में काम करते हुए तीस साल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि 2024 क्रिसमस के लिए दुनिया भर

के खरीदार इस मेले में आ रहे हैं, हलांकि अमेरिका में मंदी जरुर है फिर भी खरीदारों में उत्साह है। खरीदारों का मूड़ धीरे-धीरे मूड बन रहा है। अभी तक 175 देशों के खरीदार आ रहे हैं। खरीदार इस समय पूरा फोकस डिजाइन पर दे रहे हैं। कांच के उत्पाद पर विशेष रुप से फोकस है, अमेरिका में अधिक मांग रहे हैं। क्रिसमस अर्मामेन्ट में सबसे अधिक जो पसंद किया जा रहा है वह है गारलैंड, जो घरों के सामने टांगते हैं, क्रिसमस की, स्टाकिंग होल्डर सहित कई उत्पाद हैं, जिसका यहां पर स्टॉल पर लगाया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के हस्तशिल्पकारों के उत्पाद का प्रदर्शन किया गया है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के एक ट्रिलियन इकोनामी का सपना यह फेयर काफी मददगार साबित होगा।

25 हफ्ते और 750 ग्राम वजन के बच्चे को मिला जीवनदान

नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में महज 25 सप्ताह में जन्म लिए एक बच्चे को बचाया गया। बच्चा जब पैदा हुआ तो उसका वजन महज 750 ग्राम ही था। इस नवजात की डिलीवरी भी काफी जटिल थी क्योंकि एम्नियोटिक फ्लूड का समय से पहले ही रिसाव शुरू हो गया था। साथ ही नवजात को इंफेक्शन भी था। डॉ. आराधना सिंह, एडिशनल डायरेक्टर, ऑब्सटैट्रिक्स एवं गाइनेकोलॉजी, डॉ. संजीव छेत्री, सीनियर कंसल्टेंट, नियोनेटोलॉजी के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने बच्ची की डिलीवरी कराई। डॉ. अराधना सिंह ने बताया कि इस प्रीमैच्योर शिशु की मां झांसी शहर से थी। जब बेहद नाजुक स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया। तब मां और भ्रूण को इंफेक्शन के साथ-साथ प्रीमैच्योर डिलीवरी का भी जोखिम था। अस्पताल में मां और पिता दोनों को नियोनेटल काउंसलिंग की गई। इसके बाद वे सी-सेक्शन डिलीवरी के लिए तैयार हो गए। क्योंकि इस मामले में ट्विन प्रेग्नेंसी के अत्यधिक प्रीमैच्योर होने और समय पूर्व ही रिसाव शुरू होने के कारण भ्रूणों को भी इंफेक्शन का खतरा था।

जुड़वा में एक को बचाया जा सका

उन्होंने बताया कि 'ऑब्सटेट्रिशियन के लिए डिलीवरी (प्रसव) का समय बेहद महत्वपूर्ण और नाजुक होता है क्योंकि उन्हें अजन्मे और प्रीटर्म शिशु से जुड़े जोखिमों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही मां की सेहत को भी संभालना होता है। नियोनेटोलॉजीस्ट्स के लिए इस प्रकार के प्रीटर्म गेस्टेशन के मामलों में, किसी भी तरह की मोरबिडिटी और मोर्टेलिटी बेहद चिंता का विषय होती है। इस वजह से ही फैसला लेने की प्रक्रिया काफी मुश्किल थी। लेकिन सही उपचार से हम मां और शिशु दोनों को बचाने में सफल रहे। एलएससीएस में जुड़वां शिशुओं का प्रसव कराया गया लेकिन उनमें से एक शिशु को बचाया नहीं जा सका जबकि दूसरे शिशु का जन्म भी प्रीमैच्योरिटी (इंट्रा-यूटराइन इंफेक्शन) के चलते 12 घंटे बाद हो गया।

■ **हृदय व आंत के चलते जन्म से ही सांस लेने में थी दिक्कत, बार-बार पड़ रहे थे दौरे**

जन्म से सांस और हृदय से संबंधित थी समस्या

डॉ. संजीव छेत्री ने कहा कि यह प्रीमैच्योर डिलीवरी का मामला था और नवजात को अविकसित फेफड़ों, हृदय व आंत के चलते जन्म के समय ही सांस एवं हृदय संबंधी सपोर्ट की आवश्यकता थी।

थ्रोम्बोसिस कार्डियोवैस्कुलर रोग का कारक, सावधानी से टाल सकता है खतरा

ग्रेटर नोएडा, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। वर्ल्ड थ्रोम्बोसिस डे हर साल 13 अक्टूबर को मनाया जाता है। थ्रांबोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें नसों में रक्त के थक्के बन जाते हैं। थ्रोम्बोसिस गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, जैसे कि दिल का दौरा, स्ट्रोक और पैर का गैंगरीन। एक अध्ययन के

■ **कार्डियोवैस्कुलर से होने वाली 25 फीसदी मृत्यु थ्रोम्बोसिस की वजह से**

अनुसार थ्रांबोसिस कार्डियो वैस्कुलर रोग का एक प्रमुख कारण है। हार्ट अटैक के मामलों में लगभग 25 फीसदी मामले थ्रांबोसिस के चलते होते हैं। थक्के रक्त के प्रवाह को अवरुद्ध कर सकते हैं, जिससे हृदय को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं। इससे हृदय दौरे, स्ट्रोक या अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी विभाग के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. विवेक टंडन ने थ्रोम्बोसिस और इसके इलाज के बारे में बताया कि 'वर्ल्ड थ्रोम्बोसिस डे, थ्रोम्बोसिस के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करता है। थ्रोम्बोसिस एक आम स्थिति है, लेकिन यह अक्सर कम आंकी जाती है। जागरूकता बढ़ने से, लोग इसके लक्षणों और जोखिमों के बारे में अधिक जान सकते हैं।' उन्होंने बताया कि थ्रोम्बोसिस एक गंभीर स्थिति है जिसमें रक्त वाहिका में क्लॉट बन जाता है। यह क्लॉट रक्त प्रवाह को अवरुद्ध कर सकता है, जिससे अंगों को नुकसान या मृत्यु हो सकती है। डॉ. विवेक टंडन ने बताया कि जब हमारे शरीर की धमनियों या शिराओं में कई कारणों से खून के थक्के या ब्लड क्लॉट जमने लगते हैं, तो इसे थ्रोम्बोसिस कहते हैं। थ्रोम्बोसिस के कारण उस ब्लड फ्लो में रुकावट होने लगती है। इसके कुछ लक्षण होते हैं। अगर जैसे कि शिराओं में थ्रोम्बोसिस है, तो वहां पर सूजन होने लगेगी, दर्द होने लगेगा। अगर यह धमनियों में थ्रोम्बोसिस होगा तो तब तक इसके लक्षण नहीं पता लगेंगे जबतक शरीर के किसी अंग में अवरोध पैदा न होने लगे। अगर ऐसा होता है, तो इससे काफी गंभीर परेशानियां हो सकती हैं, जिनमें शामिल है हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक या किसी अंग में खून का प्रवाह रुक जाना, जिससे वह अंग नीला या बेरंग पड़ जाता है। ज्यादातर, इससे शरीर में जो हिस्से प्रभावित होते हैं, उनमें एक तो पैर होता है। पैर से थ्रोम्बोसिस निकलकर फेफड़ों में जा सकता है, जिसे पल्मोनरी इम्बोलिजम कहते हैं। दूसरा जो प्रभावित होता है, वह हृदय होता है, जिससे हार्ट अटैक होता है। ब्रेन पर भी प्रभाव होता है, जिससे स्ट्रोक या फालिज की बीमारी होती है।

थ्रोम्बोसिस दो प्रकार का होता है : वीनस थ्रोम्बोसिस और आर्टिरियल थ्रोम्बोसिस। वेन्स में थ्रोम्बोसिस, जो डीप वेन थ्रोम्बोसिस के नाम से भी जाना जाता है, उससे खून का प्रवाह धीमा या रुक जाता है। धमनियों में थ्रोम्बोसिस, जो आर्टरियल थ्रोम्बोसिस के नाम से भी जाना जाता है, उससे खून के प्रवाह पर असर पड़ता है। थ्रोम्बोसिस के इलाज के लिए सबसे आम दवाएं एंटीकोगुलेंट हैं। एंटीकोगुलेंट रक्त के थक्के को बनने या बढ़ने से रोकते हैं। थ्रोम्बोसिस के प्रकार और गंभीरता के आधार पर, एंटीकोगुलेंट दवाएं लंबे समय तक या कुछ दिनों के लिए दी जा सकती हैं। बहुत गंभीर मामलों में, थ्रोम्बोसिस को हटाने के लिए सर्जरी की आवश्यकता हो सकती है। सर्जरी के प्रकार थक्के के स्थान और आकार पर निर्भर करते हैं।

थ्रोम्बोसिस को रोकने के लिए कुछ उपाय

- >>नियमित रूप से व्यायाम करना रक्त प्रवाह को बढ़ाने और रक्त के थक्के बनने की संभावना को कम करने में मदद करता है।
- >> वजन कम करें क्योंकि मोटापा रक्त के थक्के बनने की संभावना बढ़ाता है।
- >> धूम्रपान न करें, धूम्रपान रक्त को गाढ़ा बना सकता है, जिससे क्लॉट बनने की संभावना बढ़ जाती है।
- >> कैंसर या डायबिटीज के मरीज या ऑर्थोपेडिक सर्जरी करा चुके मरीज अपनी दवाएं समय पर लें।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

भारती एयरटेल	2.90 प्रतिशत
कोटक बैंक	2.15 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	2.14 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यूएस स्टील	2.09 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.50 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इंडसइंड बैंक	0.51 प्रतिशत
टीसीएस	0.22 प्रतिशत
टाइटन	0.09 प्रतिशत
एशियन पेंट	0.05 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	59900
बिटुर	59275
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	30,345
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74,700
वायदा	72,285
चांदी सिक्का लिवाली	825
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	83.143	83.775
पौंड स्टर्लिंग	103.09	105.45
यूरो	88.51	88.80
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

एसडीजी की दिशा में प्रगति के लिए परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की अपनाने की जरूरत : सीतारमण

माराकेच (मोरक्को) 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यहां कहा कि वर्तमान के चुनौतीपूर्ण समय में वसुधैव कुटुंबकम या एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की सच्ची भावना के साथ 2030 के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

श्रीमती सीतारमण ने यहां अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) विश्व बैंक की वार्षिक बैठक के इतर विकास समिति की 108वीं बैठक में विश्व बैंक के गवर्नर के रूप में भाग लिया। बैठक का एजेंडा था पृथ्वी पर गरीबी को समाप्त करना - विश्व बैंक के विकास पर गवर्नरों को रिपोर्ट। श्रीमती सीतारमण ने हस्तक्षेप करते मोरक्को और लीबिया में भूकंप और बाढ़ के पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भारत मोरक्को और लीबिया के लोगों और अधिकारियों के साथ एकजुटता से खड़ा है क्योंकि वे इससे उबरने का प्रयास कर रहे हैं। इन आपदाओं का विनाशकारी प्रभाव होता है। एजेंडे पर बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि विकासात्मक प्रभाव को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के उद्देश्य से %बेहतर, बड़ा और अधिक प्रभावी% विश्व बैंक बनाने के जी20 देशों के सामान्य लक्ष्य की दिशा में प्रगति उत्साहजनक है। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि विश्व बैंक के विकास की दिशा बहुस्तरीय विकास बैंक (एमडीबी) पारिस्थितिकी तंत्र में खाका तैयार करेगी।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि भारत पृथ्वी पर गरीबी मुक्त दुनिया बनाने के विश्व बैंक के नए दृष्टिकोण का समर्थन करता है। गरीबी को समाप्त करने और पृथ्वी पर साझा समृद्धि को बढ़ावा देने के उसके नए मिशन का समर्थन करता है जो विश्व बैंक को गरीबी से लड़ने के लिए एक मजबूत जनादेश देता है। वैश्विक चुनौतियों का समाधान करें। वित्त मंत्री ने विश्व बैंक को अन्य एमडीबी के साथ जहां तक संभव हो प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं को संरेखित करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया - इससे उन ग्राहक देशों को काफी लाभ होगा, जिन्हें कई एमडीबी से निपटना पड़ता है।

उन्होंने कहा हमारी बढ़ी हुई महत्वाकांक्षा को साकार करने के लिए बैंक की क्षमता बढ़ाने के लिए माराकेच से आगे और काम करने की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि संवर्धित डब्ल्यूबीजी देश सहभागिता मॉडल राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं में मजबूती से निहित है। इसके अलावा, सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं के सिद्धांत के अनुरूप जलवायु कार्रवाई में संलग्न रहते हुए, हम विश्व बैंक को अनुकूलन वित्त के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में और अधिक महत्वाकांक्षी होने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बड़े पैमाने पर निजी पूंजी जुटाने को सक्षम करने के लिए एक उन्नत वन वर्ल्ड बैंक दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी। साथ ही वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण को देखते हुए, हमें निजी पूंजी जुटाने की क्षमता के आकलन में यथार्थवादी होना चाहिए। उन्होंने कहा हम इस निष्कर्ष से पूरी तरह सहमत हैं कि विश्व बैंक के लिए नए, अतिरिक्त संसाधन जुटाकर ग्राहकों के लिए काफी कुछ किया जा सकता है।

सितंबर में खुदरा महंगाई घटकर 5.02 प्रतिशत पर आई

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस वर्ष सितंबर महीने में सब्जियों और फलों के साथ ही ईंधन की कीमतों में कमी आने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई घटकर 5.02 प्रतिशत पर आ गयी जबकि पिछले वर्ष सितंबर में यह 7.41 प्रतिशत रही थी। इस वर्ष अगस्त में यह महंगाई 6.83 प्रतिशत रही थी।

आज जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार सितंबर 2023 में खाद्य महंगाई 6.56 प्रतिशत पर रही है जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 8.60 प्रतिशत पर रही थी। इस वर्ष अगस्त में यह 8.53 प्रतिशत रही थी। इस वर्ष सितंबर में सब्जियों की महंगाई 198.3 पर रही जबकि अगस्त 2023 में यह 235.4 रही थी। इसी तरह से फलों की खुदरा महंगाई 177.8 पर रही जबकि अगस्त महीने में यह 179.8 पर रही थी। सरकार द्वारा रसोई सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपये की कमी किये जाने से लोगों को काफी राहत मिली है क्योंकि खुदरा महंगाई में शामिल ईंधन एवं लाइट समूह की महंगाई सितंबर महीने में 179.3 पर आ गयी जबकि अगस्त 2023 में यह 186.5 पर रही थी।

हालांकि अगस्त की तुलना में अनाजों, मांस एवं मछली, अंडें, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, तेल एवं वसा , दाल एवं दलहन, चीनी एवं चीनी निर्मित उत्पाद, मसालें तथा गैर एल्कोहलिक ब्रेबरेज की कीमतों में कुछ बढोतरी देखी गयी है। इस दौरान विर्निमित उत्पादों की महंगाई में भी मामूली वृद्धि देखी गयी है।

गंगाजल जीएसटी मुक्त : सीबीआईसी

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने आज स्पष्ट किया कि गंगाजल पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) नहीं है और यह जीएसटी से मुक्त है।

इस संबंध में सीबीआईसी ने आज यहां एक स्पष्टीकरण जारी कर कहा कि गंगाजल पूजा के लिए इस्तेमाल होता है और पूजा सामग्री को देश में जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है। बोर्ड ने बताया कि पूजा सामग्री पर जीएसटी को लेकर जीएसटी परिषद ने 18-19 मई 2017, और 3 जून, 2017 को अपनी बैठक में चर्चा की थी, जिसमें इन्हें छूट की श्रेणी में रखा गया था। ऐसे में जीएसटी की शुरुआत के साथ ही गंगाजल जीएसटी के दायरे से बाहर है। इसके साथ ही अन्य पूजन सामग्री भी जीएसटी के दायरे से बाहर है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक ट्वीट कर कहा था कि सरकार ने गंगाजल पर 18 फीसदी जीएसटी लगाया है, जिसके बाद सीबीआईसी की ओर से यह स्पष्टीकरण आई है। पैकेज्ड पानी पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है और गंगाजल भी बोतलों में ही बिकता है। ऐसे में इसे भी पैकेज्ड मान लिया जाता है।

70 लाख टेलीकॉम इकाइयों तक पहुंची नोकिया की चेन्नई फैक्ट्री

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोकिया ने बताया कि चेन्नई में उसकी फैक्ट्री ने 70 लाख दूरसंचार इकाइयों तक पहुंचकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

नोकिया की उपलब्धि सरकार की मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप है जो कंपनियों को देश में उत्पादों के विकास और निर्माण के लिए प्रोत्साहित करती है। नोकिया की चेन्नई फैक्ट्री घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों के लिए 4जी, 5जी नेटवर्क सहित दूरसंचार बुनियादी ढांचे के उपकरणों का बड़े पैमाने पर निर्माता है। ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और ईएमएस मैनेजमेंट के प्रमुख तेमु टोइवियानेन ने एक बयान में कहा कि हमारी चेन्नई फैक्ट्री भारतीय प्रतिभा के कौशल और विशेषज्ञता का प्रमाण है।

भारत में सबसे पहले 5जी एनआर का निर्माण करने से लेकर अब 5जी के बड़े पैमाने पर एमआईएमओ उत्पादों और परिवहन नेटवर्क तत्वों का उत्पादन करने तक, हमने एक लंबा सफर तय किया है। उन्होंने कहा कि नोकिया में हम दुनिया को भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए स्थिरता में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। यह फैक्ट्री पवन और सौर ऊर्जा से संचालित होती है, जो हरित ऊर्जा खपत में 81 प्रतिशत तक योगदान करती है। 2025 तक इसे 100 प्रतिशत करने का लक्ष्य है।

फैक्ट्री ने इस साल संचालन के पंद्रह साल पूरे कर लिए हैं और देश में दूरसंचार उपकरण विनिर्माण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

फैक्ट्री 5जी न्यू रेडियो (5जी एनआर), 5जी मैसिव एमआईएमओ उत्पाद, 4जी/एलटीई रेडियो के साथ-साथ फाइबर ब्रॉडबैंड उपकरण आदि बनाती है। नोकिया अपने उत्पादन का लगभग 50 प्रतिशत निर्यात करता है। इसके अलावा, इसने 5जी उपकरण निर्माण को पिछले वर्षों की तुलना में दो गुना तक बढ़ा दिया है।

टेक महिंद्रा और इंफोसिस में बिकवाली से बाजार फिसला

मुंबई 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर टेक महिंद्रा, इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, एसबीआई और एलटी समेत चौदह कंपनियों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार की पिछले लगातार दो दिनों की तेजी थम गई। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 64.66 अंक उतरकर 66408.39 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 17.35 अंक फिसलकर 19794 अंक पर आ गया। वहीं, मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में हुई लिवाली ने बाजार को और अधिक गिरने से बचाया। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.30 प्रतिशत चढ़कर 32,322.73 अंक और स्मॉलकैप 0.60 प्रतिशत की तेजी लेकर 38,198.50 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3792 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2169 में लिवाली जबकि 1500 में बिकवाली हुई वहीं 123 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 29 कंपनियां हरे जबकि 21 लाल निशान पर रही।

बीएसई में कैपिटल गुड्स, रियल्टी, टेक और आईटी में 1.48 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर 16 समूहों में तेजी रही। ऊर्जा 1.16, ऑटो 0.71, धातु 0.93 और तेल एवं गैस समूह में 1.40 प्रतिशत की बढ़त रही। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.80, जर्मनी का डैक्स 0.65, जापान का निक्केई 1.75, हांगकांग का हैंगसेंग 1.93 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.94 प्रतिशत उछल गया।

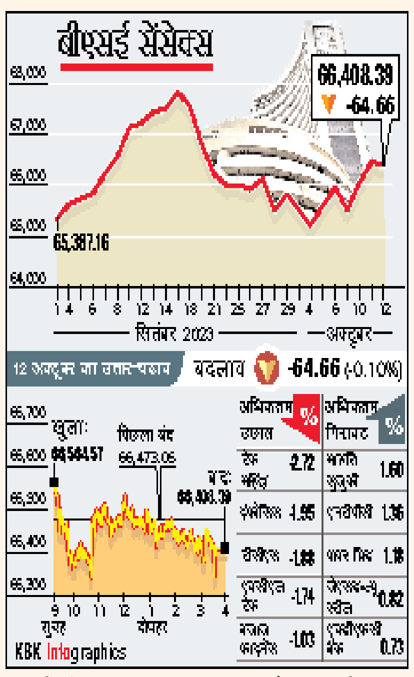

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 92 अंक की बढ़त के साथ 66,564.57 अंक पर खुला और लिवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 66,577.60 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान हुई बिकवाली के दबाव में यह दोपहर से पहले 66,339.42 अंक के निचले स्तर पर आ गया। अंत में पिछले दिवस के 66,473.05 अंक के मुकाबले 0.10 प्रतिशत फिसलकर 66,408.39 अंक पर आ गया।

निफ्टी भी 11 अंक बढ़कर 19,822.70 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,843.30 अंक के उच्चतम जबकि 19,772.65 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले दिवस के 19,811.35 अंक की तुलना में 0.09 प्रतिशत उतरकर 19,794.00 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली कंपनियों में टेक महिंद्रा 2.72, इंफोसिस 1.95, टीसीएस 1.88, एचसीएल टेक 1.74, बजाज फाइनेंस 1.03, विप्रो 1.01, नेस्ले इंडिया 0.57, कोटक बैंक 0.50, एसबीआई 0.36, भारती एयरटेल 0.27, एलटी 0.23, एक्सिस बैंक 0.16, एशियन पेंट 0.13 और बजाज फाइनेंस 0.09 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, मारुति 1.60, एनटीपीसी 1.36, एचडीएफसी बैंक 0.73, टाटा स्टील 0.72, टाटा मोटर्स 0.47, सन फार्मा 0.25, आईसीआईसीआई बैंक 0.18 और रिलायंस ने 0.16 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

इजरायल-हमास युद्ध विश्व अर्थव्यवस्था पर काला बादल : आईएमफ प्रमुख

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने गुरुवार को कहा कि इजरायल-हमास संघर्ष ने विश्व अर्थव्यवस्था के क्षितिज को अंधकारमय कर दिया है, जो पहले से ही कमजोर विकास के दौर से गुजर रही है।

जॉर्जीवा ने कहा कि आईएमएफ बहुत बारीकी से स्थिति पर नजर बनाए हुए है कि यह तेल बाजारों को कैसे प्रभावित कर रहा है। उन्होंने आईएमएफ और विश्व बैंक की मोरक्को में वार्षिक बैठक में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, साफ है कि यह विश्व अर्थव्यवस्था पर काला बादल है, और निश्चित रूप से इसकी जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में कुछ उतार-चढ़ाव और बाजारों में प्रतिक्रियाएं हुई हैं, लेकिन आर्थिक प्रभाव की भविष्यवाणी करना जल्दबाजी होगी।

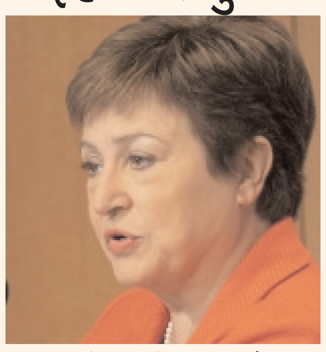

उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम गंभीर झटके झेल रहे हैं जो अब कमजोर विकास और आर्थिक विखंडन से कमजोर दुनिया के लिए सामान्य बात है। आईएमएफ ने इस वर्ष के लिए वैश्विक वृद्धि का अनुमान 3 प्रतिशत रखा है, लेकिन 2024 के लिए इसे घटाकर 2.9 प्रतिशत कर दिया है।

फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास द्वारा गाजा से इजरायल पर किए गए हमले में सैकड़ों लोग मारे गए हैं और तेल बाजारों में हलचल मच गई है। आशंका पैदा हो गई कि यह अमेरिका और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक संघर्ष में फैल जाएगा जो मध्य पूर्व में तेल शिपमेंट को बाधित कर सकता है।

सार संक्षेप

टेस्ला पावर इंडिया का थाइहुआवेई बैटरी कंपनी के साथ गठबंधन

नई दिल्ली। टेस्ला पावर इंडिया ने मोटरसाइकिलों के लिए लंबे समय तक चलने वाली बैटरी निर्माण को गति देने के उद्देश्य से थाईलैंड की कंपनी थाईहुआवेई बैटरी कंपनी लिमिटेड के साथ रणनीतिक गठबंधन करने की घोषणा की है। इस सहयोग के प्रमुख लाभों में से एक चीन से बैटरी सोर्सिंग की तुलना में थाईलैंड से शून्य-आयात शुल्क के कारण लागत में महत्वपूर्ण कमी है। टेस्ला पावर इंडिया का थाईलैंड से आयात करने का रणनीतिक निर्णय सामर्थ्य बढ़ाने और दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। दोनों बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बीच यह साझेदारी व्यापार को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास को सुविधाजनक बनाने के साझा लक्ष्य के अनुरूप है। मोटरसाइकिल बैटरी पर प्राथमिक ध्यान देने के साथ, इस सहयोग का उद्देश्य भारतीय बाजार में बेहतर तकनीक और सामर्थ्य लाना है। टेस्ला पावर इंडिया के प्रबंध निदेशक कविंदर खुराना ने कहा भारत में हर महीने लगभग एक करोड़ मोटरसाइकिल बैटरियां बदली जाती हैं। यदि हमारी नवीन तकनीक का उपयोग करके मोटरसाइकिल बैटरी का जीवनकाल बढ़ाया जा सकता है, तो इससे भारतीय उपभोक्ताओं की लागत बच जाएगी। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन की विशेषताओं में मोटरसाइकिल बैटरी के लिए मानार्थ एफआरसी, भारत में भविष्य की विनिर्माण सुविधा, व्यापक उपलब्धता शामिल है।

कैम्पस एक्टिववेयर बनी नवीनतम बीआईएस लाइसेंस प्राप्त करने वाली पहली फुटवेयर कंपनी

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े खेल और एथलेज़र फुटवेयर ब्रांडों में से एक, कैंपस एक्टिववेयर लिमिटेड ने बीआईएस से लाइसेंस प्राप्त करने वाली पहली राष्ट्रीय जूता विनिर्माता बनने की उपलब्धि की घोषणा की। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि, उच्च गुणवत्ता वाले जूते बनाने और ग्राहकों की संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता की प्रतीक है। यह उपलब्धि पूरी तरह से 'मेक इन इंडिया' पहल के अनुरूप है, जो देश के भीतर, उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के विनिर्माण और उत्पादन को प्रोत्साहित करता है। कैंपस एक्टिववेयर, सख्त बीआईएस गुणवत्ता मानदंडों का अनुपालन करने वाले जूते का उत्पादन कर, अपने ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद मुहैया कराती है और वैश्विक गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करते हुए स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने के 'मेक इन इंडिया' मिशन में योगदान देती है। ब्रांड का उत्कृष्टता के प्रति समर्पण, एक ज़िम्मेदार इकाई के रूप में इसकी स्थिति को मज़बूत करता है जो नवोन्मेष और ग्राहक को बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के विचार पर केंद्रित है।

स्कोडा ने विशेष कीमतों व नई खूबियों के साथ लाँच किए वाहन

नई दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी स्कोडा ऑटो इंडिया ने त्योहारी सीजन के मद्देनजर अपने वाहनों की विशेष कीमतों की घोषणा के साथ ही नई खूबियों के साथ वाहन लाँच किया है। कंपनी ने आज यहां कहा कि त्योहारों के दौरान कंपनी कई सौगात लेकर आ रही है। कंपनी व्यापक पोर्टफोलियो के साथ ही, त्यौहारों की अवधि में आकर्षक कीमतों, कारों में कई नई खूबियों की पेशकश करेगी। इतना ही नही, स्कोडा ऑल-न्यू स्लाविया मैट एडिशन भी लॉन्च की गयी है।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अक्टूबर का पाम ऑयल वायदा 70 रिंगिट की तेजी लेकर 3600 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, अक्टूबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.33 सेंट की गिरावट लेकर 52.39 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : चना 6150-6250, दाल चना 7150-7250, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9650-9750, उड़द दाल 9900-10000, अरहर दाल 10000-10100 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

स्टील, सीमेंट उद्योग को नेट-जीरो लक्ष्य पाने के लिए 47 लाख करोड़ रुपए की जरूरत होगी : सीईईडब्ल्यू

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्टील और सीमेंट संयंत्र को नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य पाने के लिए 47 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) की जरूरत होगी।

ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) की ओर से जारी हुए दो अध्ययनों इवैल्युएटिंग नेट-जीरो फॉर द इंडियन स्टील इंडस्ट्री और इवैल्युएटिंग नेट-जीरो फॉर द इंडियन सीमेंट इंडस्ट्री से यह जानकारी सामने आयी है। स्टील और सीमेंट उत्पादन में भारत पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर है। इन दोनों उद्योगों में बहुत ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है। इन उद्योगों को कार्बन मुक्त करने (डीकार्बोनाइजिंग) की लागत का आकलन करने वाला यह अपनी तरह का पहला अध्ययन है। इसमें इसके अनुसार स्टील और सीमेंट क्षेत्रों को नेट-जीरो की दिशा में बढ़ने के लिए सालाना एक लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त परिचालन खर्च (ओपेक्स) की जरूरत होगी। मार्जिनल अबेटमेंट कास्ट (मैक) से पता चलता है कि किसी क्षेत्र से एक टन कार्बन डाई-ऑक्साइड उत्सर्जन घटाने के लिए कितना निवेश करना होगा। मैक कर्व से उपलब्ध तकनीकों के साथ-साथ उनकी कार्बन उत्सर्जन घटाने की क्षमता और निवेश के संबंधों की जानकारी मिलती है।

एकीकृत ऊर्जा बीपी कंपनी से वित्त पोषित सीईईडब्ल्यू का अध्ययन यह भी बताता है कि वेस्ट-हीट रिकवरी (व्यर्थ होने वाले ताप को दोबारा प्राप्त करना) और ऊर्जा कुशल ड्राइव एवं कंट्रोल जैसी कुशल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से लागत को बढ़ाये बगैर स्टील उद्योग से आठ से लेकर 25 प्रतिशत तक और सीमेंट उद्योग से 32 प्रतिशत तक कार्बन उत्सर्जन घटाया जा सकता है। इसके अलावा केवल 8.5 प्रतिशत अतिरिक्त कैपेक्स और 30 फीसदी अतिरिक्त वार्षिक ओपेक्स से स्टील और सीमेंट दोनों उद्योगों में संयुक्त रूप से 33 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन घटाया जा सकता है। यह कटौती कार्बन कैप्चर तकनीक और वैकल्पिक ईंधन एवं कच्चे माल की आपूर्ति के बिना की जा सकती है।

सीईईडब्ल्यू के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ अरुणाभा घोष ने कहा, भारत के स्टील और सीमेंट उद्योगों को डीकार्बोनाइज करने से न केवल इससे जुड़े जलवायु लक्ष्यों को पाने, बल्कि उद्योगों को ऐसे विश्व में बाजार प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी, जहां सततशीलता से जुड़े नियम लगातार सख्त हो रहे हैं। ऐसे अध्ययन नीतियों के लिए जरूरी सूचनाएं उपलब्ध कराते हैं। ये औद्योगिक गतिविधियों को सीमित किए बगैर कार्बन उत्सर्जन घटाते हुए भारत के नेट-जीरो लक्ष्यों की दिशा में व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ने के लिए आवश्यक हैं।

खेल जगत

छक्के मारने के मामले में क्रिस गेल से प्रेरणा लेते हूं : रोहित शर्मा

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि वह छक्के मारने के मामले में क्रिस गेल से प्रेरणा लेते है। भारत बनाम अफगानिस्तान मुकाबले में कल जब भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बल्लेबाजी करने उतरे तो वह क्रिस गेल के 553 छक्कों से सिर्फ दो छक्के पीछे थे। उन्होंने शुरुआती 31 गेंदों में ही तीन छक्के लगाकर क्रिस गेल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली थी। मुकाबले को आठ विकेट से जीतने के बाद रोहित ने बीसीसीआई टीवी से बातचीत में कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह इतने छक्के मारेंगे। वह छक्के मारने के मामले में गेल से प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने खेलना शुरू किया था तो मैंने नहीं सोचा था कि मैं अकेले इतने छक्के मार सकूंगा। हां, मैंने वर्षों से इस पर काम किया है और मैं इससे खुश हूं। हालांकि मैं जिस तरह का इंसान हूं, इससे संतुष्ट नहीं रहूंगा और ऐसा करना जारी रखूंगा। यह मेरे लिए छोटी-छोटी खुशियों का एक पल है।

रोहित शर्मा के तूफानी शतक से भारत ने अफगानिस्तान को दी 8 विकेट से शिकस्त

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

■ **रोहित बने वन डे विश्व कप में सबसे ज्यादा सात शतक जड़ने वाले बल्लेबाज**

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नै में पहले मैच में शून्य पर आउट होने का गुस्सा यहां अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरे मैच में अफगानिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई कर उतारा। रोहित के तूफानी शतक और इशान किशन के साथ उनकी शतकीय भागीदारी की बदौलत दो बार के चैंपियन भारत ने अफगानिस्तान को आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप मैच में बुधवार को यहां आठ विकेट से करारी शिकस्त दे लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत के लिए इस जीत में सबसे अच्छी बात यह रही कि उसकेऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच मे नाकाम रहे कप्तान रोहित शर्मा, इशान किशन और श्रेयस अय्यर सहित उसके शीर्ष क्रम के तीनों बल्लेबाज रंग में लौट आए हैं। वन डे विश्व कप में रोहित अब सबसे ज्यादा सात शतक जडने् वाले बल्लेबाज तो बने ही और सबसे कम मैचों में एक हजार पूरे करने के डेविड वॉर्नर (19 मैच) के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। साथ ही रोहित (556 छक्कों) ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में कुल वेस्ट इंडीज के क्रिस गेल (553छक्कों)के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। रोहित ने अपना शतक मात्र पारी के 18 वें और नबी के चौथी ओवर की दूसरी गेंद पर एक रन दौड़ कर मात्र 63 गेंद खेल चार छक्कों और 12 चौकों की मदद से पूरा कर वन डे विश्व कप में भारत के लिए सबसे तेज शतक जडने् के कपिल देव(72 गेंद) के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। भारत अब अहमदाबाद में शनिवार को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा। पाकिस्तान की टीम भी अब तक अपने लगातार दो मैच जीत चुकी है लेकिन उसके कप्तान बाबर आजम को अभी भी बड़ी पारी की तलाश है।

भारत के सदाबहार अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (3/39) की रफ्तार के साथ धार दिखा कर कप्तान बाएं हाथ के हशमतुल्लाह शाहिदी(80 रन, 88 गेंद, एक छक्का, आठ चौके) और अजमतुल्लाह ओमरजई (62 रन, 69 गेंद, चार छक्के, दो चौके) जवाबी हमला बोलते हुए चौथे विकेट की मात्र 128 गेंद में मात्र 121 रन की तेज भागीदारी की बदौलत टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करने वाले अफगनिस्तान को फिरोजशाह कोटला की सपाट पिच पर निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट पर 272 रन पर रोक दिया भारत के उपकप्तान हार्दिक पांडया (2/43) ने रहमतुल्लाह गुरबाज (21 रन, तीन चौके, एक छक्का) को धीमे बाउंसर पर शार्दूल ठाकुर के हाथों कैच कराने के बाद अजमतुल्लाह ओमरजई को धीमी गेंद पर बोल्ड उनकी और कप्तान शाहिदी की खतरनाक होती भागीदारी को तोड़ अफगानिस्तान को विशाल स्कोर बनाने से रोक ा। अफगानिस्तान का ओमरजई को बल्लेबाजी में नबी से उपर पांचवें नंबर पर भेजने का फैसला सही रहा।

जवाब में कप्तान रोहित शर्मा (131 रन, 84 गेंद, पांच छक्के, 16 चौके) की अपने सलामी जोड़ीदार इशान किशन (47 रन, 47 गेंद, दो छक्के, पांच चौके) की 18.4 ओवर में 156 रन तथा विराट कोहली के साथ मात्र सात ओवर में 49 रन की भागीदारी की बदौलत भारत ने 35 ओवर में मात्र दो विकेट खोकर 273 रन बनाकर मैच जीत लिया। जब रोहित आउट होकर पैवेलिन लौटे तब भारत जीत से मात्र 68 रन दूर था और उसके आठ विकेट बाकी थे। विराट कोहली ने श्रेयस अय्यर के तीसरे विकेट के लिए 68 रन की असमाप्त भागीदारी कर भारत को जिता कर ही दम लिया। विराट ने अजमतुल्लाह उमरजई की गेंद पर सीधा चौका जड़ भारत को 15 ओवर के बाकी रहते आठ विकेट से जीत दिला दी। विराट 56 गेंद खेल कर 55 और श्रेयस अय्यर 23 गेंद एक चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाकर नॉटआउट रहे। लेग स्पिनर राशिद खान (2/57) अफगानिस्तान के सबसे कामयाब गेंदबाज रहे।

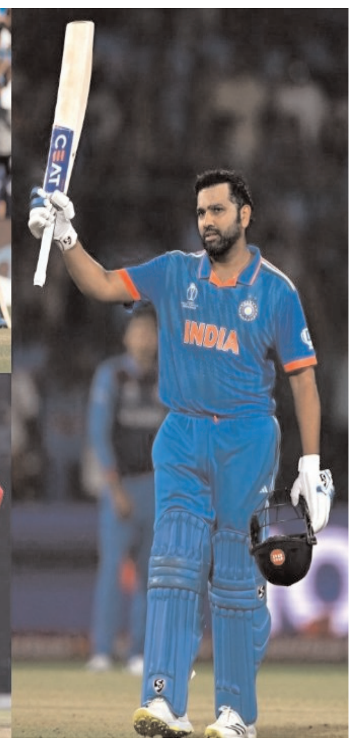

इशान किशन ने लेग स्पिनर राशिद खान की गेंद को हड़बड़ी में खेलने की कोशिश में कवर में नबी को आसान सा कैच थमा पैवेलियन लौटे और भारत ने अपना पहला 156 पर खोया। राशिद ने अपने पहले स्पैल में बेशक इशान का विकेट चटकाया लेकिन इसके पांचवें ओवर में उनकी भारत के कप्तान रोहित ने खूब धुनाई कर पहले चौका और छक्का जड़ा 15 रन बटोरे। रोहित शर्मा ने राशिद खान की फ्लिपर को स्वीप करने की कोशिश की और गेंद उनका विकेट उड़ा दे गई। कप्तान रोहित शर्मा ने फिरोजशाह कोटला की सपाट पिच पर अफगानिस्तान के बाएं हाथ के रफ्तार के सौदागर को स्पिनर को खेलने के अंदाज में चहलकदमी कर चौके और छक्के जड़ यहां अरुण जेटली स्टेडियम में मौजूदा 40 हजार से ज्यादा की तादाद में मौजूदगी दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। भारत ने अपने 100 मात्र 11.5 ओवरों में और 200 रन 24.2 ओवर में पूरे किए। इसके अगले ओवर में भारत के स्कोर में पांच रन ही और जुड़े कि उसने कप्तान रोहित के रूप में उसका अपना दूसरा विकेट 205 रन पर गंवाया। रोहित ने अपने सलामी जोड़ीदार इशान किशन के साथ 10 ओवर के पहले पॉवरप्ले में ही 94 रन जोड़ कर अफगानिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई कर उनके हौसले तोड़ दिए और इसमें खुद रोहित का योगदान 71 रन और इशान का मात्र 11 रन का था। भारत ने सातवें से दसवें ओवर में रोहित ने अपना अर्द्धशतक मात्र 30 गेंदों में दो छक्कों और सात चौकों की मदद से पूरा किया। रोहित ने इशान किशन के साथ शतकीय भागीदारी मात्र 71 गेंदों में पूरी की और इसमें खुद रोहित का योगदान 79 और इशान 12 रन पर थे।

इससे पहले भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपने चौथे ओवर की चौथी गेंद पर अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान (22 रन, 28 गेंद, चार चौके) को आउट कर भारत के पहली कामयाबी दिलाने के बाद मारधाड़ वाले ओवरों में अपने दूसरे स्पैल में नजीबुल्लाह जादरान(2) को विराट कोहली के हाथों और इससे अगले ओवर में मोहम्मद नबी (19 रन, एक चौका, 27 गेंद) को एलबीडब्ल्यू आउट और फिर अपने दसवें व अंतिम तथा पारी के अंतिम पूर्व की पहली गेंद पर खतरनाक होते दिखे राशिद खान (16 रन, 12 गेंद, एक चौका, एक छक्का) पर स्वीपर कवर पर कुलदीप यादव के हाथों लपकवाया। दरअसल जडेजा और कुलदीप दोनों ही राशिद के कैच के लिए दौड़े लेकिन अंतत कुलदीप ने अपने दूसरे प्रयास में गेंद को लपकने में कोई गलती नहीं जमकर खेल रहे अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी को बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव (1/40) ने रिवर्स स्वीप करने पर मजबूर कर एलबीडब्ल्यू आउट किया। शार्दूल ठाकुर ने रहमत शाह (16) को एलबीडब्ल्यू आउट किया। बर्डथे बॉय हार्दिक पांडया ने अपने दूसरे स्पैल के पहले ओवर में चतुर गति परिवर्तन से तूफानी अंदाज पकड़ चुके ओमरजई (62 रन, 69गेंद, चार छक्के, दो चौके)को धीमी गेंद से छकाया और गेंद उनके बल्ले को छका कर उनका ऑफ स्टंप उड़ा ले गई और इसके साथ ही उनके कप्तान हशमतुल्लाह के साथ खतरनाक होती भागीदारी के 35 ओवर में टूटने से अफगानिस्तान का स्कोर चार विकेट पर 184 रन हो गया। कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने पहले हार्दिक की गेंद को स्लैश कर चौका जड़ अपना अर्द्धशतक 57 गेंद खेल कर चार चौकों की मदद से पूरा किया और इससे ठीक पहले उन्होंने एक रन जोड़ कर ओमरजई के साथ शतकीय भागीदारी पूरी की थी। बर्थडे बॉय भारत के उपकप्तान हार्दिक पांडया के तीसरे ओवर में तेज बाउंसर को हुक करने की कोशिश में रहमतुल्लाह गुरबाज (21 रन, 28 गेंद, एक छक्का, तीन चौके) ने हुक करने की कोशिश की इस पर डीप फाइन लेग पर मैदान से बाहरी गेंद को शार्दूल ठाकुर ने लपका वापस भीतर मैदान की ओर उछाल शानदार कैच लपक कर अफगानिस्तान का स्कोर 12.4 ओवर में दो विकेट पर 63 रन कर दिया। गुरबाज ने आउट होने से पहले अफगानिस्तान की पारी का पहला छक्का शार्दूल के पहले ओवर में जड़ा था।

सिंधु आर्कटिक ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंची

वांटा 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय शटलर पीवी सिंधु गुरुवार को आर्कटिक ओपन 2023 बैडमिंटन के राउंड ऑफ में 16 के महिला एकल मुकाबले में चीनी ताइपे की वेन ची सू को हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु आज यहां खेले गये राउंड ऑफ 16 के महिला एकल मुक़ाबले में विश्व की 22वें नंबर की शटलर चीनी ताइपे की वेन ची सू को 21-11, 21-10 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई।

बैडमिंटन में 13वीं वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने शुरुआती मिनटों में ही चीनी ताइपे के खिलाफ बढ़त हासिल कर ली और अपने दबदबे को बरक़रार रखते हुए बैक-टू-बैक प्वाइंट अपने नाम करते हुए 21-11 से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में पीवी सिंधु आत्मविश्वास से लबरेज़ नज़र आईं और एकतरफ़ा गेम में वेन ची सू को 21-10 से हराकर बीडब्ल्युएफ सुपर 500 टूर्नामेंट का यह प्री-क्वार्टरफाइनल मुक़ाबला जीत लिया। उल्लेखनीय है कि इन दोनों खिलाड़ियों का सामना एशियन खेल 2023 के राउंड ऑफ 32 में हुआ था, जहां भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने सीधे गेम में जीत हासिल की थी। पीवी सिंधु ने इससे पहले राउंड ऑफ 32 मैच में नोज़ोमी ओकुहारा को हराकर अगले राउंड में जगह बनाई थी। वहीं, दिन के अन्य मुक़ाबले में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी भी अपने मुक़ाबले के लिए कोर्ट पर नज़र आएगी। इसके अलावा किदांबी श्रीकांत भी पुरुष एकल में अपना प्री-क्वार्टरफाइनल मुक़ाबला खेलेंगे। इसके साथ ही महिला एकल में आकर्षी कश्यप चीन की वांग झीयी को टक्कर देंगी।

ब्लैकबेरीज ने एशियाई पैरा गेम्स पैरालंपिक समिति के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (देशबन्धु)। ब्लैकबेरीज़ इस महीने के अंत में चीन के हांगझोऊ में होने वाले आगामी चौथे एशियाई पैरा खेलों के लिए आधिकारिक औपचारिक भागीदार के रूप में भारत की पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के साथ साझेदारी की है।

भारत की पैरालंपिक समिति के महासचिव श्री गुरशरण सिंह ने कहा कि भारत की पैरालंपिक समिति (पीसीआई) में हमारा प्रमुख मिशन पैरा-स्पोर्ट्स में समावेशन और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। ब्लैकबेरीज़ के आगे बढ़ते रहो की भावना के साथ मेल खाते हुए, यह साझेदारी दृढ़ संकल्प, लचीलेपन और उत्कृष्टता की निरंतर खोज के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का उदाहरण है। यह हमारे पैरा-एथलीटों की क्षमता में हमारे अटूट विश्वास को दर्शाता है और अपने उत्पाद नवाचार और फिट के माध्यम से व्यक्तियों को आगे बढ़ते रहो के लिए ब्लैकबेरीज की प्रेरणा को प्रतिबिंबित करता है। यह सफल सहयोग खेल भावना और उपलब्धि के प्रति हमारे सामूहिक समर्पण का प्रतीक है, जो टीम इंडिया को एशियाई पैरा खेलों में जीत के लिए प्रेरित करता है। चौथे एशियाई पैरा गेम्स में टीम इंडिया 17 खेलों में भाग लेगी। भारतीय दल तीरंदाजी,

एथलेटिक्स, बैडमिंटन, ब्लाइंड फुटबॉल, बोकिया, कैनो, शतरंज, साइकिलिंग, जूडो, लॉन बॉल, पावर लिफ्टिंग, रोइंग, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो और व्हीलचेयर फेंसिंग सहित कई श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेगा। इस दौरान श्री सत्यनारायण, अध्यक्ष पैरा एथलेटिक्स, श्री राहुल स्वामी, उप प्रमुख डे मिशन, श्री निखिल मोहन-सह-संस्थापक और ब्लैकबेरीज़ के निदेशक, श्री राजेश सेथुरमन उपाध्यक्ष-ब्लैकबेरीज़ आदि लोग मौजूद थे।

भारत करेगा एशियाई आर्म रेसलिंग चैम्पियनशिप की मेजबानी

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (पीएएफआई) ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत को 2025 में एशियाई आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है। यह घोषणा वर्ल्ड आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में आयोजित एशियाई कांग्रेस के दौरान की गई थी। इस कांग्रेस में अध्यक्ष प्रीति झंगियानी के नेतृत्व में पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन द्वारा रखे गए प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया वर्तमान में इस चैंपियनशिप को आयोजित करने के लिए भारत के विभिन्न शहरों पर विचार कर रहा है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन इंडिया (पीएएफआई) की अध्यक्ष झंगियानी ने कहा, हम 2025 में एशियाई आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप की मेजबानी करने को लेकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हम इसे लेकर उत्साहित हैं। यह टूर्नामेंट यह शीर्ष एथलीटों को प्रतिस्पर्धा करने और भारत में एक खेल के रूप में आर्म रेसलिंग को बढ़ावा देने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करेगा। इस टूर्नामेंट के माध्यम से, सभी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने कौशल और वे क्या करने में सक्षम हैं, दिखाने का अवसर मिलेगा। यह देश भर के एथलीटों को भी कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगा, जिससे कि वे अपने देश के लिए गौरव लाने का काम कर सकें। हाल ही में संपन्न 44वीं विश्व आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2023 और 25वीं पैरा आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में भाग लेने वाले भारतीय दल ने बहुत शानदार प्रदर्शन किया। 24 अगस्त से 3 सितंबर तक अलमाटी (कजाकिस्तान) में आयोजित इस इवेंट में भारतीय दल ने 11 पदक जीते, जिसमें तीन स्वर्ण, छह रजत और दो कांस्य शामिल हैं।

किदांबी श्रीकांत ने आर्कटिक ओपन के राउंड ऑफ 16 में बनाई जगह

वांटा 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। आर्कटिक ओपन 2023 बैडमिंटन के पुरुष एकल के राउंड ऑफ 32 मैच में जर्मनी के मैक्स वीस्किरचेन के चोटिल होने के कारण रिटायर होने के बाद किदांबी श्रीकांत को विजेता घोषित किया गया। इसके साथ भारतीय शटलर राउंड ऑफ 16 में पहुंच गये है। फिनलैंड के वांटा में आयोजित वीडब्ल्युएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में जर्मनी के बैडमिंटन खिलाड़ी वीस्किरचेन ने जब चोट के कारण मैच छोड़ा उस समय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी श्रीकांत 11-6 से आगे चल रहे थे। भारतीय शटलर गुरुवार को सातवीं वरीयता प्राप्त जापान के कांटा सुनेयामा होगा।

पुरुष एकल के एक अन्य मुकाबले में बैडमिंटन रैकिंग में 42 वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी किरण जॉर्ज ने 26 वरीयता प्राप्त फ्रांसीसी शटलर टोमा जूनियर पोपोव को मात दी। भारतीय शटलर ने 73 मिनट तक चले मुकाबले में 24-22, 15-21, 21-15 से जीत दर्ज करते हुए अगले राउंड में जगह बनाई।

अगले राउंड में किरण जॉर्ज, चीन के लु गुआंग ज़ू के खिलाफ अपनी चुनौती पेश करेंगे जिन्हें प्रतियोगिता में चौथी वरीयता प्राप्त है।

हालांकि, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के वेंग होंग यांग के खिलाफ 47 मिनट तक चले मैच में 19-21, 14-21 से हारने के बाद प्रतियोगिता में मिथुन मंजूनाथ का सफर समाप्त हो गया। इस बीच, तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की महिला युगल जोड़ी ने जापान की रेना मिआउरा और अयाको साकुरामोटो की जोड़ी को राउंड ऑफ 32 मैच में हराकर अगले राउंड में जगह बना ली। भारतीय महिला जोड़ी ने 39 मिनट का समय लेकर जापानी जोड़ी को रोमांचक मुक़ाबले में 22-20, 21-19 से हराया। राउंड ऑफ 16 में तनीषा और अश्विनी का सामना फ्रांस की मार्गोट लैंबर्ट और एनी ट्रान से होगा। वहीं, मिश्रित युगल स्पर्धा में तनीषा क्रास्टो का सफर मंगलवार को समाप्त हो गया। दरअसल, साई प्रतीक और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी को हिरोकी मिडोरीकावा और नात्सु सायतो की जापानी जोड़ी के ख़िलाफ़ 14-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। महिला युगल स्पर्धा में, रूतपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा की भारतीय जोड़ी भी हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई। पांडा सिस्टर्स को चीन के लिऊ शेंग शु और टैन निंग की जोड़ी ने 28 मिनट तक चले मुक़ाबले में 9-21, 10-21 से हराया।

गुरुवार को महिला एकल के राउंड ऑफ 16 मैच में पीवी सिंधु का सामना विश्व की 22वें नंबर की शटलर चीनी ताइपे की वेन ची सू से होगा। दोनों खिलाड़ियों का सामना एशियाई खेल 2023 के राउंड ऑफ 32 में हुआ था, जहां भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने सीधे गेम में जीत हासिल की थी।

भारत शुरुआती फुटबॉल मैच में मलेशिया को चौंका सकता है : स्टिमैक

कुआलालंपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम पेस्टाबोला मर्डेका टूर्नामेंट के शुक्रवार को होने वाले शुरुआती मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान मलेशिया को चौंकाने का प्रयास करेगी।

भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने कुआलालंपुर के बुकिट जलील स्टेडियम में होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हम पिछले कुछ महीनों में मलेशिया के अच्छे प्रदर्शन के बारे में पता हैं। उनके पास एक अच्छा कोच और कुछ अद्भुत घरेलू खिलाड़ी हैं, जिन्हें स्वाभाविक खिलाड़ियों का बहुत अच्छा समर्थन प्राप्त है, इस समय टीम में काफी स्थिर है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सूत्रों ने बताया कि मलेशिया ने इस वर्ष अब तक नौ अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और जिनमें से छह में जीत, दो ड्रॉ रहे और एक हार का सामना करना पड़ा है।

भारतीय कोच स्टिमैच ने कहा, मेरा मानना है कि इससे पहले गेम में मलेशिया को फायदा होगा। जाहिर है वे अपने घरेलू मैदान पर हैं और उन्होंने यहां अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन हम यहां उनके खिलाफ कुछ आश्चर्यजनक करने के लिए आए हैं।

उन्होंने कहा, उनके पास एक बहुत ही स्थिर, प्रतिस्पर्धी पक्ष है और उन्हें इस बात का स्पष्ट विचार है कि उन्हें मैदान पर क्या करने की आवश्यकता है। हम भी ऐसी ही स्थिति में हैं, लेकिन 90 हजार समर्थकों के साथ और घर से दूर हमारा रिकॉर्ड, जो उतना अच्छा नहीं रहा है, इससे मलेशिया को फायदा होगा। भारत पेस्टाबोला मर्डेका के पीछे की विरासत और इतिहास से अच्छी तरह परिचित है, उसने 17 बार यह टूर्नामेंट खेला है। हालाँकि भारतीय टीम की नज़र अगले महीने कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर पर भी है।

स्टिमैक ने कहा, हम इस टूर्नामेंट के इतिहास और महत्व के बारे में जानते हैं और हम दो मैच जीतने और पहली बार ट्रॉफी उठाने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे, लेकिन हमें आगे आने वाली चुनौतियों के प्रति भी सचेत रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम कोई भी चोट का जोखिम न उठाएं, क्योंकि नवंबर में हमारे पास दो बहुत महत्वपूर्ण विश्व कप क्वालीफायर आने वाले हैं।

उन्होंने कहा, विश्व कप क्वालीफायर के ड्रा के पॉट 2 में होने के कारण, हमारे पास पहली बार राउंड 3 में जगह बनाने का बहुत अच्छा मौका है, और यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत के मुख्य कोच ने पिछले कुछ महीनों में ट्राइ-नेशन कप, इंटरकांटिनेंटल कप और एसएएफएफ चैम्पियनशिप के दौरान लगातार तीन खिताब जीतने के लिए अपने खिलाड़ियों की सामूहिक टीम भावना की भी सराहना की।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमारी टीम की ताकत और एकता मलेशिया के खिलाफ हमारे लिए फायदेमंद होगी। हमने कुछ बेहद प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट खेले हैं और साबित किया है कि हम आगे बढ़ रहे हैं। हमने घरेलू मैदान पर तीन टूर्नामेंट जीते हैं और अब हमारे लिए घर से बाहर अपना रिकॉर्ड सुधारने का समय आ गया है। भारत के सेंटरबैक संदेश झिंगन मलेशिया के खिलाफ पहले मैच की गिनती कर रहे हैं, एक ऐसा देश जो एक तरह से उनके प्रारंभिक वर्षों के दौरान उनके लिए विशेष है।

उन्होंने कहा, मलेशिया पहला देश था जहाँ मैं स्कूल के दिनों में फुटबॉल खेलने गया था, इसलिए वह स्मृति मेरे लिए हमेशा विशेष रहेगी। झिंगन ने कहा, वापस आना और मर्डेका जैसे ऐतिहासिक टूर्नामेंट में खेलना बहुत अच्छा है। मैंने इसके इतिहास और विरासत के बारे में सब कुछ पढ़ा है और इस तरह के आयोजन का हिस्सा बनना बहुत अच्छा है।

30 वर्षीय खिलाड़ी कुआलालंपुर में 90,000 सीटों वाले मैदान के सामने खेलने के लिए भी उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, एक एथलीट के तौर पर आप हमेशा बड़े मंच पर खेलना चाहते हैं, आप चाहते हैं कि लोग आएं और आपको देखें। उन्होंने कहा, यह एक कठिन खेल होगा क्योंकि मलेशिया एक अच्छी टीम है और उनका रिकॉर्ड खुद इसके बारे में बोलता है, लेकिन हमें उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे और मैदान पर अपने समय का आनंद लेंगे।

सार संक्षेप

बांग्लादेश के खिलाफ अपनी वापसी को लेकर केन विलियमसन ने जाहिर की खुशी

चेन्नई। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि वह एसीएल की चोट से उबरने के बाद शुक्रवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप में अपने पहले मुकाबले के लिए उत्साहित हैं। आईपीएल 2023 के शुरुआती मैच में फील्डिंग करते समय विलियमसन के दाहिने घुटने में एसीएल टूटने के बाद वो पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे, जिसके बाद उनकी सर्जरी भी हुई। तब से वो टीम से बाहर हैं, हालांकि उन्होंने एक बल्लेबाज के रूप में न्यूजीलैंड के लिए वार्म-अप मैच खेला था और शानदार अर्धशतक भी जड़ा। मगर, वो वर्ल्ड कप में इंग्लैंड और नीदरलैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड के मैचों में नहीं खेल पाए, लेकिन विलियमसन बांग्लादेश के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। विलियमसन ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, जहां तक मेरी रिकवरी की बात है तो यह काफी लंबी यात्रा रही है लेकिन काफी हद तक अच्छी रही है। मैंने कई बार कहा है कि विश्व कप टीम में नामित होने के लिए वास्तव में बहुत उत्साहित हूं।

टेनिस सुपरस्टारों में से ओसाका की ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में वापसी की प्रबल संभावना

सिडनी। ऑस्ट्रेलियन ओपन (एओ) के आयोजकों ने घोषणा की है कि 2024 की शुरुआत में कई सुपरस्टार मेलबर्न पार्क में वापसी करने के लिए तैयार हैं, जिसमें पूर्व चैंपियन नाओमी ओसाका भी शामिल हैं। गुरुवार को एओ द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मातृत्व अवकाश के बाद, एओ महिला एकल चैंपियन - ओसाका, एंजेलिक कर्बर और कैरोलिन वोज्नियाकी की तिकड़ी कोर्ट में विजयी वापसी की योजना बना रही है और संभावित रूप से नव स्थापित खिलाड़ियों को परेशान कर सकती है। ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट के निदेशक क्रेग टिली ने टिप्पणी की, हमें इन अद्भुत महिलाओं, नाओमी, एंजी और कैरोलिन का वापस स्वागत करते हुए खुशी हो रही है, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में धूम मचाई और अपने एथलेटिकिज्म, लचीलेपन और अपनी खेल भावना से प्रशंसकों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा, उन्हें लगेगा कि उनके सर्वोच्च शासन करने के बाद से परिदृश्य कुछ हद तक बदल गया है,क्योंकि 2023 सीज़न कई महिला खिलाड़ियों के उदय का गवाह बना है। नंबर 1 एकल रैंकिंग पोलैंड की इगा स्वीयाटेक से बदलकर मौजूदा एओ चैंपियन आर्यना सबालेंका के हाथों में आ गयी है ,जिससे अप्रैल 2022 के बाद से शीर्ष स्थान पर स्वीयाटेक का 75 सप्ताह का प्रभुत्व समाप्त हो गया। हाल ही में समाप्त हुए यूएस ओपन में, 19 वर्षीय अमेरिकी कोको गॉफ ने सबालेंका को हराकर 20,000 से अधिक टेनिस प्रशंसकों के सामने अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीती।